ये चरवाहे ही क्यों होने थे

... मैं सोचता हूँ, मैं एक तरह का बहुत देर तक बोलने वाला उबाऊ प्रचारक हूँ। और अशिक्षितहूँ, मैं—मैं सोचता हूँ, मैं कुछ लोगों को एक प्रचारक जैसा नही दिखाई देता हूँ। और मैं—मैं एक प्रचारक होने का दावा भी नही करता, मैं एक तरह का अतरिक्त टायर हूँ। लेकिन मैं महसूस करता हूँ मेरे पास परमेश्वर की ओर से सन्देश होता है, जो मेरे अपने तरीके से बोलता हूँ (केवल उसी तरीके से मुझे इसे प्रस्तुत करना है) मैं इसे संसार के लिए प्रस्तुत करने की कोशिश करता हूँ। और यदि मैं उस सन्देश के साथ नही बना रहा, तो मैं परमेश्वर के लिए एक कपटी और आपके लिए एक ढोंगी होता हूँ। एक व्यक्ति जो एक बात को कहेगा और कुछ और ही विश्वास करेगा, यह एक ढोंगीपन है। हमें हमेशा अपने ह्रदय से सच्चाई को ही बोलना है। जिससे जब लोग हमारी ओर देखे, यहाँ तक वो हमारे साथ सहमत नही भी हो, हम पुरुष और स्त्री को सम्मान करना चाहेंगे; जिससे हम हमारे ह्रदय से बोले, जो की हमारे ह्रदयो में सत्य है।

2 पिछले वर्ष, या उसके पहले के वर्ष, मुझे एक—एक मसीह से बोलने का सौभाग्य मिला... या मुझे क्षमा करना, मुझे क्रिसमस के सन्देश पर, यहाँ रामदा में बोलने का सौभाग्य मिला। और मैं सोचता हूँ, मैंने उस विषय पर बोला, यहाँ पर या तो फोनिक्स में; *छोटा बेथलेहम ही क्यो?* और मैं सोचता हूँ, बाद में पिछले वर्ष यहाँ पर, मैं उस पर बोला; *हमने पूर्व में उसके तारे को देखा है और हम उसकी आराधना करने को आए है*।

3 और, आप जानते है, बाइबल को पढ़ा है, और हम उन "*क्यों*? " को सोचते है। और आज रात मैंने सोचा, यदि आप मेरे साथ कुछ धीरज रखेंगे, और मेरे साथ प्रार्थना करेंगे, मैं आपको अपने क्रिसमस के सन्देश को देने की कोशिश करूँगा। केवल परमेश्वर ही जानता है हम अगले क्रिसमस में कहाँ रहेंगे, यदि इसके बाद एक अगला क्रिसमस होता है। इसलिए कि शायद यह आखरी क्रिसमस हो सकता है वे एक साथ इकठ्ठा बैठे है, जब तक हम एक और मेज में नही बैठते है। और ये एक इस तरह का नही होगा, लेकिन ये होगा जब हम उसके साथ नए तरह से प्रभु भोज को खायेंगे और पीयेंगे, उस मार्ग के अंत में पिता के राज्य में। और फिर, आइये हम

आज रात इसके समीप जाये, इस तरह से यदि ये क्रिसमस का आखरी सन्देश होता था, तो हम हमेशा के लिए एक साथ सत्यता की गहराई में बैठे होते।

4 मैं आज रात असाधारण विषय पर बोलना चाहता हूँ, लेकिन कभी–कभी आप पाते है, परमेश्वर असाधारण बातों में है। वो उन चींजो को एक असाधारण रीती में करता है। ना ही साधारण तरीके से, ये असाधारण तरीके है, असाधारण समयों में, असाधारण दृश्यों में, वो असाधारण है। और मैं यह चाहता हूं... प्रभु ने चाहा तो, मैं: *ये चरवाहे ही क्यों होने थे,* विषय पर बोलना चाहता हूँ।

5 और अब हम इससे पहले वचन की ओर जाये, जिसे मैं विश्वास करता हूँ वो परमेश्वर है, "आदि में वचन था, वहां परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। और वचन देहधारी हुआ और हमारे बीच में डेरा किया।"

6 जैसे मैंने कहा, पिछले सप्ताह, या उसके पिछले सप्ताह फोनिक्स में, "ये साबित हुआ है कि वहां पर इस धरती के विषय–वस्तु, लोग अब इस ईमारत से होकर गुजर रहे है।" टेलीविज़न इसे साबित करता है। ये एक दुसरे अय्याम में है, और हमारी स्वाभाविक ऑखें और हमारी पांच चेतनाए इसे पकड़ नही सकती है। ये टेलीविज़न नही है जो कुछ उत्पादन करता है, ये तो केवल वे चेनल है। आप अपनी उंगली से नही चला सकता है, आप अपनी आँखों को नही झपका सकते है, लेकिन ये हमेशा के रिकॉर्ड होने के लिये साबितहुआहै। मैं खड़ा हो सकता हूँ... या एक व्यक्ति ऑस्ट्रेलिया में है, यहाँ पर एक—एक टेलीविजन का पर्दा होगा, केवल इतना ही नही वो—वो व्यक्ति बोल सकता है, अपने ऊँगली को हिलाता है, उसकी आँखों को झपकाता है, या यहाँ तक जो उसने कपडे पहने हुए है, ये यहाँ सामने परदे पर दिखाई देगा, और वो अफ्रीका में है, ऑस्ट्रेलिया में, यहाँ–वहां दुनिया में है। देखो, वहां एक रंगरहित समुन्द्र का चक्र है। मैं इसकी व्याख्या नही कर सकता हूँ, लेकिन मैं जानता हूँ, ये वहां पर है। मैं नही सोचता कि कोई भी सचमुच इसकी व्याख्या कर पायेगा। इसलिए, टेलीविज़न इसे अन्दर खींच सकता है और कुछ यंत्रो के द्वारा इसे एक वास्तविक बनाते है, जिससे वे परदे पर प्रकट कर पाते है।

7 अब, यही चीज यहाँ पर थी जब आदम यहाँ पर था। टेलीविज़न यहाँ पर था जब—जब कर्नेल पहाड़ पर बैठा हुआ था। ये यहाँ पर था जब

मार्टिन लूथर, वो जवान याजक, जमीं पर उन अधिकारों को फैंक दिया और कहा, "ये विधिसम्मत है! और धर्मीजन विश्वास से जीवित रहेगा।" ये तब यहाँ पर था, लेकिन हम इसकी अभी खोज कर रहे है। और उसी तरह से, जो आज रात हमारे मौजूदगी में परमेश्वर है, दूत, आलौकीक जीव, जो हमारी स्वाभाविक चेतना की दृष्टी से ओझल है। लेकिन किसी दिन ये वास्तविक होगा, बिल्कुल वैसे ही जैसे अभी टेलीविज़न है, और वैसे ही जैसे सार्वजनिक है। अब, इसी कारण से मैं वचन का विश्वास करता हूँ।

8 यीशु ने कहा, "जो कोई इस बाइबल के साथ एक शब्द भी जोड़ेगा, या इसमें से एक शब्द भी निकालेगा, उसका भाग जीवन की किताब से निकाल दिया जायेगा।"

9 तो, तब आइये हम अपने सिरों को झुकायें, इसे पढने से पहले। अति पवित्र! किसी भी मनुष्य के पास शारीरिक शक्ति है, वो बाइबल के पन्नो को पलट सकता है, लेकिन केवल परमेश्वर ही इसे प्रकट कर सकता है।

10 और हमारे सिरों को अब हम नीचे मिट्टी की ओर झुकाते है जहाँ से हमें लिया गया है, और किसी दिन हम वापस चले जायेंगे, मैं सोचता हूँ... और इस महान क्षण में, जब हम क्रिसमस की ओर पहुंच रहे है, यदि यहाँ पर कोई है जो सचमुच में अयोग्य महसूस कर रहा है और इस प्रार्थना में स्मरण करवाना चाहेगा, क्या आप (बिना अपने सिर को ऊपर उठाये) केवल अपने हाथों को परमेश्वरकी ओर उठाकर और कहेंगे, "प्रभु मुझे इस क्रिसमस में याद करना? " परमेश्वर आपको आशीष दे।

11 अति पवित्र और महिमामय स्वर्गीय पिता, सर्वसामर्थी परमेश्वर, वो जो आदि से था, इससे पहले वहां कोई एक तारा था, या एक अणु, एक कण हो। आपने सारी चींजो को आपके पुत्र यीशु मसीह के द्वारा बनाया, और उसमें सारी चींजो को हमें आज़ादी से दे दिया है। हम आज रात आपका धन्यवाद करते है, प्रभु क्योंकि आपने हमें ये सौभाग्य दिया है ताकि हम अपने आप में एकसाथ इकट्ठा हो, पवित्र आत्मा के द्वारा चेतावनी और सिखाये जाने के लिए। और पवित्र आत्मा आपके वचनो को लेता है और उन्हें हमारे लिए प्रकट करता है, क्योंकि यीशु ने कहा, "जब वो सच्चाई का आत्मा आयेगा, वो तुम्हे इन बातों को याद दिलायेगा, जिसे मैंने कहा है, और आने वाली बातों को तुम्हे दिखायेगा।"

12 परमेश्वर, वहां पर हमारे बीच एक भी नहीं है, ना ही वहां इस धरती पर कोई एक है जो आपके वचन का अनुवाद करने की कोशिश करे, क्योंकि यह लिखा है कि, "परमेश्वर के वचन का कोई व्यक्तिगत अनुवाद नहीं है।" इसलिए, प्रभु हम प्रार्थना करते है कि पवित्र आत्मा आज रात हमें उसे दे दे, हम में से हर एक जन को उस भाग को दे दे, जिसकी हमें संतुष्टि के लिए आवश्यकता है, उस भूख के लिए जो हमारे ह्रदय में है, आपके साथ नजदीक चलने के लिए। हम बेकार है, अशुद्ध है, अयोग्य है। वो बालक जिसने बेतलहम में जन्म लिया था, जिसने सबसे सिद्ध जीवन को जीया, और जो धरती पर केवल सिद्ध मनुष्य था, और स्वयं को एक बंधनमुक्त के लिए दे दिया जिससे वो हम अशुद्ध पापियों को शुद्ध करे और हमें पिता के साथ एक सबंध के अन्दर लेकर आए, आज रात प्रदान करे कि उसका पवित्र आत्मा (वचन को प्रचार करने के जरिये से) हमारे लिए इसे करेगा।

13 प्रभु परमेश्वर, आज धरती पर बहुत से बीमार है उन सबसे उत्तम दवाईयो के साथ, जिसके साथ हमने निरंतर डॉक्टर की उपाधि को हासील किया है, और उत्तम दवाईयां और बेहतर अस्पताल है। और अब भी हमारे सारे वैज्ञानिक खोज करते है, फिर भी पहले से और अधिक बीमारीयां है, जिसे संसार ने कभी जाना, क्योंकि वहां पहले से और अधिक पाप और अविश्वास है, जिसे संसार ने कभी जाना। हमारी आज रात सहायता करना, महान चिकित्सक, और बिमारो को चंगा करे, जो हमारे बीच में है।

14 और हमें आत्मा देना, वो सच्चा क्रिसमस का आत्मा। जब आज... जब मूर्ति पूजको के समारोह, क्रिसमस के पेड़ो की आराधना करते है, एक—एक सांता क्लास नामक व्यक्ति की झूठी कहानियां, और हमारे ईस्टर के खरगोश और विभीन्न फैशन जिस पर व्यवसायिक संसार ने लाभ उठाया है, ये हो सकता है परमेश्वर को एक तरफ कर देगा। आइये हम मसीह के अन्दर प्रवेश करें, जो वचन है, क्योंकि हम इसे उसके नाम से, और उसकी महिमा के लिए मांगते है। आमीन।

15 यदि आप पवित्र लेख में मेरे साथ पढने के लिए पलटना चाहेंगे, संत लुका का दूसरा अध्याय। क्या आप मुझे ठीक से सुन सकते है?

क्या वहां माइक्रोफोन में कुछ बदलाव को करना है? क्या वहां पीछे मुझे ठीक से सुन सकते है? यदि आप सुन सकते है, तो अपने हाथो को उठाये।

धन्यवाद। दुसरे अध्याय के सुसमाचार संत लुका के अनुसार।

उन दिनों में औगूस्तुस कैसर की ओर से आज्ञा निकली, कि सारे जगत के लोगों के नाम लिखे जाएं।

(यह पहिली नाम लिखाई उस समय हुई... जब क्विरिनियुस सूरिया का हाकिम था।)

और सब लोग नाम लिखवाने के लिये अपने अपने नगर को गए।

सो यूसुफ भी इसलिये कि वह दाऊद के घराने और वंश का था, गलील के नासरत नगर से यहूदिया में... दाऊद के नगर बैतलहम को गया; क्योंकि वो दाऊद के घर का और उसका वंश था:

कि अपनी मंगेतर मरियम के साथ जो गर्भवती थी नाम लिखवाए।

उन के वहां रहते हुए उसके जनने के दिन पूरे हुए।

और वह अपना पहिलौठा पुत्र जनी और उसे कपड़े में लपेटकर चरनी में रखा। क्योंकि उनके लिए सराय में जगह नही थी:

और उस देश में कितने गड़ेरिये थे, जो रात को मैदान में रहकर अपने झुण्ड का पहरा देते थे।

और प्रभु का एक दूत उन के पास आ खड़ा हुआ; और प्रभु का तेज उन के चारों ओर चमका, और वे बहुत डर गए।

तब स्वर्गदूत ने उन से कहा, मत डरो; क्योंकि देखो मैं... तुम्हें बड़े आनन्द का सुसमाचार सुनाता हूं जो सब लोगों के लिये होगा।

कि आज दाऊद के नगर में तुम्हारे लिये एक उद्धारकर्ता जन्मा है, और यही मसीह प्रभु है।

और इस का तुम्हारे लिये यह पता है, कि तुम एक बालक को कपड़े में लिपटा हुआ और चरनी में पड़ा पाओगे।

तब एकाएक... उस स्वर्गदूत के साथ स्वर्गदूतों का दल... परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते दिखाई दिया।

कि आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है शान्ति हो।

जब स्वर्गदूत उन के पास से स्वर्ग को चले गए, तो गड़ेरियों ने आपस में कहा, आओ, हम बैतलहम जाकर यह बात जो हुई है, और जिसे प्रभु ने हमें बताया है, देखें।

और उन्होंने तुरन्त जाकर मरियम और यूसुफ को और चरनी में उस बालक को पड़ा देखा।

इन्हें देखकर उन्होंने वह बात जो इस बालक के विषय में उन से कही गई थी, प्रगट की।

और सब सुनने वालों ने उन बातों से जो गड़ियों ने उन से कहीं आश्चर्य किया।

परन्तु मरियम ये सब बातें अपने मन में रखकर सोचती रही।

और गड़ेरिये जैसा उन से कहा गया था, वैसा ही सब सुनकर और देखकर परमेश्वर की महिमा और स्तुति करते हुए लौट गए।

प्रभु उसके पढ़े हुए वचन पर उसकी आशीष को जोड़े।

16 अब, यह एक... क्यों इस महान घटना को चरवाहों पर प्रगट की गयी? यह एक प्रकार से हमारे लिए एक चौका देने वाली बात होगी। मेरे पास यहाँ कुछ वचन लिखे हुए है, और थोड़े लिखे हुए शब्द है, जिस पर मैं जानने की कोशिश करूँगा, ताकि उस *क्यों* को मेरे उत्तम प्रयास की जानकारी से मैं आपको समझाऊँ। और हो सकता है इसके बाद, कि परमेश्वर आज रात अपने अनुग्रह से हममे से उस*क्यों* को निकाल देगा। लेकिन क्या... हम में से ज्यादातर, मैं समझता हूँ, एक समय या कभी तो, सोचा होगा इस सारे समय की सबसे महान घटना को चरवाहों पर क्यों प्रकट की गयी थी। क्यों इसे चरवाहों को प्रकट किया गया और उस समय के धर्मशास्त्रियों को नही? वे ही वो एक थे जिन्हें इसे सुनने के लिए प्रशिक्षित किया गया था, क्यों इसने आकर, धनवानों को छोड़ते हुए निकला और निर्धन के पास आया? क्यों इसने आकर और पढ़े–लिखे और ज्ञानियों को भी छोड़ते हुए निकला और नम्र और अनपढ़ के पास आया? वहां पर इसमें ऐसे कुछ सवाल है, *क्यों*।

17 और किसी और कारण से मैं कह सकता हूँ, ध्यान देना, उस बालक ने बेतलेहम में जन्म लिया। जो बेतलेहम का इब्रानी में अनुवाद बताया है, जैसे हमने यहाँ कुछ वर्ष पहले अनुवाद बताया, *बेतलेहम* मतलब "परमेश्वर

की रोटी का घर।" और हमने वचनो में से साबित किया, वो कोई और स्थान में नही आ सकता है। बेतलेहम को राहाब और उसके—उसके पति के द्वारा स्थापित किया गया था। राहाब एक वेश्या थी, जिसे उस—उस इस्राएलियो की सेना से, उस सेनाप्रमुख ने आमन्त्रित किया, उनके येरियों को ले लेने के बाद। और विश्वास के द्वारा, उसकी परिस्थिती में उसने परमेश्वर के सन्देश का भरोसा किया, और वो बच गयी थी। और वहां पर से, जब यहोशु ने देशो का विभाजन किया जहाँ पर हर एक जन को होना है...

18 और यह एक बड़ी सीख है कि किसी समय मैं आशा करता हूँ, टूसान में इसे ला सकूँ, उन इब्रानी माताओ के लिए, जो उन बच्चो को जन्म दे रही थी। जब वो बालक के प्रसव पीड़ा की कराह में थी, उसने बालक के नाम को पुकारा और प्रतिज्ञा देश में इसे स्थानीय रूप में स्थान में रखा, यही जनजाति है। वो महान चीज, सारा परमेश्वर का वचन ठीक एक साथ जुड़ता है। यदि यह एक साथ नही बैठता है तो, ये परमेश्वर का वचन नही है, यह सही नही जुड़ता है, ये तुम्हारे विचार है, जो वचन को सही नही जोड़ रहे है। यह सब एकसाथ सही जुड़ते है।

19 तो, फिर, वो जीवन की रोटी है, जैसे हमने पिछले हफ्ते फ़ीनिक्स में सिखाया था, या उसके पिछले हफ्ते में। और वो जीवन की रोटी होने के नाते, वो *"परमेश्वर की रोटी के घर"* को छोड़ कोई और स्थान में नही आ सकता था। और इसीलिए वो *क्यों* था। अब, यहाँ यीशु ने बेतलेहम में जन्म लिया है, और बेतलेहम में यहूदियों का मंदिर था, बड़े धार्मिक नेतृत्व करने वाले बेतलेहम में रहे थे। उस महान चरवाहे–राजा दाऊद ने बेतलेहम में जन्म लिया, उसके पिता यिशै ने बेतलेहम में जन्म लिया, उसके दादा ओबेद ने बेतलेहम में जन्म लिया था। और वे सारे पिछले भी, वो बेतलेहम से आया।

20 और यहाँ, यीशु दाऊद के पुत्र ने उस बड़े गिरजेघर की ठीक छाया के नीचे, बेतलेहम में जन्म लिया। फिर, यदि वे लोग प्रशिक्षित है और इन सारे वर्षो में मसीहा के लिए देख रहे थे; चार हजार वर्षो से, मसीहा की आने की भविष्यवाणी की गयी थी। और फिर यदि मसीहा का जन्म बड़े गिरजेघर की छाया के नीचे होता है, वे क्यों ऊपर सीधे पहाड़ो में चले गए, उन अनपढ़ और अशिक्षित चरवाहो की ओर, इस महान सन्देश को लाने के

लिए, जो पहला सन्देश है? और चरवाहों को आज्ञा दी गयी! ना ही ज्ञानी और शिक्षित को, लेकिन चरवाहों को। ये एक अजीब बात है, क्या ये नही है? लेकिन वहां पर कहीं तो *क्यों* को होना है... वहां एक *क्यों* है, अब वहां पर एक *क्यों* का उत्तर होना है! और सिवाय परमेश्वर के कोई मनुष्य उत्तर को नही जानता। केवल वो ही एक उत्तर को जानता है।

21 अब, याद रखना, मसीहा पहले से ही शहर में था, शहर में जन्मा था, एक चरनी में; ठीक उस बड़े गिरजाघर के पास जहाँ पर वो महायाजक... और वे बड़े याजक, और वे धर्म शास्त्री, और ज्ञानी, और शिक्षित वे सारे मसीहा का इंतजार कर रहे थे। और ठीक उनके बीच में था! लेकिन फिर क्यों वे... यहूदिया की पहाड़ी पर अनपढ़, अशिक्षित, असभ्य सबसे निर्धन की ओर गए? इस प्रकार के नियुक्त कार्य के लिए सबसे अयोग्य व्यक्ति के जैसा दिखा, कि सन्देश को प्रकट करे और उन्हें वहां पर सन्देश को लेन के लिए भेजता है।

22 क्या आप मेरे राय को जानते है? यह शायद बहुत ज्यादा फलस्वरूप नही है, लेकिन मैं अपनी राय को देना चाहता हूँ: मैं परमेश्वर की बुद्धिमता के कारण इसका विश्वास करता हूँ, कि वे जानते थे, वे इस तरह के सन्देश को ग्रहण नही करेंगे, जिस तरह से ये आया था। यह उनके सिखा रहे ज्ञान के स्वाद में नही था। यह अलग ही था। ये वो नही था, जो उन्हें सिखाया जा रहा था कि विश्वास करे वो ऐसा होगा। वो उनकी धर्म ज्ञान की समझ से विपरीत था। उनका सारा प्रक्षिक्षण, उनका सारा सिखाये जाने को छोड़ कर आगे निकल गया, जो बेकार हो गया। मैं इसका विश्वास करता हूँ, जो परमेश्वर की बुद्धिमता थी, कि जानते थे, वे इस तरह के एक सन्देश को ग्रहण नही करेंगे।

23 तो मसीह यहाँ पर था, और वहां पर कोई तो इसे पहचानने वाला होना ही है। और वो उन्हें जानता था जो इस तरह के क्रिया कलाप से मिलते–जुलते नही थे। वो एक अनपढ झुण्ड में होगा, जो उसके सन्देश को और अधिक पकड़ सकेगा, वो एक मिला–जुला झुण्ड में होने से, जो अपने तरीके में स्थिर थे, जो उन्हें कुछ भी नही मोड़ पाया, यहाँ तक की परमेश्वर का वचन भी।

24 और अब, मसीह मित्रो, मुझे इस सवाल को पूरी निष्ठा और प्रेम के साथ पूछने दो। मैं अब सोचता हूँ, यदि वो आज रात को उसी तरह से कार्य

को करेगा और हमें इस पीढ़ी में भेजता है, वो प्रतिज्ञा किया वचन जिसे इस इस पीढ़ी के लिए प्रतिज्ञा किया है, मैं सोचता हूँ यदि हमारे धर्म ज्ञानी और विद्वान, और ज्ञानी, सन्देश को नही घुमाएंगे बिल्कुल वैसे ही जैसे उन्होंने तब किया तो? मनुष्य नही बदलता है, न ही परमेश्वर का वचन बदलता है। वो न बदलने वाला परमेश्वर है, वो नही बदलता है!

25 ध्यान देना, दूत आ रहे है... दूत आ रहे है और उनके सन्देश को ऐसे निचले वर्ग के मनुष्य को दे रहे है, जब की वहां (धरती के विचारो से) पर इन निर्धन, अनपढ़ चरवाहों से और ज्यादा निपुण मनुष्य थे। वे चरवाहे किसी से भी अधिक अनपढ़ थे, उसे केवल उसकी भेड़ को छोड़कर कुछ भी जानने की आवश्यकता नही है। उसे गणित जानने की आवश्यकता नही पड़ी। उसे ये जानने की आवश्यकता नही पड़ी, कैसे अणु को विभाजित करना है। उसे कोई विद्या ज्ञान की आवश्यकता नही पड़ी। उसे केवल उसकी भेड़ो को ही जानना था, यही है जो सब उसे जानना है। और परमेश्वर, वो महान बुद्दिमता, वो झरना और सारी बुद्दिमता का साधन, वो इस तरह के ऐसे एक व्यक्ति को चुनेगा जैसे (जैसे मतलब व्यक्तियों) और सारे पूरी तरह से प्रशिक्षित विद्वान को छोड़ते हुए, जिसे यह जानने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। ये एक बात को दिखाता है, कि उन्होंने गलत कार्यक्षेत्र में शिक्षा पाई थी। देश के सारे महत्वपूर्ण लोगो को छोड़ते हुए; वहां पर महत्वपूर्ण लोग थे, बड़े शिक्षक, काईफा वो महायाजक, और भी दुसरे बड़े व्यक्ति, सारे इस्राएल के महान पढ़े–लिखे व्यक्ति, सारी संस्थाओ, और डिंग मारते धर्म शास्त्रीयो, परमेश्वर उन उनमें से हर एक को छोड़ते हुए निकल गया! अब, यही परमेश्वर की बुद्दीमता है।

26 ध्यान देना, वो सबसे उच्च स्वर्ग धरती के सबसे नम्र और अनपढ को आदर देने के लिये तुरंत आ गए। वो स्वर्ग के सब से उच्च नीचे उतर आये ताकि वो धरती के सबसे निचलो को स्वयं को ज्ञान कराये, सारे जो बीच में है उन्हें छोड़ते हुए उन साधारण से गडरियों को स्वयं को ज्ञात कराये; साधारण से गडरियों के लिए आते हुए ताकि इन्हें सारे समय के सबसे महान सन्देश को दे। वहां बहुत से महान संदेशवाहक हुए थे। उस नुह के दिन को सोचेंगे, और वे नबी, और—और वे महान याजक, और इत्यादि, जो उन बीते हुए दिनों में हुए थे, वो बड़े पढ़े–लिखे मनुष्य, वे राजा, महाराजा, सम्राट, लेकिन यहाँ वो सारे संदेशो में से सबसे महान सन्देश के साथ आता है। वो सन्देश क्या था? "मसीह अब यहाँ पर है!" देखा? और यह

ज्ञात कराये, उन सारे प्रशिक्षित को छोड़कर, ताकि इसे नम्र चरवाहों को ज्ञात कराये।

27 इस पर सोचे: वे सारे पादरी, सारे गिरजो के मनुष्य, वे सारे शिक्षक, वो—वो सारा धर्मशास्त्री का प्रशिक्षण, वो सारा धन जो खर्च किया गया था, सारी कलीसियाये, सारे सिद्धांत, सारे सम्प्रदायो को छोड़ दिया गया था! उनके पास जो सारी शिक्षा थी, जो उन्होंने उन सारी—उन सारी धर्मविद्यालयों में बिता दी थी, और धर्मान्तरित करते, सारी सदस्यता, और जो हर एक चीज जो उन्होंने सोचा था, उन्होंने परमेश्वर का आदर किया था, फिर भी ये मुख्य सन्देश, उन सबसे छोड़कर निकल गया था, अनोखा है! क्यों? समझे?

28 और ध्यान देना, इतना ही नही, लेकिन इस तरह की घटना के लिए सबसे अविश्वनीय स्थान था। अब वे चरवाहे थे, वो एक जिन्होंने सन्देश को ग्रहण किया था। और अब ध्यान दे, वो सन्देश कहाँ पर था; सबसे अविश्वनीय स्थान में, जिसे कोई भी इसकी आने के लिए अपेक्षा करेगा। और मैं आज रात सोचता हूँ, यदि हम प्रभु यीशु के सच्चे सन्देश को आने के लिए देख रहे थे, मैं सोचता हूँ, ये एक अविश्वनीय झुंड में होगा, एक स्थान जो था... कि वो विशाल, बड़ा सभ्य संसार और आज की कलीसिया, क्या सोचेगी ये एक धर्म विरोधियो का—का झुण्ड था? मैं सोचता हूँ, यदि ऐसा नहीं होता तो हम उसे कहाँ पाते थे? वो सबसे अविश्वनीय स्थान, और सबसे अयोग्य बोलनेवालो लोग। चरवाहे बोलने के बारे में कुछ भी नही जानते है, केवल भेडो को बुलाते है; ठीक है, हो सकता है, इसीलिए ये आया है।

29 लेकिन वहां एक प्रतिज्ञा किया हुआ वचन था। ध्यान देना, ये इसे फिर से कर सकता है।

30 ये देश के उन सारे आलीशान मनुष्यो को छोड़ते हुए निकल गया। ये सारे कुलीन मनुष्यो को छोड़ते हुए निकल गया, और जो कुछ भी नहीं है, उन पर प्रकट हुआ था। वे सारे आलीशान मनुष्य जो बड़ी विद्वान शास्त्र से—से, और—और मनोविज्ञान, और—और उच्च शिक्षाओं, और बड़े प्रधान गिरजाघरो से सुसज्जित थे, इसने सबको छोड़ दिया और जो कुछ भी नही है उन पर प्रकट किया। वो बुद्धिमता, वो सर्वसामर्थी परमेश्वर की विशाल बुद्धिमता ने इसे किया, ताकि उन्हें वो सबसे महँ सन्देश ज्ञात हो,

जो हमेशा था, "मसीह अब धरती पर है।" क्या ही बुद्धिमता है! जो केवल परमेश्वर से आ सकती है, जो बुद्धिमता को जनता है! सारी बुद्धिमता और वो सारी पढाई–लिखाई और सबकुछ अब व्यर्थ पड़ी हुई थी और वो उसे छोड़कर निकल गया था, जो परमेश्वर की महान बुद्धिमता के द्वारा था। मैं इसे बार–बार दोहरा रहा हूँ, क्योंकि मैं चाहता हूँ कि ये अन्दर गहराई में चला जाये। ये सब व्यर्थ पड़ा था, ये कुछ अच्छा नहीं था। इस सबको छोड़कर निकल जाता है, ताकि परमेश्वर की बुद्धिमता के पास अधिकृत रास्ता है, जिससे परमेश्वर जो भी कुछ नही है, उन्हें लेता है, ताकि कुछ तो बनाये।

31 हम यहाँ रुक कर यूहन्ना पर बोल सकते है। हम यहाँ रुक कर और पर बोल सकते है। कोई भी नहीं जानता कहाँ से आया। वे सारे जानते है, वो बस दृश्य पर दिखाई दिया था। वो पहले के युगों के होते आये नबी, वे कुछ भी नहीं थे। लेकिन परमेश्वर ने उसे लिया... और कलीसिया की नीतिशास्त्र और शिक्षाओ को छोड़कर निकला ताकि... ये दिखाये कि वो परमेश्वर है। वो कुछ को लेता है जो कुछ भी नही है, ताकि इसके साथ कुछ तो करे। वो ऐसा करने के द्वारा अपनी बुद्धिमता और परमेश्वरत्व को दिखाता है, जो वो कुछ नही है उन्हें लेता है। जब उसने पहले मनुष्य को बनाया, उसने केवल एक मिट्टी का गोला लिया और इसमें से एक मनुष्य को बनाया। जहाँ पर यह कुछ और नही लेकिन मिट्टी थी, लेकिन उसने मनुष्य को बनाया। और परमेश्वर अब कुछ भी नही है, उसे ले रहा है, जिसके साथ वो कुछ तो करता है। और जब तक हम समझते है कि हम कुछ तो है, तब हमें परमेश्वर के हाथ में इस्तेमाल नही किया जा सकता है। हमें वो सब भूलना ही होगा जो भी हम जानते है या सिखा है। [भाई ब्रन्हम अपने गले को साफ करते है—सम्पा।] (मुझे क्षमा करें) जैसे वो महान संत पौलुस, उसने कहा उसे वो सब भूलना था जो भी उसने सिखा था, जिससे वो मसीह को जान सके।

32 उनकी सारी पढाई–लिखाई, उनकी सारी शिक्षाये और इत्यादि, उनकी तैयारी थी जो उनके लिए बेकार थी। इसने अत: उसका इंकार कर किया! वही पढाई–लिखाई जो उनके पास *उसके* लिए थी, ताकि वे उस पर विश्वास करे, लेकिन वे पीछे मुड गये और उसके सबसे ज्यादा निंदा करने वाले शत्रु बन गए, और उसे क्रूस पर चढा दिया।

33 क्या आप जानते है कि इतिहास अपने आप में हर बार दोहराया जाता है? यह एक प्रख्यात तथ्य है। यह फिर से ठीक हमारे पास ही हो सकता है। "ओह," आप कहते है, "यदि मैं उस वक्त होता था तो... " तो, अब, यदि आप जानना चाहते है, आपने उस वक्त क्या किया होता था, आप ठीक अभी अपनी वर्तमान की दशा को देखे; और आप देख सकते है, आपने उस वक्त क्या किया होता था, क्योंकि ये निश्चय ही दिखाई दे रहा है।

34 उसके वचन को विश्वास करने के लिए प्रशिक्षित किये गए, और फिर जब उसका वचन उन्ही की आँखों के सामने प्रमाणित हुआ, उन्होंने वचन का इंकार किया जो प्रमाणित हुआ था। जब परमेश्वर ने जो वो करेगा, उसे साबित किया, और कहा कि वो क्या करेगा, और साबित किया जो वो करेगा, तब वे पीछे मुड गए और इस मनुष्य को एक "दुष्ट आत्मा" कहा (जिसने उन सबको श्रापित किया) सोचो किस बात ने जगह ले ली थी! सोचो उनका क्या कारण बना; उनका प्रशिक्षण ही उनका कारण बना, जो उस दिन के उसी देहधारी वचन को नही पहचान पाया; वही शिक्षा जो उनके विद्यालयों में थी, उन्ही सबसे उत्तम शिक्षको के साथ।

35 और आप कहते है, "ठीक है, हम आज ऐसा नही करेंगे।" उनके शिक्षक हमारे आज के शिक्षको से ज्यादा सर्वोच्च थे (सर्वोतम मतलब आज के शिक्षको से) और वे चुक गए। उनके पास नौ सौ छ्यानब्बे विभिन्न सम्प्रदाये नहीं थे, जैसे आज हमारे पास है। उनके पास लगभग तीन थे। और इन तीन में, तीनो कोपालन करते है, और तीनो ने इसे नही पहचाना! केवल यह दिखाई देता है जो मनुष्य करता है परमेश्वर के लिए मुर्खता है। समझे?

36 अब, वे इसे पहचानने से चुक गए। अब... और उन्हें उसी बात को वापस करना था।

37 मनुष्य का... उद्देश्य अच्छा होता है, ये हमेशा ही अच्छा होता है। और मनुष्य ने कभी अपने हाव–भाव को नही बदला है, वो कभी अपने तरीको को ज्यादा नही बदलता है: मैं संसार के मनुष्य की बात कर रहा हूँ। मनुष्य, जो धार्मिक मनुष्य, हमेशा ही परमेश्वर की स्तुती करता है, जो परमेश्वर ने कर दिया है, उस बात के लिए, और हमेशा ही लोगो को सचेत करता रहता है जो परमेश्वर करने जा रहा है, और फिर जो परमेश्वर कर रहा है, अनदेखा करता है! समझे? मनुष्य ऐसा ही है, वो इसी तरह से बनाया

गया है, वो हमेशा से ऐसा ही रहा है। और आप जो लोग को बाइबल पढते हो आज रात जानते हो यह वचन के अनुसार है, "सही है।" वे हमेशा ही परमेश्वर की स्तुती करते है, जो वो कर चूका है उस बात के लिए, और कहते हुए वो क्या करेगा, और अनदेखा करता है जो वो कर रहा है। यही बस मनुष्य की एक आदत है।

38 उनका इसे करने का कारण था, वे शिक्षक, अब मेरे विचार से: उन्होंने वचन का अनुवाद किया था, कारण उन सबने एक मसीह के आगमन में विश्वास किया। सारे इस्राएल ने इसे विश्वास किया, वे आज भी ऐसा करते है। लेकिन उसका कारण था कि उन्होंने *उसे* नही पहचाना, उसका सन्देश उनके कलीसिया सम्बन्धी बातों के अनुसार मेल नही खा रहा था। वे... उनके पास जो वचन का अनुवाद था, मसीहा ने कभी अपने आप को इस तरह से जाहिर नही किया जो उन्होंने अनुवाद किया था कि वो इसे करेगा। जैसे मैंने पहले बताया था, और फिर से कहता हूँ, "परमेश्वर को उसका अनुवाद करने के लिए किसी की भी आवश्यकता नही है। वो अपने वचन का स्वयं अनुवादक है।"

39 अब, बाइबल कहती है... मैं अब आपको साबित करूँगा कि यह सच्चाई है। यशायाह वो नबी, इसके होने से सात सौ पंद्रह वर्ष पहले, यशायाह नबी ने कहा, "एक कुवारीं गर्भवती होगी, और एक बालक को जन्म देगी," इसमें कोई संदेह नहीं है कि हर एक ने उस युग में सोचा उनकी बेटी वो स्त्री होगी, क्योंकि यशायाह ने इसे कहा है। लेकिन, आप देखना, यह सात सौ वर्षो के बाद हुआ था। लेकिन जब... परमेश्वर को किसी की भी आवश्यकता नही पड़ी कि उसके वचन का अनुवाद करे, वो कब इसे करेगा, या वो कैसे इसे करेगा। उसने कहा वो इसे करेगा, और उसने इसे किया!

40 परमेश्वर ने यह प्रतिज्ञा की है कि वो... यशायाह में भी मैं सोचता हूँ 28वा अध्याय, लगभग 18वा वचन। और योएल नबी 2:28 में भी, कि अंतिम दिनों में, वे अंतिम दो हजार वर्ष, वो सारी देह में अपनी आत्मा को उंडेलेगा। उसने कहा, "तुम्हारे पुत्र और कन्या भविष्यवाणी करेंगे। तुम्हारे जवान मनुष्य दर्शन देखेंगे। तुम्हारे बूढ़े मनुष्य स्वप्न देखेंगे।" और वो बातें जिसे वो करेगा, यशायाह ने कहा, "हकलाते हुए होठ से और अन्य जुबान में, मैं इन लोगो से बात करूँगा, और यह वो विश्राम है।" लेकिन वो इसे नही सुनेगे। वे अपने सिरों को हिलाते है और वहां से चले जाते है। उसने

कहा, "परमेश्वर की सारी मेजे उल्टी से भरी हुई है, और वहां पर कुछ भी साफ नही होगा।" और यदि ये क्या यरुशलेम की तस्वीर नही है, और उस दिन की कलीसिया की, जो मसीहा के आगमन पर थी, आज भी वो ही तस्वीर है। ये केवल अपने आप में दोहराया जाना है।

41 अब, जब परमेश्वर कहता है, वो एक बात को करेगा, उसने इसे किया है। इसकी परवाह नही कोई भी इसके बारे में क्या सोचता है, कोई भी क्या कहता है, जब परमेश्वर कुछ तो बोलता है, वो उस वचन को खुद अनुवाद करने के लिए कर्तव्यबाध्य है। और वचन का प्रमाणित होना उसका अपने आप में अनुवाद है। ध्यान देना, उसके मसीहा के सन्देश को प्रमाणित कर रहा है। उसने प्रतिज्ञा की, कि मसीहा जब आयेगा वो क्या करेगा। और जब वो आ गया...

42 यहाँ तक पूर्व में जब वे ज्ञानी पुरुष दक्षिण पश्चिम की और देखने लगे, जहाँ से वे बाबुल पर थे, और और उन्होंने ध्रुव का तारा देखा। क्या आपने ज्ञात है, वहां पर इतिहास का एक अंश भी नहीं है, कहीं भी नहीं, जो कोई भी ग्रहणक्षेत्र (जहाँ पर उन्होंने हमेशा सितारों को—को समय के द्वारा रखा, महान पुरुष जिन्होंने इन सितारों पर अध्यन किया)... वहां पर कोई भी इतिहास नही कहता है कि, उनमें से किसी ने उस तारे को देखा है। क्यों? यह उन्हें नही बताया गया था, वे उसे इस तरह से नहीं देख रहे थे। लेकिन वे ज्ञानी व्यक्ति जानते थे, वहां पर एक याकूब का तारा ऊपर आएगा, और वे उसके लिए देख रहे थे, और ये समय से पारित होकर निकला, जो यीशु ने बेतलेहम में जन्म लिया था...

43 अब, मैं जानता हूं हमारे मसीहत के रीति रिवाज यह बिल्कुल हमारे कलीसिया के जैसे हैं, यह उल्ट–पुलट बातें है। आप यहाँ पर जाएंगे और आप देखते हैं, ज्ञानी व्यक्ति एक बालक की आराधना करने को आता हैं, और वहां पर वचन में इस तरह की कोई बात ही नही है। दो वर्षो के बाद वे यहां पर आते हैं, बिल्कुल सीधे नीचे की ओर आते हुए और टिगरिस नदी के पार। वे कभी एक शिशु की आराधना करने नही आये, लेकिन एक छोटा बालक लगभग दो वर्ष का था। ऐसा क्यों था, उसी समय पर हेरोदेस ने दो वर्ष के अंदर के सारे छोटे बच्चो को मार डाला था? जिससे वह मसीह को पकड़ सके। आप देखते हैं उन्होंने... परमेश्वर ने अपने वचन के द्वारा इसे साबित किया था।

44 और जब वे ज्ञानी व्यक्ती येरुशलम को आए... उस तारे ने उन्हें संसार के धार्मिक भवन येरुशलम की ओर अगुवाई की। और जैसे ही उन्होंने फाटक से प्रवेश किया, वो तारा (वो अलौकिक तारा जिसने उनकी अगुवाई की थी) उन्हें और कुछ भी दिखाने से अस्वीकृत किया। ये भले व्यक्ति, धनी व्यक्ति सुन्दर ऊँट के साथ ऊपर और नीचे मार्गो पर... ऊपर नीचे मार्गो पर कह रहे थे, "वो कहां पर है जो जन्मा है, यहूदियों का राजा। हमने उसके तारे को पूर्व में देखा है।" और वह महान धार्मिक भवन चरवाहों के संदेश के दोवर्षों के बाद, अब भी उनके पास उत्तर नहीं मिला है या उसके बारे में कुछ भी नही जाना है। सारे संस्थाओं के प्रधान के पास उत्तर नही मिला है।

45 तो इसने उस प्रधान को अशांत कर दिया, और उन्होंने शास्त्रीयो को बुलाया कि वे आकर और पढ़ें। और उन्होंने मीका नबी की कहानी को पढ़ा जिसने कहा, "हे बेतलेहेम, यदि तू ऐसा छोटा है कि यहूदा के हजारों में गिना नहीं जाता (छोटा) तौभी तुझ में से मेरे लिये एक पुरूष निकलेगा, जो इस्राएलियों में प्रभुता करने वाला होगा।" और वचनों को पढ़े जाने के बाद (और अब भी उनकी आंखों के सामने वचन प्रमाणित हो रहा है) उन्होंने इसे ग्रहण नहीं किया। वचन इस तरह से कहने के बावजूद भी। उसी तरह से मुझे आज भी संदेह होगा, यदि वो वचन जिसकी आज के दिन के लिए प्रतिज्ञा की गयी है, वो प्रमाणित होगा। मैं हो सकता है, आपको फिर से कभी प्रचार नही करूं, लेकिन मैं चाहता हूँ आप इसे पकडे। वे फिर भी विश्वास नही करेंगे!

46 पिता की वो महान बुद्धिमता, मनुष्य की बुद्धिमता को इतना मुर्खता कर देती है कि मनुष्य अपमानित हो जाता है। वह असल में उस स्थान पर आ जाता है, जहां मनुष्य अपने आप में बहुत ही लज्जित महसूस करता है। और वह इतना बड़ा भी नही है कि वह स्वीकार करे कि वह "गलत" है। वह फिर भी अपनी कहानी के साथ बने रहता है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि पिता ने कितना वचन को साबित किया है, कि वचन सच्चा है और वो वही कर रहा है, जिसकी उसने करने की प्रतिज्ञा की है। मनुष्य सोचता है कि उसकी बुद्धिमता परमेश्वर के लिए बहुत ही सर्वोत्तम है, भले ही ये उसकी बुद्धिमता के अनुसार नही आता हो, "क्यों ये इस तरह से नही है।" हर एक युग में ये सच्चाई है, अभी भी ऐसा करता है। देखा, कैसे वो सारा मामला अब ठीक बैठ रहा था?

47 उनगडरियोको क्या प्रेरणा मिली! वे दूत नीचे आकर गडरिया से बात कर रहे थे। परमेश्वर के दूत नीचे आते है ताकि उन चरवाहों से बात करें।

48 मैं सोचता हूं क्या कभी आपको चरवाहो के साथ बात करने का—का या उस जाति से कुछ समय के लिए एक होने का सौभाग्य मिला है? यदि आप... मैं इसे कहना पसंद नहीं करूँगा, मेरी टिप्पणी की वजह से, जो मैं कुछ देर में कहने जा रहा हूं, लेकिन जो चरवाहा होता है, वह भेड़ के साथ इतना बना रहता है, यहाँ तक वो भेड़ की नाई मिमियाता है, वो भेड़ की नाई बोलता है, उसमें से भेड़ की गंध आती है। यह सही है, क्योंकि वह भेड़ के साथ होता है। यही है जो वो जानता है, वो उसकी भेड है।

49 अब, सच्चाई का प्रमाणित वचन। जब ये चरवाहे, नम्र, अनपढ़ मनुष्य... क्या ही आदर है, क्या ही ये एक चरवाहे के लिए सही बैठ रहा है, ताकि इस एक नए जन्मे भेड़ के संदेश को ग्रहण करें। यह एक चरवाहे को छोड़ किसी और के पास नही आ सकता। इसीलिए उसने एक अस्तबल में जन्म लिया था, और ना की एक घर में। भेड़ कभी घर में जन्म नही लेता है या एक गुलाबी सजे हुए अस्पताल के कमरे में। समझे? वह एक अस्तबल की भूमि में जन्म लेते हैं।

50 इसीकारण से उसकी कलवरी की ओर *अगुवाई* हुई थी। आप एक भेड़ को उस वधखाने में चलाकर नही ले जा सकते हैं जिससे की उसका वध करे। क्या आपने इसे जाना? इस वधखाने में उनके पास भेड़ों की अगुवाई करने के लिए एक बकरा होता है। और जब वह उठ कर ले उसका उस घात करने वाले स्थान में जाता है, वह बाहर की तरफ कूद जाता है और भेड़ को आगे जाने देता है। एक भेड़ को अगुवाई किया जाना है, वह अपनी खुद की अगुवाई नहीं कर सकता है। तो, इसीलिए चरवाहा को आना था... उसकी भेड़ों के लिए। जब उन्होंने परमेश्वर के बालक को बिल्कुल वैसे ही पाया, जहां संदेशवाहक ने कहा था कि वो होगा, और जब उन्होंने इस संदेशवाहक के सन्देश को चरनी में पाया, बिलकुल वैसे ही जैसे उस दूतने कहा कहा था कि वह होगा।

51 हमने लोगों को कहते हुए सुना है, "एक दूत ने मुझसे बातें की, उसने कहा, '*ये* और *वो*।'" कभी–कभी यह कितना हास्यपद लगता है; और मैंने लोगों को कहते हुए सुना है कि एक दूत उनसे बातें की, और उनसे "*ऐसा* और *वैसा* कहा," यह बिल्कुल वचन के विपरीत है। अब, कैसे एक

दूतयह कर सकता है? यह बिल्कुल नहीं हो सकता है। और यदि परमेश्वर ने आपसे कुछ एक *फलां–फलां* बात को होने के लिए कहा हैं (आप कहते है उसने आपसे यह कहा है) और यह नहीं होता है। तब यह परमेश्वर ने आपसे बात नही की है । बस याद रखना, यह सही है। परमेश्वर झूठ नहीं बोलता है। वह एक झूठ में नहीं पाया जाता है।

52 जब उन्होंने उस बालक को पा लिया, क्या ही उनके लिए निश्चय ही एक आनंद की बात रही होगी। क्योंकि वो जिसने उस संदेश को दिया, उन्होंने उसे बिल्कुल वैसे ही पाया जैसे दूत ने इसे होने के लिए कहा था, और बिल्कुल उसी स्थान पर जहाँ दूत ने इसे होने के लिए कहा था। निश्चय ही, क्या ही यह उनके लिए बात रही होगी।

53 चरनी में, क्यों? देखो, इन गडरियो के लिए वहां अस्तबल में होना आसान बात थी? आप क्या सोचते हैं, एक धर्म शास्त्री वहां पर रहा होगा? वह अपने नाक पर हाथ रख कर कह रहा होता, "मुझे इस स्थान से बाहर निकलना है।" समझे? वो ऐसे स्थान से बाहर निकल गये होते, वो गंदे स्थान में था।

54 लेकिन, आप देखना, यह उन चरवाहों के लिए "बिल्कुल उनके घर के जैसा" था। परमेश्वर जानता है उसके संदेश को कहां पर भेजना है। समझे? बिल्कुल सही बात है। इस अवस्था में चरवाहे वहां अंदर चरनी में थे, उनके मेमने के साथ, एक प्रमाणित संदेश जो उन्होंने सुना था। ये कितना सुंदर है! मसीह की उपस्थिति में, जो उनके संदेश का प्रमाणित वचन है। जब चरवाहो ने इस संदेश को सुना, कि मसीहा धरती पर है, और उसकी उपस्थिति में आए, ठीक उनके खुद के वातावरण में (और संदेश को सच्चा होते हुए पाया, जो वहां पर प्रमाणित हुआ था) निश्चय ही उन मनुष्यों के लिए कैसा महसूस हुआ होगा, यह देखना कि परमेश्वर ने इस महान बात को उनके लिए कर दिया था।

55 क्यों, धर्म शास्त्री ऐसेस्थान से बाहर निकल गये होते, इस तरह की परिस्थिति के नीचे, वे वहां से तुरन्त जल्दी निकल गये होते। क्यों? वो संदेशवाहक साधारण से गडरियों के लिए आ रहा है। हो सकता है, वे यहां तक... वे... उनमें से कुछ गडरिये शायद, यहां तक अपने नाम का हस्ताक्षर भी नही कर सकते थे, बहुत ही सन्देहजनक है। आप जानते हैं वे गडरिये

जिसे यीशु ने चुना, जब वह धरती पर था, उसके भेड़ के झुण्ड से, "पतरस, क्या तु मुझ से इन से भी ज्यादा प्रेम करता है? "

56 "हाँ, प्रभु, आप जानते है, मैं आपसे प्रेम करता हूं।"

57 "जाकर मेरी भेड़ को चरा।" और बाइबल ने कहा कि पतरस एक अनपढ़ और गवांर मनुष्य था। फिर भी वह चरवाहों को चुन रहा है।

58 उन बीते दिनों की कलीसिया के सदस्य, और वे याजक और पूरी तरह से उस दिन का प्रशिक्षित समाज, अस्तबल में से बाहर निकल गये होते। अब मुझे पक्का नहीं है कि आपमें से बहुत लोग इसे समझ सकते हैं। (हो सकता है आप जो शहर के लोग हैं) क्या ही एक यहूदिया के जैसे अस्तबल की दुर्गन्ध आती है, जब वे जानवर उस अस्तबल में होते है, और ये क्या दुर्गन्ध रही होगी। क्यों, इन में से आज के प्रथम वर्गीय विद्वान बाहर निकल गये होगे, यहां तक वे—वेदरवाजे के अंदर भी प्रवेश नहीं करेंगे। लेकिन इससे परमेश्वर प्रसन्न हुआ, अपनी विशाल बुद्धिमता के द्वारा ताकि इसे ऐसे लोगों को प्रकट करें, जो इसे ग्रहण करेंगे। उस दिन के धर्म शास्त्री और ज्ञानी मनुष्य निश्चय ही इसे ग्रहण नही किया होगा। उन्हें इस प्रकार के स्थान में देखने के लिए बहुत ही नीचे होना था।

59 क्यों, वह पहला स्थान, यदि वे अपनी कलीसिया में वापस जाकर और गवाही देते है कि उन्होंने एक ऐसी सभा में भाग लिया है, और एक अनपढ़ चरवाहों के झुण्ड पर विश्वास किया है जो इस तरह की अद्भुत घटना को ला रहे है, उन्हें उनकी कलीसिया से बाहर निकाल दिया गया होता था। उन्हें बेतलेहम के समाज से निकाल दिया गया होता था। यदि वे इस तरह के अनपढ़ झुण्ड के लोगों से सुनते हुए दिखाई देते थे तो, जैसे की ये चरवाहे थे। निश्चित ही उन्हेंनीचा होना पड़ता। यदि वे उन ऐसे साधारण लोगो के साथ मेल–जोल करते थे और... इस तरह के विरोध मत को स्वीकार करते, जैसे यह विश्वास करना कि परमेश्वर उसके संदेश को एक अनपढ़ चरवाहों के झुंड के लिए लाएगा, जब उन्होंने सब कुछ इसके लिए तैयार किया था। उन्होनें अपने संबंध को तोड़ दिया होता, उन्होंने अपने पन्नो को दे दिया होता था, और उस दिन के उनके समाज के झुण्ड से पहचाना नहीं जा सकेगा; क्योंकि उन्होनें इस तरह की एक चीज के साथ सहभागी हुए थे, और उनका दिमाग ठीक नहीं है।

60 “तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई!” याजक ने उनसे कहा होगा, “तुम यहां मेरे भवन में इस तरह के विरोध मत के साथ आए हो, इस तरह की एक मूर्खतापूर्ण बात के साथ, कि कुछ अनपढ़ बंजारे जो वहां पर है, जो नही जानते... नही गए... भजन सहिता की किताब को नही जानते। और इस तरह के संदेश को विश्वास करेंगे, कि ‘एक दूत उतर आया और उनसे बातें की’? ”

61 लेकिन क्या हो यदि मनुष्य ने कहा होता, “मैंने उसके संदेश को प्रमाणित होते देखा है? ”

62 उसने कहा, “मुझे तुरंत ही तुम्हें निकलने का आदेश दे देता हूँ। और इस समाज से बाहर निकल जाओ!” समय बदलता है, लेकिन लोग नहीं बदलते। यह पूरी तरह से आज भी ऐसे ही होना है, वे उनकी कलीसियायो से बाहर निकाल दिए गए जायेंगे।

63 लेकिनउन चरवाहों ने उस स्थान पर पूरी तरह से परमेश्वर के मेमने के साथ शांति को महसूस किया। और कोई भी अच्छा चरवाहा इसी बात को करता है। जब एक अच्छा चरवाहा भेड़ के ऊपर परमेश्वर के वचन को साफ बनता और प्रमाणित हुआ देख सकता है, जिसकी उसने करने की प्रतिज्ञा की है, और चरवाहे का घर पर अधिकार है। और मैं परवाह नहीं करता कि और कोई भी क्या कहता है, वहां पर, “परमेश्वर ने इसकी प्रतिज्ञा की है, और परमेश्वर ने इसे किया है।”

64 वे कहते हैं अद्भुत कार्य के दिन बीत गए हैं। वहां इस तरह की कोई बात नहीं है, जैसे आत्मा का बपतिस्मा। वहां इस तरह की कोई बात नही है जैसे पवित्र आत्मा का बपतिस्मा, यह तो उन प्रेरितो के लिए था।

65 लेकिन एक सच्चा वचन का चरवाहा इसे प्रचार करने दो, उस पुनरुत्थान की सामर्थ में, कि यीशु मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है। पतरस ने पेंटीकोस्ट के दिन पर कहा, “ये प्रतिज्ञा तुम लोगों के लिए और तुम्हारे बच्चों के लिए है, और उनके लिये जो बहुत दूर है और यहाँ तक जितनो को प्रभु हमारा परमेश्वर बुलाएगा।” जब कभी भी वो बुलाता है, प्रतिज्ञा और वही आशीष सच्ची होती है। और एक सच्चा वचन खिलाने वाला चरवाहा उसे प्रमाणित हुआ देखने दो, सारे संसार के धर्म शास्त्री उसमे से इसे नही निकाल सकते है; क्योंकि वो जानता है परमेश्वर ने ऐसा कहा है, और यह घटित होता है। बस इतना ही। यह हमेशा परमेश्वर का वचन ही होता

है। उसका वचन देहधारी हुआ और हमारे बीच में डेरा किये हुए था और उन्होंने इसे नहीं जाना।

66 उसने इस दिन में उसी बात की प्रतिज्ञा की है। मैं सोचता हूं, यदि हम इसे पहचानेंगे तो? वे अहंकारी और बुद्धिमानो ने इस तरह की एक बात को कभी भी स्वीकार नही किया था। और उन्होंने विश्वास किया, यदि इस तरह की एक बात है जैसे कि मसीहा धरती पर है, यह निश्चय रूप से उनकी संस्थाओं के लिए आता। यह उनके झुंड में होता, जो इसे ग्रहण करेंगे, या "यह सही नही था।" अब जोर लगाकर सोचे। यदि उनके झुण्ड में नही होता है तो, तब... क्या आपने तब ध्यान दिया? परमेश्वर ने उनके झुण्ड से कभी भी चुन कर नही निकला, लेकिन उसने उसे चुना जो इनमें से किसी के साथ नही जुदा हुआ था। क्योंकि एक झुण्ड कहता होगा, "तुमने देखा हमने क्या किया है? " और वह आज उसी बात को करते हैं। लेकिन परमेश्वर उन्हें चुनता है, जो कुछ भी नहीं है, इसी कारण से उसने चरवाहों को चुनता है। वे चरवाहे पूरी तरह से उस घर पर थे, परमेश्वर के मेमने के साथ, जो उनके बीच में था, उसका वचन देहधारी हुआ और उनके बीच में था। वे अहंकारी और बुद्धिमानो ने इसे कभी भी ग्रहण नही किया, उन्हें छोड़ कर निकल गए।

67 और हम आज के लिए इतना ज्यादा कह सकते हैं या किसी भी युग के लिए। ऐसी ही बात मार्टिन लूथर के दिनों में थी। ऐसी ही बात जॉन वेसली के दिनों में थी। ऐसी ही बात पेंटीकोस्टल के दिनों में थी। लेकिन परमेश्वर रुक जाता है क्योंकि मनुष्य की कोई संप्रदाय नही! वह उसकी आत्मा को ठीक आगे बढाता है, ताकि उसके वचन को प्रमाणित करें! इसे वैसे ही होना था और वे अपने खुद के दर्जे की विचारसभा में आते है या वे इसे ग्रहण नहीं करेंगे । जैसे वे सारी कलीसियाये आज बहुत ही हठ्ठी किस्म की है, कि वे आज "*फलां और फलां* करने जा रहे और सारे कलीसियाओ को एकसाथ एकत्र करते है।" यदि वेअब एक सन्देशवाहक के लिए देख रहे है, जो सारे प्रोटेस्टेंट को एक कर सकता है, कैथोलिक को और ऑर्थोडॉक्स, हर एक को एक साथ करके एक बड़ी कलीसिया को बनाये।

68 अब, भाइयों, मुझे सैकड़ों विभिन्न धर्मों के सामने प्रचार करने का मौका मिला है, और उनमें से बहुत से अच्छे लोग हैं। लेकिन अब आपको याद होगा, मैं भविष्यवाणी कर रहा हूं, "हर एक संस्था इसे स्वीकार करना है,

या तो वो एक संस्था नहीं होगी। यह आपको दबाव डाल रही है।" क्या आपने आज का टूसान का अखबार पढ़ा, जहां पर कैथोलिक याजक लोग नियुक्ति करने में सहायता कर रहे हैं, अख़बार में... मिस ओउरी में नियुक्ति के लिए सहायता, एक प्रोटोस्टेंट पादरी की? और कौन इसकी पहचान दे रहा था? प्रेसबीटेरियन, बैप्टिस्ट, लूथरन, असेंबलीस ऑफ़ गॉड। यह आज के टूसान के अखबार में है।

69 ओह, यह चौकानेवाला है! वहां पर ये कोई मनुष्य नहीं है, ये तो वे कलीसिया सम्बन्धी शासक के प्रमुख है जो वहां बात को घुमाते है, वो सिद्धांत जो आपको इसके अन्दर डाल देते है, आप चाहे या न चाहे। आप अब एक और संस्था नही बने रह सकते है और उस क्रोध से नही बच सकते है, जो धरती पर आ रहा है, और आप देखना यदि ये सही नहीं है तो। हो सकता है, मैं चला जाऊं, जब कभी भी ये हो। और इन टेप्स में से एक कोफिर से सुनना। और तब यदि ऐसा नही था तो, मैं एक झूठा गवाह हूं। और ऐसा था तो मैंने आपको सच्चाई को बताया है।

70 वे इसे कहते होंगे, "किसी एक तरह का दुष्ट आत्मा का होता एक कार्य है," जो उनके सकारत्मक सोच के विरोध में है। आपने आज बहुत कुछ सकारत्मक सोचने के बारे में सुना है: आप बस अपने मन को कहीं पर भी रखिए और इस पर सकारात्मक सोचे। शैतान यह कर सकता है! वहां केवल एक ही बात समस्त बातों पर शासन करती है और वह परमेश्वर का वचन है। यदि आप वचन के विपरीत सोच रहे हैं, अपनी सोच को भूल कर, वचन पर सोचे।

71 "मसीहा," उन्होंने सोचा, "इस तरह की जगह में वो नही मिलेगा, यह एक गंदगी के जैसा है।"

72 क्या आप कल्पना कर सकते हैं, एक अच्छा, बड़ा महायाजक या एक पादरी व्यक्ति, सब धर्मविद्यालय में तैयार हुए है, क्या वहां उस अस्तबल में आएंगे जो गोबर से भरा है? और एक निर्धन से संदेश को ग्रहण करते है, नम्र चरवाहे जिनके पास कोई शिक्षा नहीं थी, और आकर कहेंगे, "देखो मैं इसे तुम्हें साबित कर सकता हूं, यह वो बालक है, यह वह संदेशवाहक है? "

73 और आप जानते है उन लोगो ने क्या कहा होगा? "वो मनुष्य ईमानदार है, वो जो कह रहा है बहुत ही सच्चा है, लेकिन वह पूरी तरह से गलत है।"

74 मैंने लोगों को जीते देखा है ऐसे अच्छे जीवन को देखा है, जब तक लोग विश्वास नही करेंगे, उनके बारे में कुछ भी नही कह सकते, लेकिन वह कहेंगे, "वह सचमुच में गलत है। वह बस नही जानता है कि वह किस बारे में बोल रहा है। परमेश्वर, वो इस तरह की एक बात को नही करेगा।"

75 लेकिन यहां उनके पास प्रमाण था! और प्रमाण के बाद, "वहां ऊपर जाओ उस अस्तबल की ओर, और देखो क्या अगर वहां पर बालक पड़ा हुआ नही है तो।"

76 वे कहते होंगे, "तुम किसी दुष्ट आत्मा के द्वारा सम्मोहित हो गए हो, इसी कारण से तुम ऐसा कहते हो।" फिर भी यह परमेश्वर के वचन के अनुसार था! और वे इसे देखने के लिए बिल्कुल ही अंधे हो गए थे, क्योंकि उनके धर्मशास्त्र ने उन्हें अंधा कर दिया था। क्या ही दुर्भाग्य की बात है!

77 ऐसे एक स्थान में पाया गया? एक ऐसे गंदगी में जिस तरह ये था? एक अस्तबल में? जबकि उनके पास, उसके आने के लिए एक सुंदर सा स्थान था, उन्होंने सबकुछ उसके आने के लिए तैयार किया था, और फिर यह सोचते हुए कि वो उतरकर आयेगा (और जाता है) और उनके शिक्षको के लिए सन्देश को नहीं लाता है। "और क्या इसे एक अनपढ़ चरवाहों के झुंड को देगा? और फिर उसके खुद के पुत्र को लाकर और क्या उसे एक—एक अस्तबल में जन्म दिया है? एक साधारण से किराये के अस्तबल में? तो, एक—एक सुखी घास की चरनी में? क्यों, ऐसा नहीं हो सका!" वे इसे विश्वास नहीं करेंगे, क्योंकि यह बहुत ही नम्र था।

78 और ये बहुत ही साधारण है। इसी तरह से ज्ञानी हमेशा ही इसकी चौकसी करते थे। यह उखे उलझा देता है। उन्होंने एक परमेश्वर के लिए देखा, वहां बाहर की ओर, जब की वो ठीक यहीं पर है। समझे? वे उस पार कुछ तो देख रहे थे, जब की ठीक यहां पर अभी उनके साथ था; मसीह, जो मुर्दों में से जी उठा, जो कल आज और युगानुयुग एक सा है।

79 उनकी सारी महान बातों को पीछे छोड़ दिया गया था। लेकिन यह वो सच्चाई थी, कि, "वहां पर मसीहा था।" हम इसे आज जानते हैं। हम इसे आज विश्वास करते हैं। हम इसे आज स्वीकार करते हैं।

80 लेकिन तब यदि परमेश्वर ने इस क्रिसमस के लिए कुछ तो प्रतिज्ञा की है, कुछ तो इस दिन के लिए, और इसे इसी तरह साबित करता है, और हम फिर भी इससे दूर चले जाते हैं, हम बिल्कुल उसी दर्जे में से हैं जो वे थे

(वहां पर पहले जो उस दिन में थे) यह इसे छोड़ कर निकल गए; क्योंकि यह हमारे संप्रदाय के स्वाद में नही—नही आते हैं। इसी कारण हम इस तरह की इस क्रिसमस में एक गड़बड़ी में है।

81 यीशु मसीह मरा नहीं है, वो जीवित है। वो आज यहां पर है! बाइबल ने कहा, "वो कल, आज और यह युगानुयुग एक सा है।" उसने संत यूहन्ना, 14:12 में कहा, "वह जो मुझ पर विश्वास करता है... " (ना कि वो जो मुझ पर विश्वास करने का ढोंग करता है, वो जो *कहता* है वो विश्वास करता है) "वह जो मुझ पर विश्वास करता है, जो काम मैं करता हूं, वह भी करेगा वरन उससे भी बढ़कर करेगा, क्योंकि मैं पिता के पास जाता हूं।" और मैंने उसे अपने खुद के जीवन में देखा है, उन्हीं कामों को और ज्यादा करते हुए (जो उसने तब किए थे) फिर इस बाइबल के पन्नों में लिखा हुआ है। और यह आज के ज्ञानी लोगों के सिर के ऊपर से चला जाता है, और ऐसे बालको पर प्रगट किया है, जो सीखना चाहेंगे जिसकी यीशु ने प्रार्थना की। यह सच है, उसने उससे अधिक कर दिया है वो... मैंने उसे देखा है, मैंने उसे मेरे दिन में और अधिक करते हुए देखा है, मेरे तेतीस वर्ष की सेवकाई में। जो मैंने उसके लिए में पढ़ा है, बाइबल में, करते हुए; उन्हीं बातों को और अधिक करते हुए।

82 लेकिन कोई फर्क नही, उसने तब क्या किया, क्या आप सोचते हैं कि सभापति ने उस पर विश्वास किया? "तो," उन्होंने कहा, "तुम सम्मोहन करने वाले हो।" लेकिन, ढूंढने के लिए, उन्होंने कहाँ पर ढूंढने में गलती की थी... ढूंढने के लिए, ना की उनकी संप्रदायों ने क्या कहा, लेकिन वचन ने क्या कहा, मसीह उनके दिनों में करेगा। और वही पर आज हम गलती को करते हैं, वचनों में नहीं ढूंढते है। यीशु ने उनसे कहा, "वचनों में ढूंढो, उसमें, तुम सोचते हो तुम्हारे पास अनंत जीवन है, और वे, वे जो मेरी गवाही को देते है। वे तुम्हे बताते है, मैं कौन हूँ।"

83 ध्यान दें, परमेश्वर पहले से ही जानता था, वे इसे करेंगे, यही है महज वो *क्यों* है, उसे इसे चरवाहों के लिए लेना था। वह जानता था कि इसे नही करेंगे, वे इसे ग्रहण नहीं करेंगे। अब आपने देखा क्यों ये चरवाहे होने थे? क्यों चरवाहे? वे धर्मशास्त्री इसे स्वीकार नहीं करेंगे? फिर से चरवाहे क्यों? क्या ये उसके वचन के विरोध में आयेगे? नही! वे चरवाहे थे, वे भेड़ों को जानते थे; और यही है जो उसने जन्म लिया था, एक भेड़, एक

मेमना। ध्यान दें, वो मेमना था। वे—वे ही केवल इस प्रकार के थे जो उसे स्वीकार करेंगे। एक चरवाहा ही केवल वो चीज है जो एक मेमने को स्वीकार करेगा। वे जानते थे, कैसे इसकी देखभाल करना है, और वैसे ही आज है, जब हमें उस मेमने का संदेश मिलता है।

84 अब यह आश्चर्यजनक है! वो सबसे नम्र, अनपढ़ व्यक्ति इम्मानुएल को एक चरनी में सजा रहे हैं। वो सबसे... और उन्ही दिनों में वहां पर बाहर कुछ लोग थे, जो अपने धर्मशास्त्र की शिक्षा को दे रहे थे। बहुत बड़ी भीड़, हर कही से खींचे जा रहे थे, उस देश के जगह से, वे उस बलिदान के लिए आये, जिसे यहोवा ने कहा था, "उसके नथनो में एक दुर्गन्ध।" और यहां नम्र चरवाहे थे, जो चरनी में इम्मानुएल को सजा रहे थे; परमेश्वर स्वयं देहधारी हुआ था, और एक चरनी में पड़ा हुआ था। देखो, हम कैसी महान शिक्षा के साथ है, और हमारे सिर पीछे की ओर तने हुए है जैसे हम कुछ तो जानते है और परमेश्वर सारी चीजो को छोड़ कर निकल जाता है। समझे? वह उसे करता है, जो उसने करने की प्रतिज्ञा की है। और वह हमेशा ही ऐसा करता है। लेकिन इन दिन–हीन चरवाहों को सोचे जो वहां पर इम्मा... इम्मानुएल को एक चरनी में सजा रहे है। ये सबसे आश्चर्यजनक है। निश्चय ही है!

85 फिर वहां... उनके उसे सजाने के बाद, और उन्हें एहसास हुआ कि वह संदेश जिसे वे प्रचार करते आ रहे थे, वो प्रमाणित हुआ है वहां पर वे एक दूत के सबसे असाधारण संदेश के साथ परमेश्वर की स्तुति कर रहे थे। अब इसे आज के साथ तुलना करें। बस एक मिनट के लिए रूके और सोचे। मनुष्य परमेश्वर को स्नेह प्रकट कर रहा है, उसकी स्तुति कर रहा है, उसके लिए जो उन्होंने देखा था, जो उन्होंने सुना था, जो उन्होंने जाना कि सच्चाई थी, और संदेश के साथ जो उन बुद्धिमान दिमाग वालों के लिए बहुत ही असाधारण था। यह उनके सारे सिद्धांतों की सोच से विपरीत था, मगर यह सच्चाई थी! यही सच्चाई है! उन्होंने इसे विश्वास किया। और अब, मनुष्य की बुद्धि कैसी मूर्खतापूर्ण हो सकती है! तब कहते कि एक दूत का झुंड उनके लिए पहली क्रिसमस में उनके लिए गाया। क्या आप यह कल्पना कर सकते हैं? कि एक चरवाहा जो अपने नाम को भी लिख भी सकता है, उसमें से एक भेड़ के बाड़े की दुर्गंध आ रही है, नीचे रास्ते पर चलकर आ रहा है, चिल्ला रहा है, "सबसे ऊंचाई में, परमेश्वर की महिमा हो! हम जानते हैं कि वो धरती पर है!"

86 याजक ने कहा, "उस मनुष्य का दिमाग अपने आपे से बाहर है। उन किताबो पर देखो और देखो अगर वह हमारी सभा का सदस्य है तो। और वो निश्चय ही अपने अनैतिक शिक्षा के द्वारा रूकावट को डाल रहा है। उसे हमारे सामने से दूर ले जाओ। हम लोगों के बीच में रुकावट नहीं होने देंगे।"

87 तो ठीक है, तुम मनुष्य के बीच में रुकावट को डाल सकते हो और परमेश्वर की दृष्टि में महिमावंत हो सकते हो, या अपने चुनाव को ले सकते हो, कारण, याद रखना, उस दिन के सिद्धांत का स्वाद, परमेश्वर के वचन के साथ सही नहीं बैठता था। वहां इसके नौ सौ छयान्बे विभिन्न स्वाद नही थे। इसका एक ही स्वाद है, एक वचन, एक परमेश्वर। इतना ही।

88 यह कह रहे है दूतों ने पहली क्रिसमस पर उनके लिए गाया, और यह भी कह रहे हैं कि उन्हें "एक दूत से संदेश मिला है।" एक दूत उनके लिए प्रगट हुआ, और उन्हें एक संदेश को दिया और उन्होंने जाकर पाया कि वो संदेश सच्चा था। और यह कह रहे हैं, "इसके अलावा, वो दूत ने पहली क्रिसमस पर हमारे लिए गाया।"

89 "क्या आप कल्पना कर सकते हैं? " वे कहते हैं, "वो कंगाल व्यक्ति।" उनके बीच में कभी इस तरह के बात होने के जैसा, उनके पास कुछ भी नही था, तुम जानते हो, इसलिए यह एक प्रकार का उनके लिए अनोखी शिक्षा थी। और इसी कारण से, वे इसे वचनों में नहीं ढूंढ पाते हैं, यह उनके इसे ढूंढने के लिए नहीं था। उन ज्ञानियों के लिए अनोखा, इस तरह का अनुभव उनके लिए कभी नहीं हुआ था। अविश्वसनीय, लेकिन फिर भी यह सच्चाई थी। यही सच्चाई है, हम जानते हैं यही सच्चाई है। सोचे! मसीह ने जो पहले परिवर्तन किये और पहला झुंड भेड़ो को चरानेवाले थे, ना ही कोई पादरी, भेड़ो को चरानेवाले, गडरिये। चरवाहे ही क्यों?

90 ध्यान दे, वे परमेश्वर की स्तुती और आराधना कर रहे थे उसके लिए जो उन्होंने देखा और सुना था, दूतो को पहली बार मनुष्य जाती के लिए गाते हुए सुना था ।इससे पहले दूतो ने मनुष्य जाति के लिए कभी नहीं गया था। और उन गीत गाने वाले झुंडो की ओर देखे, कैसे वे खड़े होते है और प्रशिक्षित और उन आवाजो से प्रशिक्षित थे, "उन्होंने मसीह के जन्म पर गाया होगा," और वे उन सब को छोड़ कर निकले थे! और वे दूत नीचे उतर आए और साधारण से चरवाहों के लिये गाया, ना की वे उन पादरी के

कपड़ो के साथ थे, लेकिन चरवाहों के कपड़ो को पहने हुए थे। और देखो, किसे वो पहला सन्देश मिला, ये असाधारण बात है।

91 और इसे कहाँ दिया गया था, ना ही गिरजो को, लेकिन जंगल में, बाहर जंगल में जहाँ प्रभु का दूत आया था। कलीसिया में नहीं, लेकिन जंगल में। उसका कलीसिया में स्वागत भी नहीं किया गाया। उन्होंने सोचा वो था, उन्होंने सोचा उनके पास ये था, लेकिन परमेश्वर ने साबित किया ये गलत था। "वो इन पत्थरों से अब्राहम की संतान को खड़ा कर सकता है।" ये सही है।

92 पहली बार दूतो ने एक समारोह के लिये कभी गाया, तो ये स्वर्ग में था। यदि आप अयूब की किताब में अयूब 38:7 देखेंगे तो (जब की मैं आपमें से कुछ लोगो को लिखते देखता हूँ) जब परमेश्वर ने उसकी पहली सृष्टि बनाने की योजना बनाई, जो धरती थी। अयूब महान व्यक्ति था, होशियार मनुष्य, और उसके पास सब प्रकार की बुद्धिमता थी। उसने कहा, "जब में बाजार में जाता हूँ, वे युवा राजकुमारियां, वे सब मेरे आगे झुकती है, और वे बस मेरे बुद्धिमता के पल को चाहती है।" और वो समझ नहीं पाया क्यों उसके साथ इस तरह से व्यवहार किया गया था।

93 और इसलिए परमेश्वर ने उससे पूछा, कहा, "अपने आप को पुरुष की नाई खड़ा कर, क्योंकि मैं नीचे तुझसे बात करने के लिए आ रहा हूँ।" और जब परमेश्वर नीचे एक चक्रवात में उत्तर आया, उसने कहा, "अयूब मेरे धरती की बुनियाद डालने से पहले तू कहाँ था? जब भोर के तारो ने इकठ्ठा होकर गाया, और परमेश्वर के पुत्र आनंद से चिल्लाये, तब तुम कहाँ पर थे अयूब? " और वो उसी समय नीचे पसर गया। "तुम कहाँ पर थे? "

94 देखो, पहली बार दूतो ने एक समारोह में कभी गाया वो स्वर्ग में था। लेकिन पहली बार उन्होंने कभी धरती पर गाया, वो परमेश्वर के जन्म पर चरवाहों के लिए गाया, इम्मानुएल धरती पर था; पहली बार मनुष्य जाति ने दूतो को कभी गाते हुए सुना, वे नम्र चरवाहे थे।

95 जब हम हमरी स्त्रियो के लिपे–पुते हुए चेहरो को लेते है, छोटे कटे हुए बाल, छोटी निकरे पहने हुए, और एक प्रकार के कलीसिया के वस्त्र को उनके चारो ओर झुलाते हुए, और उन्हें खड़ा करते है और कुछ तो गाते है, और हम सोचते है कि परमेश्वर इसे सुन लेगा? उसके पास उस ओर वे

दूत है, जो उसकी सुनते है जब से वे... इससे पहले उसने कभी एक मानव जाति को बनाया। नही, नही। बाहर जाकर ऐसे जीते है... और ऐसे कपडे पहनते हो, जो परमेश्वर के लिये एक घृणित है, और तुम कैसे परमेश्वर के होने कीअपेक्षा कर सकते हो? तुम कहते हो, "ठीक है, मैं उससे ताल्लुक रखता हूँ... "

96 "तुम कहाँ पर थे जब मैंने पृथ्वी की नेव थी? मैंने किस वस्तु पर रखा। वो धुरा कहाँ है, जहाँ वे मुड़ते गए? तुम तब कहाँ पर थे? " आप क्या सोचते हो परमेश्वर हमसे हमारी कुछ बुद्धिमता के लिए पूछेगा। हमारी बुद्धिमता उसके लिए केवल मुर्खता है। वो करता है जो वो कहता है कि वो करेगा।

97 अब ध्यान दे, परमेश्वर एक और सृष्टि बनाने के लिए तैयार कर रहा है। वो नाशवान पृथ्वी को बना रहा है, नाशवान जीवन। दूत स्वर्ग में गा रहे है। लेकिन यहाँ पर वो एक नए जीवन को बना रहा है, मनुष्य के लिए अनंत जीवन और वो दूतो के जरिये से उसके अपनों के लिए गा रहा है; धरती पर, ना की स्वर्ग में। स्वर्ग के पास अनंत जीवन था। समझे? और उसने गीत गाया... उन्होंने स्वर्ग के लिए गाया, जब वो नाशवान सृष्टी आती है, और यहाँ अविनाशी सृष्टि आ रही है, और अब वे धरती के लोगो के लिए गा रहे है। पहली बार, चरवाहों के लिए, क्या ये आश्चर्यजनक नही है?

98 उसने एक नई सृष्टि का आरंभ कर दिया था। ये क्या था? एक खुद अपनी सृष्टि। परमेश्वर देहधारी हुआ और हमारे बीच में देहधारी हुआ। यही... बाइबल ने कहा, "परमेश्वर के सृष्टि के आरंभ में।" परमेश्वर मनुष्य के रूप में सृष्टि हुआ; यीशु मसीह में, उसका पुत्र, परमेश्वर ने वास किया। उसने उसके भवन को मॉस और हड्डीयों का बनाया, और उस भवन में रहा; परमेश्वर, *इम्मानुएल,* "परमेश्वर हमारे साथ।" उसने अपने लिए एक घर को बनाया, ताकि उसमें रहे, जिससे वो इसके जरिये से उसके वचन को, उसके अपनों को प्रतिबिम्ब कर सकता है। आप जानते हो परमेश्वर क्या है, जब आप मसीह को देखते है।

99 याद रखना, वहां एक राजा के जन्म पर हमेशा ही गीत गाना होता है। कितने लोग ये जानते है? निश्चय ही, आप जानते है। तो ठीक है, अब, क्या आप सोचते है, यदि इस राजा ने वहां पर जन्म लिया होता तो, एक स्त्री कही तो गिरजाघर में आयी होती, और कहती, "तुरंत अभी एक बिस्तर को

तैयार करो, और डॉक्टरो को बुलाओ, मैं धरती पर इम्मानुएल को लाने जा रही हूँ? " नाजरीन की एक निर्धन स्त्री, उस सबसे निचले शहर में, वो... टूसान और उन बाकी के किसी भी शहरो से भी गन्दा था, और फिर भी ये छोटी स्त्री उस बड़े महायाजक की ओर दौड़ कर आती, और कहती, "मैं—मैं इम्मानुएल को जन्म देने जा रही हूँ।" उन्होंने उसे जेल में डाल दिया होता। वे ऐसा जरुर करते। वे निश्चय ही ऐसा करते। उसके लोगो के बीच में इसे लाना, एक विरोध मत के जैसा है, वो इसके लिए नही खड़ा होगा। ना ही वो आज खड़ा होगा। लेकिन बिल्कुल वैसे ही ये हो रहा है, ठीक वैसे ही।

100 ध्यान देना, वहां गीतो का गाना होना है। राजा... उसने नही गाया होगा। लोगो ने उसके लिए नही गाया होगा, क्योंकि उन्होंने उस पर विश्वास नही किया। और यही वो कारण है... यहाँ पर ये आता है, शायद आप इसे अच्छी तरह समझ सकते है। यही कारण है कि आज लोग परमेश्वर की स्तुती करने से लज्जाते है, वे मसीह से लज्जाते है! वे बड़े गिरजाघर, पवित्र आत्मा को ग्रहण नही करेंगे, वे उनके गिरजे संबंधित मतों में इतने स्थिर है, वे इसे ग्रहण नही करेंगे। परमेश्वर किसी को तो पाने जा रहा है, जिसके जरिये उसे स्तुती मिल सकती है। "वो पत्थरों से अब्राहम की संतान को खड़ा करने के लिए सक्षम है, " जैसे मैं यूहन्ना के पद का फिर से हवाला देता हूँ।

101 ध्यान दे, उसके अपने उसके लिए जरुर गाते है। और तब उसके अपने वे दूत थे, और उन्होंने उसके चरवाहों के लिए गाया, जिन्हें उसके सन्देश को ले जाना था।

102 इसे पहले किसे सुनना चाहिए? निश्चय ही, जो उसके है। यही है वे जो राजा के गीत को गाते सुनेगे, जो उसके अपने होंगे। और उसके अपने क्या थे? एक प्रकार के असाधारण लोग, क्या ऐसा नहीं है भाइयो? ये उसके पादरी नही थे। ये धर्मशास्त्री नही थे। यह सही है। ये संस्थागत लोग नही थे। नही, ये चरवाहे थे। क्यों? वहां पर एक भेड ने जन्म लिया था, यही वो कारण था। समझे? उसके अपनों ने इसे सुना, जिन्हें परमेश्वर जानता था कि विश्वास करेंगे। परमेश्वर ने उसके सन्देश उनके लिए को भेजा, जो इसे विश्वास करेंगे। वो ही सारी बुद्धिमता है; वो जनता है उसके सन्देश को कहाँ भेजना है, जो इसे विश्वास करेंगे। स्वर्ग में जो सबसे ऊँचा है, धरती पर सबसे निचले मनुष्य के लिए भेजा।

103 यीशु ने मती 5 में कहा, "धन्य है जो आत्मा में दीन है, क्योंकि स्वर्ग का राज उन्हीं का है।" मरियम... यदि आप उन वचनों को लिख रहे है, तो यह मती 5 है। यदि आप वचनों को लिख रहे है तो... जो मैंने यहाँ वचनों को लिख के रखा है।

104 मरियम ने लुका 1:52 में कहा, जब वो आत्मा से अभिषेकित हुई थी, पवित्र आत्मा उसके ऊपर था, उसने कहा, "उसने दिनों को ऊँचा किया है।" मरियम ने कहा, जो यीशु की माँ थी, कहा, "उसने दीनो को ऊँचा किया है।"

105 लुका ने ये भी कहा, "उन साधारण लोगो ने उसे आनंद से सुना।" ना ही उन—उन विशिष्ट वर्ग के लोगो ने, वे—वे धर्म ज्ञानी, नियम के विद्वान और उसके धर्म शास्त्री, लेकिन साधारण लोगो ने उसे आनंद से सुना, निचले उपाधि के लोगो ने।

106 उन सारे पवित्र वचनो के पहलू से, छुटकारे का सन्देश चरवाहों के द्वारा दिया गया था और भेड़ के जरिये से।

107 अब मैं नजदीक आ गया हूँ, क्योंकि हम बंद करने के नजदीक आ रहे है। मैं बस बहुत से वचनों को छोड़ रहा हूँ, जिससे मैं आपको इस विचार को समझा सकता हूँ।

108 उन सारे वचनो के पहलू से, छुटकारा चरवाहों के और भेड़ के जरिये से प्रधिनितित्व किया गया था। यह सही है। हम सब इसपर सहमत है। क्यों? ये छाया और नमूने में था। और जो कुछ... यदि मैंने मेरे हाथ को कभी नही देखा था और यहाँ नीचे मैं मेरे हाथ की चाय को देखता हूँ, और देखता हूँ कि मेरी पांच उंगलिया है, मैं जान जाऊंगा कि प्रतिबिम्ब हो रहा है, नेगेटिव एक वास्तविक को प्रतिबिम्ब कर रहा था। और इसी कारण से सन्देश हमेशा ही आया... भेड़ के द्वारा छुटकारा, क्योंकि आरंभ से ही... और ये भेड़ के जरिये से था, और चरवाहों के द्वारा था, कि उसने खुद को प्रगट किया। सारे छाया और नमूने थे।

109 अब आओ आरंभ की ओर देखे। आदम और हवा, वहां पर परमेश्वर की उपस्थिती में खड़े हुए है ताकि उनके लिए उसके सन्देश को सुने, उन्होंने भेड़ की खालो को लगभग उनके कमर तक टंगाये हुए थे। वो पहला सन्देश जो कभी सुना गया, वो मरे हुए भेड़ की खाल के सबसे ऊपर दिया गया था, जिसे परमेश्वर ने मारा और आदम और हवा को इसमें लपेट दिया। उसके

बाद उन्होंने अपने खुद की अंजीर के पत्तों की धार्मिकता को बनाने की कोशिश की, यह काम नहीं करेगा। भेड़ के बलिदान ने आरंभ से लेकर एक प्राश्चित की ओर निर्देशित करता आ रहा था, भेड़ का बलिदान।

110 अब, हम इस पर अभी बंद कर रहे हैं, और आपको दिखाएंगे ये चरवाहे ही क्यों होने थे और इसे क्यों होना था, उसे एक भेड क्यों बनना था।

111 अब, पुराने नियम के नबियों ने अपने आप को भेड़ की खाल में ढांके हुए थे (हम यह जानते हैं, सही है) उनके विश्वास को आने वाले सिद्ध मेमने के वचन को जाहिर कर रहे थे। इसीलिए वो नबी थे।

112 अब, परमेश्वर का वचन एक धर्मशास्त्री के पास नहीं आता है। वहां पर कोई नही... वो—वो एक हैजो इसे गड़बड़ करता है। यह सही है। वहां पर ऐसी कोई भी बात कभी नही कहती है... आप कहते हैं, ठीक है, "यह व्यक्ति एक धर्म शास्त्री है।" यह बस उसे बहुत ही दूर कर देता है, उस वचन से जो कुछ भी वोजानता हूं। समझे? प्रभु परमेश्वर का वचन, न बदलने वाला परमेश्वर, जो कभी भी नहीबदलता है। बाइबल में कहीं पर भी परमेश्वर का वचन हमेशा ही नबीयो के पास आया है। ना ही धर्मशास्त्रीयो के लिए या धर्मज्ञानियों के लिए, उन नबीयों के लिए। और वे हमेशा ही, हर समय, ठुकराए गए और इंकार किए गए।

113 अक्सर वे नबी गडरिये भी होते थे। नबी अपने ऊपर भेड़ की खाल टाँगे हुए होते थे, क्योंकि उनका भेड़ की खाल का पहनावा होता था, जिन्हें वे चराते थे। और वो पहला संदेश, एक—एक—एक दोषी पीढ़ी के लिए था, जो भेड़ों की खाल के सबसे ऊपर था। वे नबी, मैं फिर से कहता हूं, भेड़ो की खाल को अपने चारों ओर टाँगे हुए होते थे, कारण वे इसके द्वारा जाहिर कर रहे थे, कि उन्होंने विश्वास किया हैं कि वहां पर एक सिद्ध मेमना उस बलिदान के लिए आ रहा है। और परमेश्वर का वचन उनके लिए आया, जो भेड़ की खाल के सबसे ऊपर था। ये गडरिये... मतलब ये नबी अक्सर गड़रिये होते थे। अब्राहम एक गड़रिया था। इसहाक के गडरिया था। याकूब एक गड़रिया था। मूसा एक गड़रिया था। दाऊद एक गड़रिया था। सारे परमेश्वर के प्रतिनिधित्व करने वाले गड़रिये थे।

114 अब, हम देखने जा रहे हैं, ये क्यों गडरिया के लिए आया। वे जानते हैं बिना गड़रिया के, भेड़ निर्बल होती है, कि उन्हें निर्देशित करें। वे... एक भेड़ पूरी तरह से निर्बल होती है, वो अपने आप से नही जा सकता

है। इसी कारण से परमेश्वर ने उसके विश्वास करने वाले बच्चो से भेड के निमित तुलना की। उन्हें निर्देशित किया जाना है। लेकिन देखें, आपको क्या निर्देशन मिल रहा है! एक बकरी के पीछे मत जाना, वह तो तुम्हें चलाकर कसाईखाने की ओर लेकर जायेगी। परमेश्वर ने कभी भी हमें एक बकरी नहीं दी, उसने हमें उसके पुत्र को दिया (वह पवित्र आत्मा) ताकि हमारी अगुवाई करें। वह हमारा अगवा है, ना ही कोई मनुष्य, ना ही मनुष्य का बनाया हुआ गड़रिया, लेकिन परमेश्वर ने एक गड़रिया दिया है, जो भेड़ो को भेड़ो का भोजन खिलाता है।

115 अब, एक आप सूअर को ले ले, और आप इस सूअर से कहे, "मैं तुम्हें एक मेमना बनाने जा रहा हूं।" और आप उसे धो दीजिये। और आप उसके पैरो के नाखूनों को रंग से पोत दे, और—और इत्यादि। और उसे एक भेड़ के तरह का खाना दे दे, उसे एक किसी प्रकार का आहार दे दे। और उसे बाहर जमीन पर रख दें... जहां पर एक भेड़ का झुण्ड होता है, अलफालफा (जानवरों का खाना) के खेत या ऐसा ही कुछ। और यदि वहां पर कही तो कुंड है, वह सूअर सीधा उस कीचड़ के कुंड की ओर चला जाएगा, जैसे वो जा सकता है। देखा? क्योंकि उसका स्वाभाव अब भी एक सुअर है।

116 और इसी कारण से आज वो कलीसिया के सदस्य, संसार की बातों में मन लगाते है, देखो, क्योंकि उनका स्वाभाव नही बदलता है। वे किसी भी प्रकार का एक गिरजे का, धर्म विद्यालय के सुअर का खाना खायेंगे, लेकिन परमेश्वर के वचन, वे इस पर नही खड़े हो सकते है। वे अन्दर जाकर और वचन को सुनते है...

117 आप जानते हैं, संसार में सबसे बड़ा ढोंगी वह एक पुराना कौवा है। बाइबल में वहां पर दो पक्षीयो को जहाज के बाहर भेजा गया था। वह पुराना कौवा बाहर गया और वो कभी भी वापस नहीं आया, क्योंकि वह एक गिद्ध है, एक मुर्दों को खाने वाला। वो मरे हुए देहो पर, शवो पर बैठ गया और उस मरे हुए शवो से अपना पेट भरने लगा। लेकिन जब उसने पेंडुकी को बाहर छोड़ा, वह पेंडुकी उस दुर्गन्ध पर नही खड़ा हो पाया, इसलिए वह पिता के घर और नूह के पास वापस आ गया और दरवाजे पर मारने लगा, जब तक नुह ने उसे अंदर नहीं ले लिया।

118 अब, एक कौवा यहां पर बैठकर और दिन भर एक मरे हुए घोड़े को खा सकता है, और वहां बाहर खेतों में जाकर पेंडुकी के साथ दाना खा सकता है। लेकिन एक पेंडुकी वहां उड़कर और मरे हुए घोड़े को नहीं खाएगा और फिर आकर दाने को खाए, ये चीज उसे मार डालेगी। देखना, पेंडुकी के पास कोई भी पित्त नहीं होता है, और वो इसे नही पचा सकता है।

119 और जब कोई परमेश्वर का पिंडुक, कोई भी वचन खाता हुआ पिंडुक या भेड़, एक साफ पशु, जब आप उन्हें जाकर, संसार की वस्तुओं को देते हैं, वे जानते हैं उनके गुरु ने कहा है, "वह जो संसार से प्रेम रखता है या संसार की चीजों से, यहाँ तक परमेश्वर का प्रेम उसमें है ही नही।" आप उसे परमेश्वर के वचन के लिए कुछ तो विपरीत देते है, वह इस पर नही खड़ा हो सकता है। लेकिन शैतान इसे ले सकता है, और संसार भी ले सकता है, और इन सबको परमेश्वर का कह सकता है। आप तेल और पानी को नहीं मिला सकते हैं, यह बस मिश्रण नहीं होगा।

120 वे, ये सारे चरवाहे जानते थे, वे जानते थे कि भेड़ बिना चरवाहों के निर्बल है। और वे चरवाहे थे, और वो जानते थे कि उन्हें निश्चय ही निर्देशित किया जाना है।

121 क्या ही ये आज एक दयनीय दिखाई देता है, वे भेड़ को सुअर का खाना खिलाने की कोशिश करते हैं। लेकिन एक भेड इसे नहीं खाएगा। नही, श्रीमान! देखो, वे भेड़ को वहां पर सूअर का खाना खिलाने की कोशिश कर रहे थे। और जब परमेश्वर का वचन आया, वे सूअर का खाने के इतने आदि हो गए थे, उन्होंने वचन को नहीं जाना। और यही है जो आज होता है, जब वही बात प्रमाणित हुई है और साबित हुई है कि परमेश्वर एक फलां बात को करेगा। फिर वह सूअर का खाना खाने में इतने आदि हो गए हैं, और सूअर का खाना खाने वाले, जब तक आप... तो, वहां उनसे कोई बात नहीं करता है, वे इसे सुनना भी नहीं चाहेंगे, ऐसा ही है। वो कुत्ता... बाइबल ने कहा, "जैसे एक कुत्ता अपनी उल्टी को चाटता है, और एक सूअर कीचड़ में वापस लौट कर चला जाता है, वैसे ही वे करते हैं।"

122 वचन को सुनते हैं, और ठीक वापस उसी पुराने कीचड़ की ओर लौट जाते है। और कहते हैं, "ये कट्टरपंथी है। इस तरह की एक बात का विश्वास मत करना।"

123 परमेश्वर... भेड़ आज वैसा ही करता है, वो वचन आहार में ही भरोसा करता है। वे किसी और आहार को नहीं लेंगे। आप उन्हें एक गिरजे संबंधी आहार को नहीं ले सकते हैं, एक सच्चा भेड़। नही! नही! आप उनसे जाकर कहे, "अब देखो, हम सब एक साथ इकट्ठा हो रहे हैं। अब, यीशु ने प्रार्थना की, कि हम सब 'एक' हो सके।" आपने अभी ट्यूसान पर, ज्यादा समय नहीं हुआ, कुछ दिनों पहले, सुना होगा, लेकिन यह एक झूठ है! यीशु ने कभी ऐसी प्रार्थना नही की... कैसे वो... कैसे आप वचन को स्वयं में दोषी ठहरा सकते हो, या स्वयं में उल्टी प्रतिक्रिया कर सकते हो? तब तो परमेश्वर और मनुष्य में कुछ फर्क नही।

124 यीशु ने कहा, "कैसे दो जन एक साथ चल सकते हैं, जब वे आपस में सहमत ना हो।" आप कैसे मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेसबीटेरियन और कैथोलिक को लेने जा रहे हैं, और सबको इकट्ठा करके और एक बनाओगे? आप एक मनुष्य के नेतृत्व के नीचे एक हो सकते हो, लेकिन यीशु ने कहा, "कि वे एक हो सके जैसे—जैसे *आप और मैं एक हैं*।" अब, वो चाहता है कि हम सब उसमें एक हो, जो कि वचन है! आमीन! वहां पर है यह, "पिता के साथ एक होना।" और पिता वो पुत्र हैं, एक ही है। और ये वही वचन है, वचन प्रमाणित हुआ, इस दिन में स्वयं प्रदर्शित हो रहा है, जैसे यह पहले के दिन में प्रदर्शित हुआ, जिससे आप एक हो सके।

125 ध्यान दें, उसने कहा, "जैसे पिता ने मुझे भेजा, वैसे ही मैं तुम्हें भेजता हूं।" वो पिता जिसने उसे भेजा, उसमें चला गया ताकि वचन को साबित करें और उसी यीशु ने जिसने उसके लोगों को भेजा, लोगों में चला जाता है, जिसे वो भेजता है, और कहता है, "जो काम मैं करता हूं, वह तुम भी करोगे।" निश्चय ही, उसने प्रार्थना की, कि हम एक हो सके; उसके साथ एक होना, ना ही एक संस्था के साथ। ना ही एक सिद्धांत के साथ, लेकिन परमेश्वर के साथ एक होना। क्योंकि परमेश्वर उसके वचन में एक है और यीशु और परमेश्वर एक थे, और आप और मैं और वचन को एक होना ही होगा। यह सही है। हमें वचन में साथ सहमती में एक होना होगा। नाही कोई और क्या कहता है। इसका कोई व्यक्तिगत अनुवाद नही है। इसे ले लो, यह जो कहता है और इसे विश्वास करो; और परमेश्वर इसे प्रमाणित करेगा और साबित करेगा कि यह सही है। आप सोचते हैं, यह केवल और उन चेलो के लिए ही था, इसके लिए उसके वचन को ले लो, जाकर इसे एक

बार कोशिश कर के देखो। आप देखेंगे कि यह आपके लिए बिल्कुल वैसे काम करेगा ही जैसे उसने प्रतिज्ञा की है। हां, श्रीमान।

126 वे सूअर का खाना नहीं खायेगे, उनके पास होने के लिए भेड़ के आहार को होना है। संत यूहन्ना 10 यह जाहिर करता है, "मेरी भेड़ मेरी आवाज को पहचानती है।" और यदि वो वचन है, तब हमारे किस पास प्रकार की एक आवाज है? "मेरी भेड़ मेरी आवाज को जानती है, वे अजनबी की आवाज के पीछे नही जाएंगे।" समझे? यीशु ने कहा, "एक अजनबी की आवाज के पीछे नहीं जाएगी।" इसलिए, उसकी भेड़ एक अजनबी की आवाज़ का अनुकरण नहीं करेंगी। वे उसके पीछे नहीं जाएगी।

127 वे नबी, चरवाहे, और भेड़ सारे उसके आने को जाहिर कर रहे है।

128 अब, न बदलने वाला परमेश्वर, उसके नाम बदलने वाले योजना में, जो इस दिन का वचन है उसे देखे। अब कुछ मिनट के लिए न बदलने वाले वचन को सोचेंगे।

129 अब देखना! यदि—यदि मूसा, नुह के संदेश के साथ आया होता तो, यह काम नही करता। यदि यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला, मूसा के संदेश के साथ आया होता तो, यह काम नहीं करता। यदि यीशु, नुह के, या मूसा के सन्देश के साथ आया होता तो, यह काम नही करता। और वेसली, लूथर के संदेश के साथ आया होता तो, यह काम नहीं करता। यदि पेंटीकोस्ट, वेसली के संदेश के साथ आए होते तो, यह काम नहीं करता, हमने अभी इस बयान को सुना है। अब, परमेश्वर बस आगे बढ़ते जा रहा है, केवल वचन की ओर देखे, आप देखेंगे हम कहां पर हैं।

130 तब वो पहली घोषणा करने के लिए, वे वह चरवाहे क्यों नही होना चाहिए... ये सारे नबी, ये सारे महान व्यक्ति चरवाहे थे, तो फिर क्यों परमेश्वर (जो न बदलने वाला है) उसके कार्य विधि को ठीक यहाँ पर क्यों बदलना चाहिए, और इसे उन शास्त्रियों के लिए लाना चाहिए? ये चरवाहे थे। उस सिद्ध मेमने का आना, उस पाप के बलिदान के लिए, जो चरवाहों के पास आना है।

131 वे चरवाहे किसी भी चीज से बेहतर अपनी भेड़ को जानते हैं। एक चरवाहे के जैसे कोई भी भेड़ को नहीं जानता है, वो उसके लिए प्रशिक्षित है। और यह भी जानता है कि वह किस प्रकार का भोजन खाएंगे। वे... वह जानता है कि भेड क्या खाएगा और उसके भेड़ो को क्या खाते हैं, उसके

द्वारा जानता है। वो... आपने एक भेड़ को देखा है, वहां जाते हुए जहां सुअरो के खाने का बाड़ा होता है और सूअर के खाने को खाना आरंभ करे, आप कहेंगे, "उस कूड़े–करकट को दूर करो।" देखा? इसलिए परमेश्वर जानता है, उन्हें कहां भेजना है।

132 अब आइए हम उस एक यहोवा के महान चरवाहे नबी पुकारेंगे, ताकि ये पक्का करे कि परमेश्वर उन नबियो में था भेडो की खाल के नीचे। अब, देखना। हम पहले मूसा पर बोलेंगे। आइये, हम उस पर देखे। उसकी सेवकाई हमें दिखाएगी कि यहोवा उसके चरवाहे नबी में था। अब, हम एक ही को लेंगे, यदि हमारे पास समय रहा तो, लगभग अगले दस मिनटों के लिए। हम उनमें से दो को लेंगे, लेकिन हो सकता है, एक को लेना ही ठीक होगा।

133 मूसा; यहोवा यहाँ पर अपने आप को प्रदर्शित करता है, इस नबी चरवाहो में, ताकि उसकी सेवकाई को प्रमाणित करें और इस्राएल के प्राचीनो को बुलाने और फिरौन के लिए। ध्यान दें, यह चरवाहा नबी, अब वह हमेशा ही उसके नबियों को अलौकिक चिन्ह देता है ताकि यह प्रमाणित करें, कि ये उनमें परमेश्वर था; क्योंकि अलौकिक बातें के घटित होने के बिना वहां परमेश्वर की उपस्थिति नहीं हो सकती है। यहोवा कभी भी आलौकिक बातों को दिखाये बिना, वो प्रकट नही हुआ था। इसे होना ही है। इसलिए, वह हमेशा ही अपने आप को प्रमाणित करता है, कि वो इन नबियों के साथ था, इसे साबित करने के द्वारा कि वे क्या भविष्यवाणी कर रहे थे, यदि ये उसके वचन के अनुसार था तो।

134 अब, वो पहला—वो पहला चिन्ह, उसने नबी चरवाहे को दिया (देखो) उसकी छडी को एक सर्प में अपने बदल दिया।

135 दूसरा, उसके हाथ को कोड में बदल दिया।

136 तीसरा, मिस्त्र की नील नदी से पानी को लिया, और इसे लहू में बदल दिया।

137 अब, वो मिस्त्र को और इस्राएल को प्रमाणित करने के लिए उसे तीन चिन्हों को देता है, कि वो परमेश्वर का कहा हुआ वचन है।

138 अब, याद रखना, मूसा ने सृष्टी में लेकर आया! यह सही है। मिट्टी को लेकर और हवा में फेंका और कहा, "पिस्सू आ जाये," और पिस्सू आ गए। कहा, "मक्खियां आ जाये," और मक्खियां आ गयी। "मेंढक होने

दो," और मेंढक आ गए। उसने सृष्टि में लेकर आया! अब, एक मनुष्य सृष्टि नही कर सकता है, लेकिन यह आरंभ से लेकर मनुष्य नही था। यह तो उसके नबी चरवाहों में, वो यहोवा था! आमीन!

139 देखो, वह तीसरा चिन्ह वह उसे देता है, जो उसके व्यवसाय से संबंधित नही था, नाही उसके व्यक्ति से भी संबंधित था; जो उसका तीसरा चिन्ह है। ध्यान दे, पहले दो चिन्ह उससे संबंधित थे, उसके खुद से और उसके व्यवसाय से। और वे केवल दो चिन्ह ही थे जिसे बाइबल बताता है, कि "जिनके पास एक आवाज़ थी।" और दुसरे चिन्ह के पास एक आवाज नहीं थी। लेकिन दो चिन्ह, जिसे उसके खुद के व्यक्ति से दिया गया था, और उसके लोगों के लिए था, उन चिन्हों के पास आवाज थी। लेकिन वह तीसरा चिन्ह, अब ध्यान देना, इसे दिया गया था... और वो चिन्ह, वो तीसरा चिन्ह, वो मृत्यु का चिन्हथा:पानी लहू में बदल रहा है। यदि आपका—यदि आपका—यदि आपका लहू पानी में बदल जायेगा, तब आप मर जाओगे। और जहां पर लहू होता है, बहता हुआ लहू, एक मृत्यु का चिन्ह है; इसलिए यह फिरौन के लिए था। वो तीसरा चिन्ह नील नदी का पानी लहू में बदल जाना, यह फिरोन के लिए उसके संदेश को दिखाता था—दिखाता था कि हमारा परमेश्वर, उस नील के ऊपर परमेश्वर है, नील के परमेश्वर के ऊपर वो परमेश्वर है। वो सारी चिंजो के ऊपर परमेश्वर था, और वो उस राष्ट्र पर मृत्यु को लाने जा रहा है। और यही है, जो लहू का वो चिन्ह था। ओह, प्रभु! मृत्यु का सीधा–सीधा चिन्ह: लहू!

140 लेकिन, दूसरे दो चिन्हों के पास भविष्यवाणी की आवाजे थी। (मैं—मैं—मैं आशा करता हूं, आप लोग लकीरों के बीच में पढ़ रहे हैं, जो मैं कह रहा हूं) लेकिन वे दूसरे चिन्ह के पास भविष्यवाणी की आवाजे थी, उस इस्राएल के लिए, जो उनके भविष्य के सम्बंधित में था। (अब आपके लिए, जो ज्यादा समय नहीं हुआ वहां ऊपर पहाड़ पर थे, जब वो चट्टान उछलने लगी थी)

141 अब, और वो करने जा रहा है... वो प्रकृती को बदलने जा रहा था, ताकि उनके लिए इस काम को बनाये। उस खम्बे पर ध्यान दें, सर्प पर ध्यान दें, लाल समुंदर पर ध्यान दें, और जो कुछ भी उसने अब किया है। उस चरवाहे के लाठी की ओर देखो, उनके निकलने के लिए एक रास्ते को बना रही है। वह छड़ी जो चरवाहे के हाथों में थी, हर एक धर्म ज्ञान

को छोड़ते हुए और उन सारी बातों को, जिसे याजको ने कही थी, और उस चरवाहे की छड़ी ने उन्हें अगुवाई की, ठीक वहां सेनीचे, हर एक जो असंभव बातें है (मनुष्य के लिए) उसमें से होते हुए, जब फिरौन ने इसे सोचने कोशिश की, "पहाड़ो में जल प्रताब फुट पड़ा है, और पानी को उछाल दिया है, फिर इसे लहू में बदल दिया है," तब परमेश्वर ने आकाश से अग्नि की बारीश को भेजा। और उसने आकाश से औले बरसाये, और उसने—और उसने धरती पर जूं को बरसाया, और सब कुछ।

142 उसने क्या किया? और उन चरवाहों के छड़ी के द्वारा, ना ही कोई लिखी हुई किताब, नाही एक धर्म शास्त्री के विचार, लेकिन एक चरवाहों की छड़ी से! हम कुछ मिनट में इसमें आ रहे हैं; एक चरवाहे की छड़ी, इसने इसे किया। ना ही एक—एक संस्थाओं की प्रार्थना की किताब, लेकिन एक चरवाहे की छड़ी। चरवाहे की लाठी उसके भेड़ को अगवाई कर रही है, रास्तों को साफ करती हुई, जबवे उस देश में प्रतिज्ञा किए वचन की ओर बढ रहे थे। क्या ही आज के चरवाहों के छड़ी की एक सुंदर बात है, आज, उसकी भेड़ों को प्रतिज्ञा देश की ओर अगुवाई कर रहा हैं; सारे धर्म शास्त्री, और संसार का जो जो कुछ भी है छोड़कर और संसार की बातों को और संस्थाओं को, सब कुछ; मार्ग को खोलते हुए और उसके वचन को सच्चा साबित करते हुए; वह चरवाहों की छड़ी आगे बढ़ रही है।

143 अब ध्यान दें, वही चरवाहों की छड़ी जो भेड़ की अगवाई कर रही थी... क्या आप यहविश्वास करते हैं? उसने निश्चय ही भेड़ की अगुवाई की, उसने उन्हें, अपने हाथ में छड़ी के साथ मिस्र से बाहर निकाला। हम इसके बारे में बहुत कुछ बोल सकते हैं। लेकिन मुख्य बात पर आने के लिए, उसने भेड़ की अगुवाई की और इसे ठुकराने पर न्याय को भेजा! वही छड़ी जो एक के लिए आशीष बनी और दूसरों के लिए एक श्राप बनी। वही पानी (जिसका नुह प्रचार रहा था) जिसने उसे बचा लिया, और संसार को दोषी ठहराया। वही छड़ी जिसने इस्राएल की प्रतिज्ञा देश की ओर अगवाई की, उन्हें दोषी ठहराया जिन्होंने नबी चरवाहे का अनुकरण करने से इंकार किया। यह सही है, उनके लिए न्याय की छड़ बन गयी।

प्रकृति; ध्यान दे, जब परमेश्वर उसकी प्रकृति में बोलता है। यदि हमारे पास समय होता था, मैंने यहां पर कुछ लिख कर रखा है: परमेश्वर उसकी प्रकृति में बोलता है। हमारे पास इसे साबित करने के लिए समय नहीं है।

144 लेकिन थोड़ी देर में साबित करते हुए, पीतल के सर्प के द्वारा जो चरवाहे की भेड़ की लाठी पर था। (जिस पर उसने इस सर्प को उस लाठी के चारो ओर लपेटा था, उस जंगल में) यह बीमारी और पाप के लिए आने वाले सच्चे प्राश्चित को बता रहा था।

145 वह छड़ी खुद ही फिरौन के सामने एक सर्प में बदल गयी, उसी फिरौन ने जादूगरों के द्वारा इस की नकल की। और वैसे ही आज आधुनिक फिरौन करते हैं, और ढोंगी विश्वासी, सन्देश के शारीरिक नकल करने वाले, उसी बात को नकल करने की कोशिश करते हैं, यह जाने बिना कि यह कहां से आ रहा है; और इसे किसी संस्थागत के अन्दर कुछ नीचे गिराते हैं, जब की हवा कहाँ से आती और जाती हैं नही जानते। निश्चय ही! लेकिन नकल की कोशिश करते हैं, और नकल करते हैं।

146 लेकिन, ध्यान दें, उसी चरवाहे की छड़ी ने दूसरे सर्पो को खा लिया। वे सर्प कहां पर थे? वह धरती पर लाठी थे, और वहां पर केवल एक ही लाठी को उठाया गया। "धरती और आकाश दोनों टल जाएंगे," यीशु ने कहा, "लेकिन मेरा वचन नहीं टलेगा।" उस पाप के लिए आने वाले सच्चे प्राश्चित को बताता है।

147 इस्राएल के भविष्य को भी प्रस्तावित किया गया... और जहाँ मैंने इस्राएल पर बोला, अब भविष्य में... वहां उन्हें एक नबी चरवाहे के द्वारा मृत्यु की गुलामी से छुटकारे को प्रस्तावित किया गया था। उन्हें एक नबी चरवाहे के द्वारा, जो एक छड़ी के साथ था, गुलामी से बाहर लाया गया था। देखा? ये एक नबी चरवाहे के द्वारा मृत्यु और अधोलोक से इस्राएल के भविष्य के छुडाये जाने को बोल रहा था, जिस पर हम बोलेंगे...

148 अब, इस सब के लिए... जैसे हम सब जानते है, नबी चरवाहे के वचन को स्वीकार नही किया, सारे इस्राएल ने इसे ग्रहण नहीं किया। अब, ध्यान देना, वे शिकायत कर रहे थे। "ओह," जब वो चिन्ह चमत्कारों को कर रहा था, "वो एक महान व्यक्ति था," लेकिन जब ये उसके सन्देश में आता था, "यह अलग ही था।" वे सारे बड़े चिन्ह आने वाले एक संदेश के साथ जाते थे। हम यह जानते है। जंगल में उन्होंने शिकायत की, जंगल में, और हजारो मर गए। स्पष्ट रूप से, वहां पर उनमें से केवल दो नहीं थे जो कभी इसमें से होकर गए, जो पच्चीस लाख में बचाये गए थे, पच्चीस लाख में से दो।

149 आप कहते है, "वो... उनका क्या हुआ?" वे अनंतकाल के लिए चले गए।

150 "वे सब के सब, भाई ब्रन्हम?" यीशु ने ऐसा ही कहा।

151 उन्होंने कहा, "हमारे पिताओं ने जंगल में मन्ना खाया, और उन्होंने चट्टान में से पिया।"

152 और वो... यीशु ने कहा, "और वे, हर एक जन मर गए," अनंतकाल के लिए अलग हो गए, देखो, हर एक जन।

153 ध्यान दे, उन्होंने परमेश्वर के ठहराये हुए मार्ग के बारे में कुडकूड़ाये, यही कारण था, वे मर गये। (अब ध्यान से सुनना, अंतिम कुछ ध्यान देने वाली बातों को चुकना मत) वे कुडकूड़ाये। उन्हें किस बात ने जंगल में मार दिया, वे परमेश्वर के ठहराए हुए मार्ग के बारे में कुडकूड़ाये; उस एक अकेले मनुष्य के संदेश के द्वारा, एक अकेले मनुष्य का नेतृत्व करना। मुझे बताओ, कि परमेश्वर ने अगुवाई करने के लिए कभी एक झुण्ड का इस्तेमाल किया हो। आप इसे बाइबल में नहीं पाएंगे। एक ही मनुष्य उन्होंने... वचन मूसा के पास आया!

154 कोराह; हम सब जानते हैं, उसने—उसने खुद ही सबको इकट्ठा किया और परमेश्वर के ऐसा करने पर कुडकूड़ाया, इस तरह चीज को करने के लिए कि, एक मनुष्य को संदेश के साथ तैयार करता है। उसने कहा, "हम सब पवित्र हैं, क्यों हमारे पास एक संस्था नही हो सकती है? और हमारे पास क्यों नही... *इसकी* तैयारी करो, और*यह* करो और *वो* करो।

155 परमेश्वरने मूसा को बताया, "अपने आप को उससे अलग करो, अब ये बहुत हुआ।" और याद रखना, यहूदा अंतिम दिनों में, उसी बात को बताता है। यह सही है। "वे कोराह के विरोध करने से नाश हो गए।" हम यह भी जानते हैं कोराह और उन बाकीका क्या हुआ था, जिन्होंने परमेश्वर के वचन पर सवाल किया और परमेश्वर की बुद्धिमत्ता पर, उस एक मनुष्य के नेतृत्व करने पर:उनमें से हर एक जन नाश हो गया।

156 अब, हम ध्यान देंगे, परमेश्वर नबी चरवाहे में, अपने भविष्य की योजना को अगले आवाज के चिन्ह में दिखा रहा था। अब, देखना। हम इसे *यहां* पर देखते हैं, अब आइए इसे अगले चिन्ह में देखे।

157 अब, ध्यान दे, उसे उसके भाइयों के लिए भेजा गया था जो गुलामी में थे, जो कैद में थे, एक छुटकारे के संदेश के साथ, परमेश्वर के दिए गए

चिन्ह के साथ, ताकि उसके दावो को साबित करे। इस्राएल उसके संदेश के लिए गया, उन्होंने, उनमें से हर एक जन इसे विश्वास किया, लेकिन संध्या के समय में... वह उसके चिन्ह चमत्कारों के पीछे गए, लेकिन संध्या के समय जब वे... उसने उसके संदेश को दिया, "यह अलग ही था।" वे सब जिन्होंने उस सन्देश का विश्वास नहीं किया, मर गए। यह सही है। वो संदेश क्या था? वो संदेश आने वाले न्याय के लिए था। संध्या के समय, संध्या के समय पर, परमेश्वर इस्राएल के तम्बू से होकर कर निकला, ताकि यह देखे कि लोगों ने उसके चरवाहे नबी के संदेश को विश्वास किया था; और वे सब जिन्होंने विश्वास नहीं किया, नाश हो गए।

158 अब ध्यान दे, हम इसे उस महान चरवाहे पर लाने जा रहे हैं, बस कुछ ही मिनटों में। देखा? उस महान नबी चरवाहे की सेवकाई पर ध्यान दे। उसके चिन्ह चमत्कार, हर एक कलीसिया खुल जाती है और उसे स्वीकार करेगी। वे चाहते हैं कि उनके बीमार चंगे हो जाए। वे बड़ी चीजो को करना चाहते थे। उसकी लोकप्रियता बहुत ही थी। लेकिन जब संध्या का समय आया, उसके पानी को दाखरस बनाने के एक दिन के बाद, और उसने हजारों को रोटी को खिलाया और चिन्ह चमत्कारों को किया, उसने नीचे बैठ कर और उनसे बातें की। और उसने, उनसे कहा, "मैं और मेरा पिता एक है, तुम ये क्यों कहते हो कि 'हमें पिता को दिखाओ?'"

159 "ओह, भाई! यह मनुष्य अपने आप को परमेश्वर के साथ बराबरी कर रहा है?" यह उनके गिरजा संबंधी विचारों के लिए कुछ ज्यादा ही था। लेकिन यह सच्चाई थी, वो था! समझे? लेकिन जब उन्होंने इसे किया, बहुत से लोगों ने उसका अनुकरण नही किया।

160 तब वह पीछे मुड़ा और कहा, "जब तक तुम मेरा मनुष्य के पुत्र का मांस नहीं खाओ और उसका लहू न पियो, तुम्हारे पास, तुम में कोई जीवन नही है।"

161 अब, आप क्या सोचते हो एक चतुर, बुद्धिमान व्यक्ति, क्या? मैं कल्पना करता हूं, वे याजक, उनके पास मंदिर में उसका वहां पर होना उनके लिए—लिए बहुत ही शर्मिंदगी की थी, "यह सोच कर कि एक मनुष्य वहां पर खड़ा होगा और इस तरह की बात को बोलेगा।" कि, "जब तक तुम मेरे मांस को न खाओ, और मेरे लहू को ना पीयो।" कहा, "'यह व्यक्ति एक पिशाच है, मेरे मांस को न खाओ, और मेरे लहू को पियो... ' क्यों,

वो एक नरभक्षी है। तुम जो अच्छे विचार के लोग हो... तुम्हे इस तरह के पागल मनुष्य से दूर रहना होगा।"

162 उसने इसे कभी भी नही समझाया, उसने केवल इसे कह दिया! उसने इसे उनके रुकावट के लिए कहा, ताकि उसकी भेड़ को बकरी से अलग करे। उसने इसे किया ताकि उन्हें बाहर करे। और फिर कोई भी उसके साथ सहयोग को नही चाहता था। उसके बाद से उनका कोई सहयोग था। देखा?

163 ध्यान दे, संध्या के समय पर, परमेश्वर उन तंबूओ में से होकर गुजरा, और देखा कि किसने विश्वास किया था। और उसने उसी बात को उस महान चरवाहे के दिनों में किया था। ध्यान दें, उस महान चरवाहे नबी की सेवकाई को, लेकिन इस पर ध्यान दे, जो उसके संदेश के विश्वासी थे, लेकिन... इस संध्या के संदेश पर, वे इसे विश्वास नही करेंगे। वे विश्वास नही करेंगे कि वह परमेश्वर था। वे उसे एक भला मनुष्य बनाना चाहते थे। वह उसे एक नबी बनाना चाहते थे। वह एक भला मनुष्य था, और वह एक नबी था, लेकिन वह उससे भी बढ़कर था। यही आज की आम शिक्षा है, कि, "वह केवल एक भला मनुष्य है, वह एक नबी था।" वो इम्मानुएल से कम नही था! वो परमेश्वर था जो उसके पुत्र यीशु मसीह में प्रमाणित हुआ था, जो उसे और पिता को एक बना रहा था। यही वो सब है, जो वो हो सकता है।

164 जकर्याह 14:7, मैं हो सकता है इसे कहूँ, संध्या के उजीयालो और अंतिम समय पर फिर से संदेश के लिए बोलू। क्या आपने यह ध्यान दिया? जितने लोगों ने मूसा का अनुकरण किया, और अग्नि के स्तंभ को देखा, जिसने उसकी सिनय पर्वत पर उसकी पहचान दी। उसने इसकी साक्षी दी थी, और एक झाड़ियों में उस अग्नि के स्तंभ के लिए बताया और उसे इस संदेश को बताया था, उनमें से बहुतो ने इसका विश्वास नहीं किया होगा। लेकिन जितनो ने मिस्र से बाहर उसका अनुकरण किया (संसार से बाहर निकलना और दो भाग हुए समुंदर को पार करना और जंगल के अंदर चले जाना) उसी अग्नि के स्तंभ को देखा (जिसे उसने बताया था) प्रमाणित कर रहा था, जो भेडो का चरवाहा होना है। उन्होंने इसे देखा, और बहुतो ने इसे देखने के बाद, इसका फिर भी विश्वास नहीं किया।

165 ध्यान दें, कैसे फिर से कभी न बदलने वाला परमेश्वर, वो महान चरवाहा नबी, उन्हें लेता है, जो उसके साथ और उसकी सेवकाई के साथ बने रहे थे, उस जैतुन पर्वत पर ले जाता है, वह महान चरवाहा नबी, यीशु, वो एक जिस पर हम बोल रहे हैं। [टेप पर रिक्त स्थान—सम्पा]... ? ... और पिता को बोलते सुना (वही अग्नि का स्तंभ) जो उसे प्रमाणित करता है जिसने मूसा को प्रमाणित किया।

166 वही परमेश्वर जिसका मूसा जिक्र किया, मूसा पर आया और अग्नि के स्तंभ के द्वारा साबित किया कि वह यहोवा था, जो मूसा की अगुवाई कर रहा था। परमेश्वर उसके चरवाहे नबी में था।

167 यहां पर वो दूसरे नबी चरवाहे को लेता है, वो महान नबी, वह सच्चा भेड़, यीशु, और तीन मनुष्य को चुनकर लेता है, और उन्हें जैतुन पहाड़ के सबसे ऊपर ले जाता है, और वहां पर यीशु प्रमाणित हुआ। और यहां तक सारे दूसरे लोगों से स्वयं पूर्व रूपांतर हुआ, कहा, "यह मेरा प्रिय पुत्र है, इसकी सुनो!" और जब उन्होंने ऊपर देखा, वहां कोई मनुष्य नहीं था, केवल यीशु को छोड़। यह सही है। वही वो एक था। अब यह इसे खत्म करता है, जहां तक मैं समझता हूं। समझे?

168 [टेप पर रिक्त स्थान—सम्पा]... ? ... [टेप पर रिक्त स्थान] चेहरा। मूसा सिनय पर्वत पर उस तेजोमय की उपस्थिति में था। इसने उसके चेहरे को बदल दिया। जब वह नीचे आया, उसे अपने चेहरे के—के ऊपर परदा करना था, वो चरवाहा नबी मूसा, जिसमें यहोवा एक भाग में था, कुछ एक भाग में, उसके चेहरे पर। उसके पास उसके मुंह में वचन था।

169 लेकिन ध्यान देना, जब वो महान चरवाहा तेजोमय की उपस्थिति में था। इसने क्या किया? इसमें उसके संपूर्ण चेहरे की आकृति को बदल दिया। वह परमेश्वर का कुछ भाग नहीं था, वह पूर्व परमेश्वर था! वह इम्मेनुएल था।

इन चरवाहों को ही क्यों होना था?

170 ध्यान देना! देखो, अब परमेश्वर सर्वसामर्थी दर्शा... अपने आप को दर्शा रहा है, मतलब मूसा उस चरवाहे नबी में। ध्यान देनाकैसे परमेश्वर अपने आप में जाना गया (यह मेरी आखिरी मुख्य बात है) उसे देखना, वह अग्नि के स्तंभकी उपस्थिति में अभिषेकीत खड़ा हुआ है! कोई भी पहाड़

पर नहीं है, केवल मूसा को और यहोवा को छोड़कर, आमीन! *आमीन* का मतलब, "ऐसा ही हो।"

171 ध्यान दे, "अपने हाथ को अपनी छाती पर रखो!" लेकिन, इस दूसरे को चिन्ह को देखना जो अब एक आवाज के साथ है। "अपने हाथ को अपनी छाती में रखो।" हमारे पास कोई कारण नही है, ये विश्वास करने के लिए कि मूसा बाए हाथ का (इस्तेमाल) करने वाला व्यक्ति था, इसलिए उसने जरुर अपने उसके दाएँ हाथ को छाती पर रखा होगा, क्योंकि ज्यादा से ज्यादा लोग दाएँ हाथ के होते हैं। उसने उसके दाएं हाथ को छाती पर रखा... अब ध्यान देना! क्या हीएक तस्वीर को हम यहां पर देखते हैं, यहोवा मूसा में है, जो चरवाहा नबी है! मूसा परमेश्वर को प्रतिनिधित्व कर रहा था, क्योंकि परमेश्वर मूसा में था। उसे ध्यान दें, उसने उसके हाथ को छाती पर रखा... "अपने हाथ को छाती पर रखो।" क्या ही चिन्ह है!

172 अब, वहां पर वो खड़ा होता है, अपने दांए हाथ को उसके हृदय पर रखे हुए (*इस* तरह से खड़ा हुआ है) जहां पर उसने छुटकारे के रहस्य को जगत की नींव डालने से लेकर छिपाये हुए था। यहीं पर क्यों चरवाहे हैं। यीशु परमेश्वर का दाहिना हाथ था, हम सब जानते हैं। वहां पर मूसा बिल्कुल वैसे ही उसे दर्शा रहा है। वो पिता के रहस्यों को पकड़े हुए था, और उन्हें हमारे लिए दिखाया। ध्यान दें, उसे देखे, उसने अपने प्रहार हुए दाहिने हाथ को बाहर निकाला, जो एक घातक कोढ के साथ था। जो दिखाता है कि परमेश्वर उसके दाहिने हाथ से क्या करेगा। ध्यान दे, उस कोढ़ का कोई इलाज नही है। फिर से ध्यान दें, ये कोई ऐसे ही साधारण सा कोढ़ नही था, यह उसके अंतिम पड़ाव में था, हिम के जैसा सफेद; उसके हाथ को एक खतरनाक चीज से प्रहार किया गया। मूसा को कैसा लगा होगा जब उसने अपने दाहिने हाथ को हृदय पर से निकाला होगा, और उसका हाथ कोढ़ से घात हुआ था! कोढ़ पाप को दर्शाता है, लाइलाज, और विशेषकर इसके अंतिम समय में ।

173 और भाइयों, यही है जहाँ पर संसार था, जब परमेश्वर ने अपने दाहिने हाथ को अपने छाती में से निकाला! संसार पर उस घातक कोढ़ के साथ प्रहार हुआ था, और इसका कोई भी इलाज था ही नही। वैसे ही यह आज रात है, क्योंकि वे इसके उपचार को स्वीकार नहीं करेंगे। उस उपचार को

कलवरी पर दिया गया था, लेकिन लोग पाप के लिए परमेश्वर के बताये आदेश के बजाये, कुछ मनुष्य के बनाए हुए आदेशो को लेना चाहते हैं।

174 ध्यान दें, ये कभी भी धीरे–धीरे नहीं आता है, जैसे कोढ़ तेजी से आता है, लेकिन यकायक आ जाता है! जब उसने अपने हाथ को बाहर निकाला, ये घात किया हुआ था, ये पूरी तरह से कोढ़ हो गया था। ध्यान देना, परमेश्वर ने क्या कहा, "अब, तुम पाप के अन्दर धीरे–धीरे नही जाते हो, लेकिन जिस दिन तुम खाओगे, उसी दिन तुम मर जाओगे।" और यह सही है। "जिस दिन तुम इसे खाते हो।"

175 ध्यान दे, ये नबी चरवाहा था जिसने खुद पर प्रहार किया। परमेश्वर के आज्ञाओं के द्वारा, उसे लिया और उसने अपने हाथ को अपनी छाती पर रखा और इसे बाहर निकाला, जो कोढ़ के साथ घात प्रहार किया हुआ था। वो चरवाहा नबी, इसे अपने आप में किया। और वह महान नबी चरवाहा, यीशु, इसे अपने आप में किया, "मैं अपने जीवन को लेता हूं, कोई मनुष्य इसे मुझसे नही लेता है।" वो महान चरवाहा था, वो महान नबी चरवाहा, "कोई मनुष्य मुझसे नहीं लेता है, इसे मैं स्वयं से करता हूँ।" ये धीरे–धीरे नही आता है, ये एक मिनट में आता है। उस महान चरवाहे ने स्वयं हमारे दोषों को ले लिया और खुद को घात किया, हमारे पापो को लिया और इसे अपने आप पर डाल दिया। कोई अचम्भा नही कवि ने लिखा:

> मध्य व्याख्या करती चट्टान और काला होता आकाश
> मेरे उद्धारकर्ता ने अपने सिरको झुकाया और मर गया
> और उस खुलते हुए पर्दे ने राह को प्रकट किया
> स्वर्गीय आनंद और अनंत दिन का

176 यह रहस्य परमेश्वर के ह्रदय पर उन सारे वर्षों में था, जिसे उसके दाहिने हाथ, यीशु मसीह, के द्वारा ढापा गाया। उस महान चरवाहे ने स्वयं हमारे दोषों को हमारे लिए ले लिया। यशायाह 53:6 ने कहा, "वह हमारे ही अपराधो के कारण घायल किया गया, वह हमारे अधर्म के कामों के हेतु कुचला गया, हमारी ही शान्ति के लिये उस पर ताड़ना पड़ी कि उसके कोड़े खाने से हम चंगे हो जाये।" परमेश्वर की चंगाई का रहस्य यीशु मसीह के या परमेश्वर के ह्रदय में रखा हुआ था, वो परमेश्वर के दाहिनी ओर हाथ पर था, यही केवल वो भेद है जिसके ह्रदय में रहस्य था। यही वो कारण है इसकी आने वाली पूर्व छाया को हमेशा ही एक भेड़ होना था! पहला वो

एक भेड़ था और अंतिम वो एक भेड़ था। यही वो कारण है इसे एक चरवाहे के लिए आना था ताकि यह जाने कि कैसे उसकी भेड़ का ध्यान रखना है। आपने इसे समझा? ध्यान दें, "वह हमारे ही अपराधो के कारण घायल किया गया, वह हमारे अधर्म के कामों के हेतु कुचला गया, हमारी ही शान्ति के लिये उस पर ताड़ना पड़ी।"

177 ध्यान देना, ये तुरंत आया और तुरंत से चला गया, ना ही एकदम से, वह दाहिना हाथ दूसरी बार छाती पर से निकाला गया था। वह प्राणघातक बीमारी चली गई थी, जब उसने इसे दूसरी बार बाहर निकाला। और जब वह महान चरवाहा, वो भेड़ चरवाहा, जब उसने कहा... उस क्रूस पर जब उसने हम सबके लिए पाप के दाम को चुकाया, उसने कहा, "यह समाप्त हुआ।" पाप खत्म हुआ, वह जुर्माना भर दिया गया था, कर्जा चुकाया गया था! इसमें एक वर्ष को नही लिया, और अत: इसके अंदर आ गया जो कुछ और सुधारको के दिनों में या ऐसा ही, ये यह ठीक तभी खत्म हो गया!

178 पाप एक क्षण में आ गया, परमेश्वर के नियम का उलंघन करने के द्वारा, एक वचन को तोड़ने के द्वारा। आज रात, मेरे भाइयों, आपका प्राण नरक के ऊपर एक जंजीर पर है। और वह जंजीर कोई धर्म शास्त्री की धर्म शिक्षा की शिक्षा नहीं है, वह जंजीर कोई संस्था नहीं है या कोई संप्रदाय जिसके द्वारा आप जी रहे हैं वह जंजीर परमेश्वर का वचन है! यीशु ने मनुष्य जाति को उसका वचन दिया, ताकि मनुष्य उसके द्वारा जीए और हवा ने केवल वचन की एक छोटी सी इसकी कड़ी को तोड़ दिया। और... कोई भी जंजीर अपनी सबसे कमजोर कड़ी से ज्यादा मजबूत नहीं होती है। जब आप एक वचन को बाहर निकालते हैं... जो वो उस किताब का पहला है।

यीशु किताब के मध्य में आया और कहा, "मनुष्य केवल रोटी से ही जीवित नहीं रहेगा, लेकिन परमेश्वर के मुख से निकले हुए हर एक वचन के द्वारा जीवित रहेगा।" यह किताब का वह मध्य था।

किताबके अंत पर, उसने कहा, "जो कोई भी एक वचन को निकालेगा (एक वचन का गलत अनुवाद) एक वचन को यहां से निकालेगा, मैं उसका भाग जीवन की किताब से निकाल दूंगा।" आप नरक के ऊपर से निकल रहे हैं, परमेश्वर के वचन पर लटक रहे हैं। आप किसी को आपके अन्दर कुछ बात को न ठुसने दे, यह यहोवा यों कहता है, नही होता है!

179 ओह, मैं देखता हूं... तो, वे कहते हैं, "निश्चय ही, हमने सब कर दिया है। हमने सब कर दिया है।" यही है, जो हो सकता है, महायाजक और उन लोगो ने उस महान चरवाहे के दिनों में सोचा होगा। यही है जो हवा ने सोचा। यही है जो शैतान ने उससे कहा, "निश्चय परमेश्वर नहीं करेगा।" लेकिन उसने किया, क्योंकि, उसने कहा की वो करेगा। और यही वो कारण है, आज वो इसे फिर से करेगा।

180 कोई आश्चर्य नही, जब उसने कहा, "जैसे ये नुह के दिनों में हुआ था, जहां पर आठ लोग उस पानी के द्वारा बचाए गए थे, वैसे ही यह मनुष्य के पुत्र के आने के दिनों में होगा।" देखो, बहुत ही थोड़े, "क्योंकि सकेत है वह फाटक, और सकरा है, वह मार्ग जो जीवन को ले जाता है और बहुत थोड़े होंगे जो इसे पाएंगे।" यह सही है। "क्योंकि चौड़ा वो मार्ग जो विनाश की ओर पहुंचाता है, बहुत से वहां इसमें चले जायेंगे।"

181 जब वो महान चरवाहा घात किया गया, वह महान भेड़ नबी, जब वहां पहले उसे घात किया गया था, उसने कहा, "यह समाप्त हुआ।" और यह और उसी मिनट पर जैसे ही इस चरवाहे को घात किया गया, यह खत्म हो गया था। पाप समाप्त हुआ, अब कोई पाप नहीं रहा। वे साफ हो गए थे, जुर्माने को भरा गया था। वे विश्वासी जिनके नाम जीवन की किताब में लिखे थे, जगत की नीव डालने से लेकर पहले से ठहराए गए थे, उसी मिनट पर, यह समाप्त हुआ था, कि यीशु ने कहा यह समाप्त हुआ था। वो, जो महान चरवाहा था, उसकी भेड़ों के लिए आया था। यह समाप्त हुआ था, परमेश्वर का दाहिना हाथ उसके हृदय में से बाहर निकला, जो घात हुआ। फिर ईस्टर के दिन उसने इसे वापस इसे डाला (आमीन) उसे उसके हृदय में वापस खड़ा किया, और इसे आपकी और मेरे और लिए आगे बढा दिया, उसके वचन के रूप में, ताकि हमें वापस उस मूल बगीचे की और छुडाये जहाँ पाप ने हमें गिया दिया था। वो छिपा रहस्य जो उसके महान हृदय में था, एक नबी चरवाहे के द्वारा प्रगट हुआ। ये एक चरवाहे के द्वारा प्रकट हुआ था, नबी चरवाहे के द्वारा।

182 कोई आश्चर्य नही, पहाड़ उछलने लगे और उस दिन पर चिल्लाये। कोई आश्चर्य नही सूर्य ने उसके चेहरे को छुपा लिया और आनंद के लिए चिल्लाया। कोई आश्चर्य नही सारी प्रकृति ने मुक्ति को पा लिया; हवा ने पेड़ों को हिला दिया जब तक वे हिले नही, हिले नही और आनंद मनाया और उछलने

लगे। उन्होंने नबी चरवाहे को उस पर्वत पर देख लिया था, जो जीवन की किताब से हर एक नाम को छुड़ाता है। और उन्होंने देखा कि उनकी खुद की प्रकृति छुड़ाई गई थी! वे चिल्लाये और उछलने लगे। और संसार एक भूकंप के अन्दर चला गया और पहाड़ तड़क गए, और चट्टाने गिरने लगी। और सूर्य नीचे चला गया। और—और हर बात ने स्थान को लिया। जैसे कोई भी सभा, जब वो चरवाहा आप को प्रकट करता है कि "यह समाप्त हुआ है!" वहां...

183 मैंने उछलते हुए अवधि को देखा है, और आनंद की अवधि को देखा है, लेकिन वहां पर किसी को भी नुकसान नहीं पहुंचा। पहाड़ हिल गए और वे... वो सूरज नीचे चला गया और हर एक बात ने जगह ली, लेकिन वहां पर किसी को भी नुकसान नहीं पहुंचा। और मैंने सभाओ को देखा है, जहां पर परमेश्वर की सामर्थ ने लोगों को प्रकट किया कि "वे संसार से और संसार की बातों से आजाद हुए थे," और आनंद प्रभु के आनंद ने सभा को भर दिया। वे खड़े होकर और चिल्लाये और रोये और अपनी जोर की आवाज में परमेश्वर की महिमा के लिए चिल्लाने लगे। मैंने कभी कुछ भी नियम विरुद्ध नही देखा, वे हमेशा ही नियम में रहे थे; क्योंकि उन्होंने यह पहचान लिया था कि उनके नाम जो मेमने की जीवन की किताब में जगत की नींव डालने से पहले लिखे गए थे। उस महान नबी चरवाहे ने उनके पास संदेश को लाया था और वे छुड़ाए गए थे, वो नबी चरवाहा। कोई फर्क नही पड़ता है, कोई और गिरजा से संबंधित क्षेत्र इसके बारे में क्या कहते हैं, वे जानते थे उनके साथ क्या हुआ था। उस चरवाहे ने वहां पीछे क्या किया, वह जानते थे क्या बात ने जगह ली है।

184 किसी मनुष्य के पास एक अधिकार नही है कि उस पवित्र मेज पर प्रवेश करके वचन को प्रचार करे, जब तक वो वैसे ही नही करता, जैसे मूसा ने किया, उसने खुद परमेश्वर से उस भूमि पर मुलाकात की, जहां पर कोई भी धर्म शास्त्री इसे समझा नही सकते हैं। मूसा वहां पर था! कोई फर्क नही पड़ता कैसे इसराइल के संदेशवाहक ने कहा, "ओह, यह एक मुर्खता थी, आपने अभी कल्पना की, आपने इसे देखा है; यह एक मुर्खता है," आप नही ले सकते हैं, आप उससे नही निकाल सकते है, वो जानता है! वो वहां था! वही वो एक था इसके लिए हुआ था! और मनुष्य की एक धर्म शास्त्री की उपाधि के द्वारा या किसी विद्वान के द्वारा, कोई एक अधिकार नही कि उस पर जाकर, यीशु मसीह के संदेश को जाहिर करें, जब तक वो पहले अग्नि

के स्तम्भ में, परमेश्वर से आमने–सामने नही मिल लेता है। उसके पास कोई अधिकार नही है कि वह अपने आप को संदेशवाहक बुलाए, क्योंकि संसार के सारे धर्म शास्त्री व्याख्या नही कर सकते, जिससे कि आप से दूर हो जाये। ऐसा आपके साथ हुआ है! आप वहां पर थे, आप इसके बारे में जानते हैं। सावधान रहे कोई और क्या कहता है या और वे कितना कितना भी कहे, "वे दिन बीत गए हैं, यह ऐसा नही है," आप... यह आपके साथ हुआ है, और ये वचन के अनुसार है।

185 हां, यही वो कारण है, मूसा जानता था कि उस आवाज ने उससे बातें की थी, जो एक वचन की आवाज थी। वो जानता था कि परमेश्वर ने अब्राहम को बताया था, "तेरा बीज परदेस में होगा, कुछ चार सौ वर्ष तक, लेकिन मैं उन्हें छुटकारा दूंगा।" और वह जानता था कि चार सौ वर्ष पुरे हुए थे और उसे इसे करने के लिए बुलाया गया था।

186 पुरुष और स्त्री, परमेश्वर ने इस अंतिम दिनों में प्रतिज्ञा की है, कि वो उसकी आत्मा को हर एक देह में उंडेल देगा। उसने प्रतिज्ञा की है, वह पवित्र आत्मा को भेजेगा, और वो एक बिना दाग और झुर्री की दुल्हन को बुलाएगा। उसने इसकी करने की प्रतिज्ञा की है, वो इसे करेगा। इन किराये के चरवाहों की मत सुनना, वो आपको गुमराह करेंगे। पवित्र आत्मा वो चरवाहा है, जो तुम भेड़ो को इस वचन के भोजन में से खिलाये। ये हमेशा ही चरवाहे के द्वारा आता है । वो हमारा चरवाहा है। उसको सुनो, आप उसके बाड़े की भेड़ है; यदि आप है तो, आप उसकी आवाज को सुनते हो, ना ही कोई और क्या कहता है, आप सुनते हो जो वो कहता है। एक अजनबी की आवाज, आप इसके बारे में कुछ भी नही जानते हो।

187 ओह, प्रभु, सामर्थी चरवाहे नबी को फिर से सुनो, उनके लिए अनुवाद करते हुए और परिचय कराते हुए, यूहन्ना (जब वो यर्दन नदी पर खड़ा था) देखो, उसने क्या कहा (वह खडे होकर, प्रचार कर रहा था) उसने कहा, "वो घड़ी आ रही है... "

188 ध्यान दे, यूहन्ना एक याजक का पुत्र था। उन्होंने हमेशा ही उनके पिताजर्कयाह के उस—उस कार्य को किया, इसी तरह से हमें हमारे नाम मिले हैं। जो भी उन्होंने किया, वे उन्हें वो ही बुलाते है। और यूहन्ना को उसके पिता की जैसा एक याजक बनना चाहिए था।

189 और आप जानते है, जब उसकी मां गर्भवती थी, प्रभु का दूत उसके पिता के मिलने के बाद, और इलीशिबा के घर गया, और वह पहले से ही छह महीने गर्भ से थी... मां बनने वाली थी। लेकिन उसमें अब तक जीवन नही था, वह डरी हुई थी कारण बालक में कोई हलचल नही थी। यह अवसामान्य है ।

190 और पवित्र आत्मा, वो प्रभु का दूत मरियम के सामने उपस्थित हुआ, और उससे कहा कि उसे "एक बालक होने जा रहा था, बिना किसी पुरुष को जाने," और उसे इलीशिबा की परिस्थिति के बारे में बताया।

191 वहां ऊपर यहूदिया की पहाड़ियां में इलीशिबा से कहने के लिए गई। और जब वह इलीशिबा से मिली, उसने उससे कहा, कि, वो "एक मां बनने जा रही है।" और वह इसे समझ नही पाई, "किसी पुरुष को जाने बिना," लेकिन उसने कहा, "पवित्र आत्मा मुझ पर छाया किये हुए था और कहा यह पवित्र बात जो मुझसे जन्म लेगी, जिसे 'परमेश्वर का पुत्र,' बुलाया जायेगा और मैं उसका नाम 'यीशु' बुलाऊँगी।" और पहली बार वो नाम यीशु मनुष्य जाति के होठों कभी लिया गया, एक छोटा मरा हुआ बालक, अपनी मां के गर्भ में आनंद से छलांग लगाई और चिल्ला उठा; और मां की गर्भ में कूदने लगा और इसने अब तक कभी जीवन को नही पाया था।

192 यीशु मसीह का बोला गया नाम एक मरे बालक के अंदर जीवन को लाता है। एक कलीसिया में इससे क्या करना चाहिए, जो फिर से जन्म होने का दावा करती है?

193 और हम रूखेपन के जैसे, ऐसे ही बैठे रहते है और इस तरह की चीजों को होने देते है। और उठकर और आपके दोषों को बताने से डरते है, और इन सारी बेहूदा बातों पर दोष लगाते हैं, यीशु मसीह को कल, आज, और युगानुयुग एक बनाते है। यह क्रिसमस का समय है, इन सांता क्लॉस और उन क्रिया कलापो से बाहर निकलो, उन व्यावसायिक होती बेहूदा बातों से दूर रहो। आपने कभी बाइबिल में सांता क्लास के बारे में सुना है? ये एक रोमन पुराणिक कथा है, इसका कोई भी सम्बन्ध ही नहीं है, वहां इस तरह की कोई चीज नही है। इस तरह की शिक्षा अपने बच्चो को मत दो। जब एक दिन आप अपने बच्चे से कहते हो कि ये एक गलत कहानी थी, तब आपने अपने बच्चे को झूठ बताया है। और यह यीशु मसीह के बारे में गवाही को

नुकसान पहुँचायेगा, वो कहेगा, "हो सकता है ये भी वैसे ही हो।" यीशु मसीह उस महान नबी चरवाहे को वापस क्रिसमस के अन्दर रखे, जहाँ से ये ताल्लुक रखता है।

194 ध्यान दे, इस महान नबी को सुने, यूहन्ना जब वो वहां पर खड़ा होता है। हम सब जानते है, वो एक महान चरवाहा नबी था। अब, उसके पास एक संदेश था, वो दूत जानता था कि वह यीशु का परिचय कराने जा रहा था।

195 अब वो किसी धर्म शिक्षा विद्यालय में नहीं पाया। उन्होंने कहा होगा, "क्या तुम जानते हो वो *फलां—फलां* विद्वान वो ही मनुष्य अब उस स्थान को लेना है। तुम्हे उसे परिचय कराना है। और तुम जानते हो कि... " देखो, वह किसी मनुष्य के साथ इसका मिश्रण नहीं कर सकता है।

196 नौ वर्ष की उम्र में, हमें बताया गया कि वो जंगल के अंदर चला गया ताकि परमेश्वर के सामने तैयार हो जाए। यही है जहां से चरवाहों को आना है। ध्यान दे, उसका संदेश एक धर्म शिक्षा के जैसा नहीं था, किसी महान, किसी उपाधि के बड़े ऊँचे फुले हुए शब्दों के साथ। उसने कहा, "ओह, तुम जो सर्प के वंश हो।" उन धर्मी मनुष्यों से कह रहा है, "तुम सर्प के वंश हो।" यही है जो उसने जंगल में देखा था, उसने सर्प को देखा था, सबसे निचली चीज जो वो देख सकता था, वो सर्प था, और उसने उस दिन के याजको, धर्म शास्त्रियों, धर्म ज्ञानियों को कहकर बुलाया, "एक सर्प का झुंड!" कहा, "तुम्हें आने वाले क्रोध से किसने चेतावनी दी है? यह कहना आरंभ मत करना, 'हम *इससे* ताल्लुक रखते है, और हम *उससे* ताल्लुक रखते हैं,' क्योंकि मैं तुमसे कहता हूं कि परमेश्वर इन पत्थरों से अब्राहम की संतान को खड़ा करने में सक्षम है। उन पत्थरो को, जो उसने जंगल में देखा था।" और ये भी कि, "वह कुल्हाड़ी पेड़ के जड़ पर रखी हुई है।" यही है जो वो उन जंगलों में देखते आ रहा था: सर्प, पेड़। और देखो, यह उसका संदेश था। वह बड़े–बड़े फुले हुए ऊंचे शब्दों को नही जनता है जो किसी धर्म विज्ञान के विद्वान के होते हैं (इसकी व्याख्या को कर सके) उसने बस बिलकुल वही प्रचार किया जो प्रकृति के क्रम में था।

197 यही है जो हम यहां पर दिखा रहे हैं: उस चरवाहे की छड़ी को, वह चरवाहा, वो भेड़ जो प्रकृति के क्रम में है।

198 उसने क्या किया? उसके पास करने के लिए एक बड़ा काम था, वो ही एक था, जो मनुष्य को जान लेगा। उसने कहा, "मैं कहता हूं, वो आपके

बीच अभी यहाँ खड़ा हुआ है। और तुम उसे नही जानते हो, क्योंकि तुम्हारी धर्म शिक्षा ने तुम्हे इतना बांध के रखा है, तुम नही जानते हो कि तुम कहां पर हो।"

199 एक दिन यीशु चलकर आता है, यूहन्ना ने कहा, "देखो वहां पर परमेश्वर का मेमना चल कर आ रहा है, जो संसार के पापों को ले लेगा।" वो मेमना! हाल्लेलुया! वो सच्ची प्रायश्चित! वहां वो आता है, हर एक भेड, जो अदनके बगीचे से छाया किये हुए थी, एक साधारण सा व्यक्ति उस नदी में चलकर आता है।

200 उन्होंने कहा, "यूहन्ना इसे कैसे जानते हो? मैंने कुछ विभिन्न चीज को नही देखा।"

201 "लेकिन मैं गवाही देता हूं, मैंने परमेश्वर की आत्मा को एक पिंडुक की नाई उतरते देखा है, और एक आवाज कह रही थी, 'यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिसमें मैं रहने से प्रसन्न हूं।'"

202 उस पिंडुक और मेमने मिनी को देखो। देखा? हां, क्या हो, यदि वहां पर एक... क्या हो यदि वहां पर कुछ और होता था... क्या हो यदि एक भेड़िया वहां पर खड़ा होता था? तो, वो मेमना उस पर नही आता... या वो पिंडुक... परमेश्वर ने खुद को एक पिंडुक के साथ प्रतिक किया, जो आकाश में सबसे नम्र पक्षियों में से हैं; उसके बेटे को एक भेड़ के द्वारा प्रतिक किया, जो धरती पर जानवरों में सबसे नम्र है। आकाश में का शुद्ध पक्षी को देखो, एक कौवा नही, एक गिद्ध नही, लेकिन एक पिंडुक। एक सूअर नही, लेकिन एक मेमना। और कोई प्रकृति इसके एक साथ मिश्रित नही होंगे।

203 और ध्यान दे, जब वो पिंडुक उस मेमने पर आया, इसने उसकी अगुवाई की। ना ही उस तरह से जो वो करेगा, लेकिन जिस तरह से पिता उसकी अगुवाई करेगा। इसी तरह से आज वो एक सच्चा मेमना होता है। ओ क्रिसमस समय की भेडो, क्या आप नही जानते कि परमेश्वर केवल उसके वचन के द्वारा अगवाई करता है? यही उसकी छड़ी है।

204 और ध्यान दे, कोई भी इसका स्थान नही लेगा, लेकिन यूहन्ना ने कहा, "बाकी के लोगों ने इसे नही देखा, लेकिन मैं इसकी गवाही देता हूं, 'मैंने इसे देखा।'" परिचय कराते हुए, "देखो, वह परमेश्वर का मेमना आता है, जो संसार के पापों को ले लेता है।"

205 हो सकता है, मैं अब मेरे क्रिसमस की संदेश को परिचय कराऊंगा, और जब मैं बंद कर रहा हूं, "यीशु मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है।" यह वही मेमना है। वो बिल्कुल वैसे ही आज मेमना है, जैसे वह तब था। वो बिल्कुल ऐसा ही आज यहां पर है, जैसे वो वहां पर था, क्योंकि उसका वचन एक सा है, "जहां कही दो या तीन मेरे नाम से इकट्ठा होते हैं, मैं उनके बीच में हूं।" बिल्कुल यही है जो उसने कहा, वह कभी नही बदलता है, वह परमेश्वर है, वह वचन है। वो कभी नही बदलता है; अब भी अपनी भेड़ो को दे रहा है, उसके चरवाहे नबी के द्वारा भोजन खिला रहा है, उसकी भेड़ का पहले खाना। ना ही धर्म शास्त्री के लिये; उसकी भेड़ो के लिए है।

206 वे नही लेंगे... कैसे वे दुसरे इसे खा सकते हैं। लेकिन जो बुद्धिमान... इसे ध्यान दे! लेकिन बुद्धिमान और ज्ञानी, संसार के अच्छे प्रशिक्षित लोग, अब भी इच्छा रखते हैं, यह कहने की, कि एक सांता क्लॉस है। और वहां पर काल्पनिक कहानी और विभिन्न चीजें हैं, जिसकी वे आराधना करते हैं, क्योंकि वे उसे स्वीकार नहीं करते, जो वचन है; क्योंकि वे वचन को स्वीकार नही करते; क्योंकि उनकी संस्थाओं में यह उनके स्वाद में ठीक नही बैठता है, जो वे उस दिन के किराये के चरवाहे है। संप्रदाय के द्वारा किराये पर लिये जाते है, जो आपको एक बकरी के नीचे एकता में लाएंगे, क्या आप इसे विश्वास नहीं करते! वे आपको वध स्थान की ओर अगवाई करेंगे। इस महान चरवाहे को सुनना, जो उन्नीससौ वर्ष पहले जन्मा था, इस महीने, कहीं तो बाहर उस ओर, उसके संदेश में, वो सच्चे चरवाहो के पास आता है, जो जानते हैं कि कैसे भेड़ों को देखभाल करना है।

207 ध्यान देते हुए, वह अब भी इसे चाहते है। वे इसे आज स्वीकार नहीं करते, बिल्कुल वैसे ही जैसे उन्होंने तब नही किया था, क्योंकि यह उनके गिरजे संबंधी स्वाद से ठीक नहीं बैठता है। वे वचन को घुमाते है, और इसे उनके संप्रदायों के साथ इसे सही बैठाते है, और वचन को प्रचार नहीं करते। वे नही करते है! वे कहते हैं, "ठीक है, ये प्रेरितो के दिनों के लिए था। इसका *यह* मतलब नहीं होता है।" इसका मतलब बिल्कुल यही होता है, जो ये कहता है, इसे किसी की आवश्यकता नही है कि... ? ... उनके लिए इसे अनुवाद करे।

208 अब आइए इस घड़ी के लिए हमारे सिरों और हृदय को इस धरती

की मिट्टी की ओर झुकाएंगे, और चलो, शीघ्रता से एक सच्चे चरनी की ओर जाये, देखने के लिए और उस उजाले को ग्रहण करने के लिए, जो चरवाहे के द्वारा इस वचन को लाता है: वो महान नबी चरवाहा, यीशु मसीह, परमेश्वर का पुत्र। मैंने आपको विस्तार में बताया है। हो सकता है मैं अपने शब्दों को इस तरह से नही रख पाया हूँ जैसे एक धर्म शास्त्री को रखना चाहिए, मैं इसे करने की कोशिश नहीं करता। मैं वैसे ही करने की कोशिश करता हूं, जैसे वो मुझे इसे देता है।

209 लेकिन, क्या आपने देखा यह चरवाहे ही क्यों होने थे? वे जो दूसरे थे वे विभिन्न विचारों के साथ प्रशिक्षित थे, इतना तक की वे इसे स्वीकार नही करेंगे। और आज हमारे पास बहुत सारे विभिन्न निरीक्षक, जिलाधिकारी, बिशप, याजक, कार्डिनल, पोप, वे सारे जो संसार में है, ताकि हमारी अगुवाई करने की कोशिश करे। लेकिन परमेश्वर हमें एक चरवाहे को देता है, और वह चरवाहा पवित्र आत्मा है।

210 अब मुझे ध्यान से सुनना, "जब वह... " (ना ही एक विचार, *वो* एक व्यक्तिगत सर्वनाम है) "जब वो पवित्र आत्मा आता है (वो सच्चाई का आत्मा) वो आप पर इन बातों को प्रगट करेगा, जिसे मैंने आपको बताया है, और आपको आने वाली बातों को दिखायेगा।" यही वो महान चरवाहा है, यही है जो महान चरवाहे यीशु छोड़ गया। और पवित्र आत्मा ने बाइबल को लिखा, बाइबल ऐसा कहता है, "पहले के मनुष्य, पवित्र आत्मा के द्वारा चेले, वचन को लिखा।" अब, क्या पवित्र आत्मा आपको एक संप्रदाय की ओर खींच सकता है? क्या ये आपको किसी चीज के लिए खींच—खींच सकता है, जिसे वचन नही कहता है? क्यों, यह पूरी तरह से असंभव होगा। पवित्र आत्मा एक झूठा होगा, यदि उसने यह कहा, "*यही* है जो तुम्हे करना चाहिए," और फिर वापस मुड़कर और कहता है, "नही, यह एक गलती थी, तुम्हें वो करना है, जो तुम्हें कलीसिया करने को कहती है।"

211 आप यदि आप कुछ तो सुनते आ रहे होंगे, कोई और आपको सच्चाई से दूर करता है, उस सच्चे चरवाहे से जो आपको वचन की ओर अगुवाई करेगा, वो पवित्र आत्मा और आपके पास अनुभव नही होता है, और आपके जीवन में पवित्र आत्मा की कोई गवाही नही होती है, जो बिना...

212 परमेश्वर वो एक है। परमेश्वर ही केवल एक है, जिसके पास अनंत जीवन है, और वो अनंत जीवन है। और किसी भी चीज की शुरूआत है,

उसका एक अंत है। और यदि आप केवल एक कलीसिया के सदस्य हैं तो, इसकी एक शुरुआत थी। लेकिन परमेश्वर के वचन कीना कोई शुरुआत है, और परमेश्वर के... और जब आपका परमेश्वर से जन्म होता हैं, आपका वचन से जन्म होता हैं, तब आप एक परमेश्वर के पुत्र बनते हैं, और आपका नाम मेमने की जीवन की किताब में जगत के नीव डालने से पहले डाला गया था। और आप, आपके बालों का जो रंग है, आपके आंखों का जोरंग है, जिस ढांचे में आप हैं, परमेश्वर ने आपको जगत के नींव डालने से पहले देख लिया था। और आपको एक मनुष्य जाति में देखा था, जैसे आप हैं। और हालाँकि वहां पर अब भी कुछ लाखो वर्ष आने थे, वहां कोई भी आपको वापस उस सिद्ध डील–डौल में आने से नही रोक सकता है, जिसे आदि में परमेश्वर ने आपके लिए ठहराया है, "मेरी भेड़ मेरी आवाज को सुनती है, एक अजनबी के पीछे नही जायेंगे।"

213 और यदि आपने आज रात उस जीवन को आज स्वीकार नही किया है, और आप एक—एक—एक काल्पनिक कहानी की ओर देख रहे है, उस एक—एक चरनी में पड़े हुए छोटे बच्चे की और एक ज्ञानी मनुष्य का झुंड उसके चारों ओर है, आप इस तरह की बात को विश्वास नहीं करते है। और यह सोचने की कोशिश करते हैं, "ठीक है मैं भला व्यक्ति बन जाऊंगा, मैं *यह* करूँगा। और मैं कलीसिया से जुड़ जाऊंगा। और यही है जो सब की मुझे करने की आवश्यकता है।" आप खो गए हैं, यदि आप के पास अनंत जीवन नही है तो, भला आप हमेशा के लिए कैसे जी सकते हैं?

214 आप एक गेंहू के दाने को ले सकते है, मैं परवाह नही करता यह कितना सिद्ध दिखाई देता है, आप... विज्ञान ने एक निर्मित किया, जिसे आप काट कर खोल सकते है: इसके अंदर उसी तरह की एक नमी है, उसी प्रकार का हृदय, वही वस्तुए, जिससे वो दाना जमीन पर उग आता है, और वही चीज। आप उन्हें एक प्रयोगशाला में रख सकते हैं, और आप एक से दुसरे का अंतर नही समझा सकते हैं: एक दाना अच्छे रोटी के दाने को तैयार करेगा जैसे वो दूसरा, एक उसी तरह से पके दाने को तैयार करेगा। लेकिन एक ही तरीके से आप उनका अंतर सकते हैं, उन्हें गाड़ना है। वो एक जिसे मनुष्य ने बनाया है, वहां पर ऐसे ही रहेगा, यह सडता है और यह कभी भी ऊपर नही आता है। लेकिन वो एक जिसे परमेश्वर ने बनाया, जिसमें एक जीवन का जीवाणु है, यह फिर से जीने लगता है।

215 आप एक मसीह का ढोंग कर सकते हैं, आप हो सकता है एक कलीसिया जाये, जैसे एक मसीह जाता है, हो सकता हैं आप अपने नाम को किताब में डाले एक मसीही के जैसे, आप एक मसीही के जैसे एक संस्था से जुड़ सकते है; यह सब ठीक होगा, लेकिन जब तक वो अनंत जीवन आपमें नही है, जिसके लिए उस अच्छे चरवाहे ने अपने जीवन को दिया, ताकि अलग... जब परमेश्वर पेंटीकोस्ट पर नीचे उतर आया, वह एक अग्नि के गोलाकार के जैसे नीचे उतर आया, जैसे वह सीने पर्वत पर उतरा था, जैसे वो उस चरवाहे के पास पहले आया था, जो मूसा था। और जब वह नीचे उतर आया, उसने अपने आप को अग्नि के जीभो में विभाजित करके हर एक के ऊपर बैठ गया, परमेश्वर अपने आप को उसके लोगों के अंदर विभाजित कर रहा है। और अपेक्षा करता है, आपने उसे ग्रहण किया है जिसे... पतरस ने कहा, कि, "यह आपके लिए है और आपके बच्चों के लिए, जो बाद में आते हैं।"

216 मित्रों, आप किसी भी धर्म शास्त्री को मत सुनना, आपको फिर से जन्म लेना होगा। और जब आप लेते है, वह आत्मा जो आपमें हैं, वो परमेश्वर का भाग है, और हर एक परमेश्वर के वचन के होने की गवाही देता है, "यह सच्चाई है।" यदि आपको यह अनुभव नहीं मिला है तो, आइए अब जल्दी से जाएं उस चरनी की और जाये, जो वचन है। आइए हम जल्दी से बाइबल में जाएं, इन सजे हुए धर्म विद्यालय सम्बंधित कलीसिया से दूर, एक सच्चे चरनी की ओर, परमेश्वर के वचन की ओर जहां पर मसीहा को जाना गाया।

अपने सिरो को झुकाते हुए, आइए प्रार्थना करेंगे।

217 प्रिय परमेश्वर, यही वो सब है जिसे इस समय पर मैं बोलने के लिए जानता हूं। हम क्रिसमस के समीप जा रहे है, वे रास्ते स्त्री और पुरुषों से भीड़–भाड़ हैं, लड़के और लड़कियां, आगे बढ़ रहे है, धक्का दे रहे है, कोशिश कर रहे हैं कि वे किसी को उस वापसी उपहार को दे जिन्होंने उनके लिए, उसी रीती से उपहार दिया होगा। बहुत से लोग, जो अपने आपको मसीही कहते हैं, बाहर रास्ते पर सिगरेट को खरीदते हैं, क्रिसमस के उपहार के लिए शराब लेते है। परमेश्वर, ये ऐसा दिखाई देता है, जैसे वे इसे वापस ठीक आपके मुंह पर फेंक रहे हो, अपने बच्चों को और कोई काल्पनिक शिक्षा दे रहे हैं, रोमन, पागान, एक संत निकोलस की धर्म शिक्षा, कोई

झूठी कहानी यही है संसार के द्वारा आसानी से स्वीकार किए गया है, और वे मसीह के सच्चे क्रिसमस, उस सच्चे मेमने से मुड गए हैं।

218 परमेश्वर, मैं आज रात प्रार्थना करता हूं, कि जैसे हमने अपने सिरों को इस मिट्टी की ओर झुकाया है, यहाँ से आपने हमें उठाया था... आपने एक बार अब्राहम से कहा, उस महान नबी चरवाहे को, "अब्राहम जाओ, और उस समुंदर के किनारे रेत की गिनती करो।"

219 और उसने शब्द को वापिस दिया, "वे अनगिनत है, मैं उनकी गिनती नही कर सकता हूँ।"

220 फिर आपने कहा, "ऊपर आकाश की ओर देखो, और उन तारों गिनती करो।" और वो जानता था कि यह असंभव है। और आपने उससे कहा, "वैसे ही तेरा बीज होगा।" हम उस संदेश को देखते हैं उस चरवाहे नबी की ओर, "धरती की मिट्टी से, उस आकाश के तारों को," कि यदि वहां पर मृत्यु हो, हमारे मरनहार शरीर मिट्टी में चले जाते है, वहां पर एक जीवन है जो हमें फिर से तारों की ओर उठा ले जा सकता है।

221 जैसे आपने अपने महान नबी दानिय्येल से कहा, "और वे जो अपने परमेश्वर को जानते हैं, अंतिम दिनों में वे अद्भुत कार्य को करेंगे। और वे जो बहुतो को धार्मिकता की ओर मोडेंगे, हमेशा और हमेशा के तारो से अधिक चमकदार होंगे।"

222 प्रभु परमेश्वर, महान सृष्टिकर्ता, जो धरती पर यीशु के रूप मेंआना चाह रहा था, ताकि मनुष्य जान जाये कि परमेश्वर क्या था। और आप ही केवल वो एक है जो मृत्यु के जुर्माने को ले सकते थे, कोई दूत नही, आपका स्थान कोई और इसे नही ले सकता था। आप ही वो एक थे, जिसने जुर्माने को भरा और आप ही अकेले इसे न्यायपूर्वक इसे दूर सकते थे। और एक आत्मा होने के नाते, आप नही मर सकते हैं, लेकिन आप देहधारी हुए, जिससे की आप मर सके; और एक मेमना बन गए जिससे आप अपने छुड़ाए हुओ के पाप को दूर करे, जिससे आप अपने खुद के लहू के द्वारा उन्हें छुड़ाना था।

223 ओह, यह कहानी बहुत ही महान है, प्रभु, यह बहुत से लोगों के सिर के ऊपर से चली जाती है। यह सोच कर: "वो छोटा यहोवा, चरनी में पड़ा हुआ है, उसे एक बालक की नाई जीना पड़ा था, वो छोटा यहोवा, उसने एक अस्तबल में जन्म लिया, वो छोटा यहोवा रास्ते पर बच्चों के

साथ खेल रहा था। छोटा यहोवा, वो नौजवान। छोटा यहोवा, स्कूल जाने वाला लड़का। और यहोवा, वो सामर्थी।" आपने इन सारे स्थानों को लिया। "और फिर यहोवा, वह मेमना। यहोवा, वो नबी।" और आप यह सब बन गए जिससे की पाप के जुर्माने को सह सकेऔर ताकि हमें अनंत जीवन को दे दे।

224 हमें क्षमा किजिये, ओ परमेश्वर, हम दीन है, इस संसार की अयोग्य सृष्टि हैं। हम आज रात शर्मिंदा है, प्रभु, जब हम पढ़ते हैं कि आपने हमारे लिए क्या कर दिया है, और हमने वापसी में बहुत थोडा ही किया है। आप किस तरह से उन बड़े–बड़े धार्मिक नेताओ के दिनों में आए! आप किस तरह से खडे होकर और पिता के वचन को प्रतिबिंब करना चाह रहे थे! आपने किस तरह से उनके धर्म शिक्षाओं के ऊपर समझोता नही किया! और आज ऐसा दिखाई देता है कि कोई एक भी नही है जो चाहता हो कि खड़े होकर फिर भी वचन को "वो वचन बोलें," और समझोता ना करे। हम प्रार्थना करते है परमेश्वर, आप हमें इन बातों के लिए क्षमा करें, जिसे हमने बिल्कुल ध्यान नही दिया है। और आप हमें आज रात हमारे हृदय में देंगे, जैसे हम आपको इसे एक चरनी की नाई देते है। और हम जानते हैं कि हर समय उस क्रूस पर चढ़े मसीह को स्वीकार किया गया है, वहां पर एक नया जन्म होता है, वहां एक नई जन्मी हुई भेड़ होती है, वहां दूतों के द्वारा स्वर्ग में एक गीत गाना होता है। जब एक पापी के पश्चाताप करने पर, वे दूत फिर से गाने लगते हैं।

225 हम प्रार्थना करते हैं परमेश्वर, कि, यदि यहां पर आज रात कोई है जो आपको परमेश्वर के सच्चे उपहार की नाई नही जानता है, एक व्यक्तिगत उद्धारकर्ता की नाई, नाही एक मानसिक विचारधारा के द्वारा, लेकिन एक नए जन्म के द्वारा (आपकी आत्मा के जन्म से आना है) होने पाए वे इसे अभी स्वीकार करें, प्रभु, अपने सर को झुकाने के साथ। और यदि वहां पर एक कोई होता है, प्रभु, जिसने इसे नही किया हो, होने पाए उनके हृदय अभी आनंद को पाये और उन पहले की चरवाहों के जैसे उनके अपने हृदय की चरनी में ढूंढे, उस वचन को, मसीहा को; जिसे उन्हें पवित्र आत्मा की नाई प्रमाणित किया जाना है, वो उस दिन का महान चरवाहा। हम इसे यीशु के नाम में मांगते हैं।

226 जब हमने अपने सिरों को झुकाया हैं, और मैं भरोसा करता हूं, हमारे

हृदय भी झुके हुए हैं, क्या आप—क्या आप मेरे प्रिय भाई, यदि आप एक कलीसिया के सदस्य है... और मैं आशा करता हूं कि मैंने आपको इसे कहने के द्वारा ठेस नही पहुंचाई है, जो मैंने कहा है। मैंने... यह ठीक बात है कि आप कलीसिया से ताल्लुक रखते है, हमें यह करना चाहिए, लेकिन, ओ भाई, आप उसे स्वीकार ना करे, आपको फिर से जन्म लेना ही है। यही है, जो उस महान नबी चरवाहे ने कहा, "आपको फिर से जन्म लेना ही है।" उसने इसे एक धर्म शास्त्री को कहा, "तुम्हे फिर से जन्म लेना ही होगा।"

227 और जब आप फिर से जन्म लेते हैं, ये इसलिए नहीं है, क्योंकि आप विश्वास करते है। वे कहते हैं, "आपने जन्म पाया है, जब आप विश्वास करते है।"

228 लेकिन बाइबल ने कहा, "शैतान भी विश्वास करता है।" अब ध्यान दे, यह ऐसा नही है, यह एक अनुभव है।

229 आप कहते है, "तो, मैंने एक अच्छे जीवन को जीया है।"

230 उन प्रेरितो ने वैसे ही जीया, लेकिन उन्होंने फिर से जन्म नही लिया था, जब तक उन्होंने पवित्र आत्मा को नही पाया। वे यहां तक परिवर्तन भी नहीं हुए, जब तक उन्होंने पवित्र आत्मा को नही पाया। आपको वो रात याद है, बेतरायेल से पहले... या बेतरायेल पर, इससे पहले बेतरायेल जगह को ले? यीशु ने शिमौन पतरस से कहा, "जब तुम परिवर्तन हो, तुम अपने भाइयों को स्थिर करना।" और पतरस ने उसका साढ़े तीन वर्षों तक अनुकरण किया, और शैतानों को निकाला, और बीमारों को चंगा किया, सुसमाचार को प्रचार किया था, और फिर भी (वचन के अनुसार) परिवर्तन नहीं हुआ था।

231 अब, क्या आप अपने हृदय में, आज रात उस तरह के—के एक संदेशवाहक बनना चाहते हैं? यदि—यदि आप सचमुच चाहते हैं कि... इससे क्या फर्क पड़ता है कि कोई और क्या कहता है, यही सच्चाई है, भाइयों, बहनों। मैं जानता हूं यह सच्चाई होगी। क्या आप, जब हमने अपने सिरो को झुकाया हैऔर हर एक आंखें बंद है, मेरे लिए नही, मैं तो केवल एक मनुष्य हूं, आपका भाई हूँ, लेकिन मसीह के लिए अपने हाथों को उठाये, कहे, "मैं यह विश्वास करता हूं। और सचमुच उस मसीह को अपने हृदय के अन्दर चाहता हूं, वह सच्चा क्रिसमस का उपहार? " क्या अब आप अपने

हाथों को उठाएंगे? परमेश्वर आपको आशीष दे। यह अच्छा है। परमेश्वर आपको भी आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। ओह, हर कहीं हाथ दिखाई देते है।

232 होने पाए यह हो जाए भाइयो; ये होने पाए, बहनों; ये होने पाए मेरे मित्रों; परमेश्वर की आत्मा से भर जाए। इससे क्या फर्क पड़ता है, कोई औरक्या कहता है? याद रखना, यह आपका जीवन है। हो सकता है, हम आज की सुबह धरती होते भी नही, हमारे पास जीवन का कोई और आश्वासन नही—नही है, जो अब हमारे नथनो से अब हम सांस लेते हैं। हो सकता है हम एक और सांस को कभी भी नही ले, ये केवल परमेश्वर का अनुग्रह है। और कोई फर्क नही पड़ताकिये कितना अच्छा करता है, आप कितना अच्छा (जीवन) जीते है और कितना... ? यीशु ने कहा, "जब तक एक मनुष्य फिर से जन्म नही लेता, वो इसमें बिल्कुल प्रवेश नही करने पाएगा।"

233 अब, मैं जानता हूं, फिर से जन्म की *शब्दावली* क्या है, लेकिन आइए थोडा देखेंगे, बाइबल में क्या हुआ था, जब उन्होंने नया जन्म लिया था। पतरस एक विश्वासी था, वे प्रेरित विश्वासी थे, लेकिन उन्होंने फिर से जन्म नहीं लिया था, जब तक पवित्र आत्मा पेंटीकोस्ट उन पर नही उतरा, बाद में। अब, वे सोच रहे थे, क्या हुआ था और पतरस ने कहा, और बाकी के लोगों से, "तुम इस्राएल के लोगो, तुम यह जान लो; नासरत का यीशु, परमेश्वर के मंजूरी से एक मनुष्य को तुम्हारे बीच में भेजा, चिन्ह और चमत्कार और अद्भुत कार्य को करने के द्वारा, जिसे परमेश्वर ने उसके द्वारा किया; निर्धारित परिषद के द्वारा, उसे पहले ही जाना गया था, तुमने उसे गन्दे हाथों से उठाकर और क्रूस पर चढ़ाया, जिसे परमेश्वर ने जीवित किया और हम उसके गवाह है। उसने इसे उंडेल दिया है, जिसे आप अब सुनते और देखते है, यह वचनो के अनुसार है।"

234 और फिर जब उन्होंने इसे सुना, उनके हृदय छिद गए और कहा, "लोगो और भाइयों, हम बचने के लिए क्या कर सकते हैं? "

235 पतरस ने उनसे कहा, "पश्चाताप करो!"

236 अब, मेरे कैथोलिक मित्र यहाँ पर बैठे हुए हैं, चार या पांच जिन्हें मैं जानता हूँ, यहां पर बैठा हुए है। मैं आपके याजक के साथ तर्क–वितर्क कर रहा था, हो सकता है *आपका* याजक ना हो, लेकिन उन कैथोलिक याजको

में से एक, उसने कहा, "यीशु ने कलीसिया को सामर्थ दी ताकि पापो को क्षमा करे, 'जिनके पाप तुम क्षमा करोगे, उनके क्षमा किए जायेंगे, जिनके तुम रखोगे उनके रखे जाएंगे।'" यह सही है। लेकिन आइए देखें उसने इसे कैसे किया, कैसे प्रेरितो ने उसकी आज्ञा का अनुकरण किया, नाही उस तरह से उनके अनुसार जो—जो आज के याजक करते हैं।

237 लेकिन उस पहले याजक ने जो किया, यदि आप उसको बुलाना चाहते है, पतरस, जिसके पास उस राज्य की चाबियां थी। कैसे उसने इसे करने को कहा? उसने कहा, "पश्चाताप करो, तुममें से हर एक जन और पापों के लिए क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में बप्तिस्मा लो, और तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे। क्योंकि यह प्रतिज्ञा तुम्हारे, और तुम्हारे बच्चों के लिए है और उनके लिए जो आने वाले है, यहाँ तक जितनो को प्रभु हमारा परमेश्वर बुलाएगा।" और यदि परमेश्वर अब भी बुला रहा है, तो वही अनुभव आपके लिए है यदि आप उसी निर्देश का अनुकरण करते है, यदि यह झुण्ड इसे विश्वास करता है, अपने सिरों को झुकाने के साथ, "आमीन" कहता है। [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] फिर जो कुछ भी घटी है, जो वचन के विरोध में है, और ये चरवाहे के अनुसार नही है।

238 प्रभु यीशु, वे अब आपके हाथों में हैं। मैं प्रार्थना करता हूं कि हर एक खुला हृदय आज रात, जिसे मसीह प्राप्त नहीं हुआ है, मसीहा (और मसीह वचन है, अभिषेकित वचन जो प्रकट हुआ) और यदि यहां आज रात कोई हृदय है, जिसके पास वह मसीह नही है, वो सच्चा क्रिसमस का उपहार, वहां वो ही केवल सच्चा क्रिसमस का उपहार है, जिसे परमेश्वर ने संसार को दिया, और चरवाहों के द्वारा इसे संसार के लिए जाहिर किया, उसके मेमने को, जो पाप के लिए प्रायश्चिता है, और यदि वो हृदय आज रात खुला है, इसे इसमें स्थापित करे, प्रभु, उस मसीहा को, जो आज का वचन है। हम उन्हें आप को सोपते हैं, यीशु मसीह के नाम में, जो आपका पुत्र है। आमीन।

239 क्या आप उससे प्रेम करते हैं? क्या आप उस पर विश्वास करते हैं? "प्रथम तुम परमेश्वर के राज्य की खोज करो और उसके धर्म की खोज करो, सारी चीजें आपको मिल जाएंगी।"

240 मित्रों इससे पहले हम सभा को बरखास्त करे, मैंने बहुत बार बोलना चाहा है, मुझे बहुत ही गलत समझा गया है। मेरे पास परमेश्वर से इस संदेश

होता है, और मैं मुझे इसे जाहिर करना ही है, कुछ भी हो। मैं जानता हूं यह गलतफहमी है। यदि यह नही था तो, तब यह परमेश्वर से संदेश नही होगा; यह नही हो सकता। वहां आज इतनी गड़बड़ है कि लोग गलत फहमी से बच नही सकते। मैं विश्वास करता हूं कि हर एक संस्था और संप्रदाय मेंपरमेश्वर के लोग है, और ऐसा नहीं है कि मैं मेरे भाइयों के खिलाफ हूँ। मैं यहां टूसान में तीन वर्ष पहले आया और मैंने यहां पर आप सेवकों के साथ एक बैठक की थी भाई गिलमोरे के यहाँ, और मुझसे ये पूछा गया था, "क्या मैं यहां पर एक कलीसिया को आरंभ करने के लिए आया हूं? "

241 मैंने कहा, "नही, श्रीमान। मैं यहां पर*आपकी* सहायता के लिए आया हूं।" लेकिन मुझसे तीन वर्षों में कभी नही पूछा गया है। लेकिन अब भी वैसे ही, मैं यहां पर आप की सहायता के लिए हूं। मैं यहां पर आपके साथ हाथ मिलाने के लिए हूं, ना ही आपके साथ संस्था से जुड़ने के लिए, लेकिन परमेश्वर के वचन पर हाथों को और हृदय को से मिलाने के लिए, ताकि सुसमाचार को प्रचार करने की कोशिश करूं, उस हर एक खोए हुए प्राण और हर एक जरूरतमंद व्यक्ति लिए जो हमारे विचारो की आवाज के नीचे है।

242 मैं अपने आपको परमेश्वर को आज रात मेरे पूरे हृदय के साथअर्पण करता हूं, वो सब कुछ जो मुझ में है। मेरे पास देने के लिए और अधिक कुछ नही है; मैं लोबान, गंधरस और सोना नहीं ला सकता हूं, क्योंकि मेरे पास नही है। लेकिन जो भी मुझ में है जिसे परमेश्वर ने मुझे इस जीवन में दिया है, उसे आज रात नए सिरे से समर्पित करता हूं, मेरे हृदय में उसके वचन की चरनी पर; और उससे उस वचन के साथ खड़े रहने की प्रतिज्ञा करता हूं, यदि वो मुझे एक और वर्ष के लिए जीने देता है, जितना मैं वचन में खड़े रहने के विश्वासयोग्य रह सकता हूँ उतना रहूँगा; इसका हर एक अंश प्रचार करूं और इसके हर एक अंश को विश्वास करूँ; इसलिये, परमेश्वर मेरी मदद करना। क्या आप भी मेरे साथ वैसे ही करेंगे?

243 हमें आज स्वीकार करे, प्रभु। हमने आपके क्रिसमस के उपहार को स्वीकार किया है, वो मसीह, वो अभिषेकित वचन जो हमारे साथ आपकी उपस्थिति को प्रमाणित करता है, प्रभु, संप्रदाय और संस्था के बावजूद। हम आज अपने आप को देखते हैं, संसार टूट रहा है, और यहां पर वो महान मसीह अपने हाथों को फैलाए हुए खड़ा हुआ है। यीशु मसीह, कल, आज

और युगानुयुग एक सा है, जिसने उस प्रतिज्ञा को किया है, इस अंतिम दिनों में वो कलीसिया इतनी संस्थागत हो जाएगी, जब तक ये लौदकिया के अंदर नहीं चली जाती है। और हम आज इसे देखते है, प्रभु।

244 हम क्या कर सकते है, प्रिय परमेश्वर? मैं क्या कर सकता हूं? मुझे और इन दूसरे चरवाहों की सहायता करे, प्रभु, जो सारे संसार में है, इस संसार के जो चरवाहे है, ताकि इसे इन आने वाले वर्ष में जाहिर करे, प्रभु। हमारी सहायता करे, प्रभु, हम प्रार्थना करते हैं। हमें आपका प्रेम और आपकी आत्मा और आप का उजियाला दिजिये। हम अपने आपको आज रात, आपके वचन और आपकी पुकार के लिए समर्पित करते हैं। यीशु मसीह के नाम में, हम आपके क्रिसमस के उपहार को स्वीकार करते है: वो परमेश्वर का वचन हमारे अंदर देहधारी हुआ है। आमीन।

245 मैं कलीसिया के गीतों को पसंद करता हूं। और पौलुस ने बाइबल में कहा, "जब मैं गाता हूं, मैं आत्मा में गाता हूं। मैं प्रचार करता हूं, तो मैं आत्मा आपका में प्रचार करता हूं। जब मैं... जो कुछ भी मैं करता हूं, मैं इस सब को यीशु मसीह के नाम में करता हूं।" ऐसा होने के लिए, आप पर यह जोर दिया गया है... और मैं—मैं आपकी सराहना करता हूं। मैं इस संदेश के साथ आया हूं। कभी–कभी मुझे ऐसा लगता देता है, मैं इसे कहने से घृणा करता हूं, लेकिन फिर भी मैं—मैं कर्तव्य बाध्य हूं, भाइयों। यदि, मैं इसे नही करता हूं, तो मैं एक ढोंगी हूं। यदि मैं इसे नहीं करता हूं, मैं अपनी विवेक के लिए विश्वासघाती ठहरता हूं, और मेरा खुद का—खुद का जो परमेश्वर के वचन परविश्वास है। मुझे इसे करना ही है, कुछ अलग नहीं होना है, लेकिन मेरे बुलावट के लिए सच्चा बने रहना है। मैं आप सबकी सहायता करना चाहता हूं, मैं वो सब कुछ करना चाहता हूं, जो मैं कर सकता हूं।

246 अब, आइए इस हर समय के महान स्तुती के गीत को गाये, मैं इसे बहुत ही पसंद करता हूं, *मैं उससे प्रेम करता हूं*। आप जानते हैं, मैं विश्वास करता हूं, यदि हम उससे केवल प्रेम करते है, हम वो करेंगे, जो वो हमसे करने के लिए कहता है। "तुम मुझे कैसे 'प्रभु' बुलाते हो, और वह बातें जो मैंने तुमसे करने आज्ञा दी है नही करते हो? तुम मुझे कैसे 'प्रभु' बुलाते हो, और फिर वह बातें जो मैंने तुमसे करने आज्ञा दी है नही करते हो? "

247 क्या आप पहले एक किराये के चरवाहे को पसंद सुनना पसंद करेंगे, जो कहेगा, "अपने नाम को किताब में लिखवाओ, और जुडो; इस प्रभु भोज को लो, *इसे* कहो, और यह सब ठीक बात है," जब उस महान चरवाहे ने खुद कहा, "जब तक एक मनुष्य फिर से जन्म नहीं लेता है, वो राज्य में प्रवेश भी करने ना पाएगा।"

248 और उस दिन के प्रशिक्षित धर्म शास्त्रियों को देखो, जो प्रशिक्षित है। पवित्र? साफ जीवन जीते? हमारे पास आज इसके साथ तुलना करने के लिए कुछ नहीं है, जिस तरह से उन्होंने जीया। और उस महान चरवाहे ने उन्हें क्या कहकर बुलाया? कहा, "तुम अपने पिता शैतान से हो।" क्योंकि उन्होंने नही... उन्होंने वचन को पहचाना, लेकिन दूसरे दिन के वचन को, *उस* दिन के वचन को नही पहचाना।

249 यदिवे नूह के समय को पहचानते है, यह ठीक बात है, वो नुह के समय के लिए था; लेकिन ये मूसा में समय काम नही करेगा। और मूसा का समय, मसीह के समय में काम नही करेगा। समझे? लूथर का समय वेसली के समय में काम नहीं करेगा। वेसली का समय पेंटीकोस्ट के समय में काम नही करेगा। और पेंटीकोस्ट ने उसी काम को किया, जिसे उन बाकी के लोगों ने किया था। अब, किसने मेरी इन बीते हुए दिनों में सहायता की है? आपसे पूछता हूं...

250 जब एक घास की पत्ती ऊपर आती है, यह क्या है? क्या... जब एक गेंहू की पत्ती ऊपर आती है। यीशु ने कहा, "जब तक एक गेंहू का दाना जमीन में गिरता नहीं है।" क्या होता है जब एक गेंहू का दाना... या एक गेंहू जमीन में गिरता है? जो पहली चींज ऊपर आती है वो एक छोटी सी पत्ती होती है। ये—ये उस दाने के जैसे नही होती है, जो जमीन में गया था। प्रकृति को देखना। ये उस दाने के जैसे नही होती है, जो जमीन में गया था, लेकिन यह दाने के जीवन का संदेशवाहक है। क्या आया...

251 वो नास्तिक जिसने अभी उस प्रसिद्ध किताब को लिखा, *वो मौन परमेश्वर,* इसने कहा, "कैसे वहां पर एक परमेश्वर हो सकता है, जो एक लाल समुद्र को खोल सकता है, और हजारों वर्ष के अंधकार युग में खड़े होकर और इन छोटे बच्चों को शेरों के द्वारा खाते हुए देख सकता है, और लोग क्रूस पर लटकाया गया और रणभूमि और स्थानो में हत्या कर दी

गई है, और यहाँ तक उसने अपने मुंह खोला भी नही? " देखो, वचन एक प्रकाशन है।

252 वह गेंहू, जब उस सच्चे गेंहू ने शुरुआत में आरंभ किया, इसने परमेश्वर को छोड़ दिया। वहां अत: एक गेंहू आता है, परमेश्वर का सच्चा प्रतिबिंब करने वाला, जिसने उसके सारे वचन को प्रतिबिंब किया यहाँ तक की वह वचन था। तब परमेश्वर ने उसे पेंटीकोस्टल पर एक दुल्हन को दिया, लेकिन वह दुल्हन अंधकार के युगों में जमीन के अंदर चली गई। बिल्कुल वैसे ही जैसे उस गेंहू के दाने ने किया, यह अंदर चला गया। और ये कार्य क्यों नही कर सका? क्योंकि ये धरती के नीचे छिप गया था, इससे पहले ये जीवन को लाये...

253 लेकिन एक समय वहां पर एक याजक आता है, जिसका नाम मार्टिन लूथर था, और उसने एक सच्चाई के आगे लाया, "धर्मी जन विश्वास के द्वारा जीवित रहेगा।" वहां एक पत्ती आती है; बाद में इसके पीछे–पीछे एक और पत्ती आती है, ज्विगली, और फिर केल्विन और नाक्स और आगे–आगे।

254 पहली चीज आप जानते हैं, ये उसके पत्ती को बदलता है, फिर एक गुच्छे के अंदर चला जाता है। अब, यह थोड़ा सा और इसके समान दिखाई देता है, लेकिन अब भी ये उस मूल चीज नही था, जो उस जमीन में चला गया था, वहां पर साथ ही वेसली आता है। वेसली से मेथोडिस्ट कलीसिया, और मेथोडिस्ट से नाजरीन में आया, यूनाइटेड ब्रदरइन, और इत्यादि। और इसने क्या किया? ये फिर से वापस गिर गए और उन्होंने एक गेंहुं के सच्चे दाने के जैसे दिखने वाले को अब आगे लाया, पेंटीकोस्ट।

255 अब, देखना यीशु ने मत्ती 24:24 में कहा, "अंतिम दिनों में दो आत्माएं बहुत ही नजदीक होंगी, यहां तक यह चुने हुए को भी भरमाएंगे, यदि यह संभव होता था तो।" अब, जब वो गेंहू का दाना आगे आता है, कोई भी खेती करने वाला जानता है, कि यह सिद्ध जैसा दिखाई देता है, उस गेंहु का दाने के जैसे। लेकिन आप नीचे बैठकर और इसे अपने हाथों में ले, इसे खोलें। और इसके अंदर कोई गेंहू नही होता है, ये एक भुसी है। लेकिन इसके एक के पीछे एक, और माइक्रोस्कोप (यन्त्र) से आप एक छोटे अंकुर के अंश को देख सकते है, वहां पर वो दाना आता है। और तब वो भुसी को क्या करना होता है? ये दाने का बचाव करता है, वह तेज सूर्य इसे

खत्म कर देगा। यह दाने को बचाये करता है, जब तक यह दाना पक्वता में नही आ जाता। और फिर जब वोदाना पक्वता में आने लगता है, वो भुसी इस से अलग होने लगती है। लेकिन, क्या आपने ध्यान दिया, वो दाना जो आगे आता है, उसे उसी प्रकार का दाना होना है, जो जमीन के अंदर चला गया था।

256 लूथर की बेदारी के बाद, एक संस्था आ गई। वेसली की बेदारी की बाद, एक संस्था आ गई। अलेक्सजेंडर स्मिथ के बाद, जॉन... अलेक्सजेंडर चेपल के बाद जॉन स्मिथ, और वे बाकी के सारे, एक संस्था आ गई। पेंटीकोस्ट के बाद, ठीक आगे वो वास्तविक चीज के जैसे, लेकिन एक संस्था आ गयी। इसने क्या किया? अलग कर दी...

257 हमारे पास पन्द्रह वर्षों की बेदारी हुई है, इसे सारे इतिहास में कभी नही जाना गया है। और देखो, इस पन्द्रह वर्षो की बेदारी में, यह सारे संसार में फैल गई है और एक भी संस्था इसमें से बाहर नहीं आई है। यह कहाँ था? (इसने अंतिम बारिश को आरंभ किया, ये अपने में मर गये... तुरंत ही मर गए) वहां पर इसका अनुकरण करने के लिए संस्था नही है। क्यों? यह अपने आप में दाना है, वहां अब कोई और नही हो सकता है। और अब भूसी निकलते जा रही है, आपसे कोई सहयोग नही, कोई भी आपको नही चाहता। ऐसा क्यों है? इसे ऐसा ही होना है।

258 वहां पर वो कलीसिया क्यों स्थिर थी? ताकि इसे सहयोग दे। कहां... किसने इसका सहयोग किया होता? क्या बैप्टिस्ट, या प्रेसबीटेरियन, या लूथरन एक दिव्य चंगाई की सभा का सहयोग किया होता? अब सच्चाई सामने आती है, क्या होता है? भूसी नही; लेकिन वो जीवन ठीक भूसी से निकलकर और सीधे दाने के अन्दर चला जाता है, वो सच्चा वास्तविक जीवन। वो संस्था वहां पर खड़ी होती है, मरती जाती है, बिल्कुल वैसे ही जैसे इसने हर एक युग में किया है, ये वैसे ही करते है। आप इसमें से पच्चास वर्ष पहले बाहर आ गए है, और ठीक वापस इसके अंदर चले गए है। लेकिन वो वास्तविक जीवन दाने के पीछे–पीछे जाता है, हम अंतिम समय में है, भाइयों।

259 इसे किस बात के लिए अलग किया गया है? इसलिए कि यह दाने को पुत्र की उपस्थिति में लेकर आए, ताकि दाने को एक सुनहरे पकवता में लेकर आये, एक पके हुए सुनहरे दाने को, जो मूल अवस्था है। क्यों

इसे अलग किया गया है? इसलिए, इसका कारण दिल का दौरा, आंसू है, जिससे वे सूरज (s–u–n) की उपस्थिति में नही पड़े रहते हैं, लेकिन पुत्र (s–o–n) की ताकि वे सच्चे सम्पुर्व सुसमाचार के लिए पक जाये, जिससे हर एक चीज को जाहिर करें, जिसकी बाइबल में यीशु मसीह ने प्रतिज्ञा की है। वहां पर आज एक देह लोगों के बीच में खड़ी हो रही है। और वहां पर अब कोई और संस्था नही होगी, यह ठीक उस धनी लौदकिया के अंदर चली जाती है। संस्थाओं को किस बात के द्वारा सफल किया गया है? लाखों डॉलर और लाखों प्राण।

260 और चरवाहा किस बात से आया था? ताकि उसके भाइयों का बंधूवाई से छुटकारा करे। मैं—मैं नहीं जानता; परमेश्वर, हमारे साथ होना, हमारी सहायता करना। वचन का अध्यन करो! वचन में से ढूंढो! उनमें, हम सोचते हैं कि हमारे पास अनंत जीवन है, और वे जो सच्चाई की गवाही देते हैं। देखो, परमेश्वर ने उस के वचन को, हर युग के लिए बाँट दिया है। इस युग में हमेशा ही...

261 यीशु ने क्या किया, जब वो आया? उसने उन लोगों को कहा, "तुम ढोंगी हो! तुम सफेद दीवारो को पोतते हो और नबियों की कब्र को बनाते हो, और अपने तुम्हारे पिता को इसमें डाला है। और तुम तुम्हारे पिता के पुत्र हो। और जो काम उन्होंने किया है, तुम भी करोगे।" यह हमेशा ही वैसा ही रहता है, मेरे भाइयों।

262 लेकिन जब एक दिन यीशु आता है, वो भेड़ो का महान चरवाहा पेंटीकोस्ट से होते हुए लूथर से सारे युगों में से होते हुए, जो उजाले को ग्रहण कर चुके है, जब यह संदेशवाहक के जरिए से होता हुआ आया (संदेशवाहक को ग्रहण नही किया, उस उजाले को ग्रहण किया, देखो, बाहर चले गए) वो छुड़ाने के लिए आएगा। मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं जानता हूं कि वो वापस आ रहा है। क्या आप उस झुण्ड की गिनती में होंगे? क्या आप गिनती में होंगे? वहां इसे करने का केवल एक ही तरीका है, कलीसिया के साथ जुड़ने के द्वारा नही, लेकिन उसके अंदर जन्म लेने के द्वारा। "और उन सबको जिसे पिता ने मुझे दिया है, वे मेरे पास आएंगे और कोई भी मनुष्य नहीं आ सकता जब तक मेरा पिता उसे नहीं बुलाता है।" देखो, यही वो सब ये है, इसे ग्रहण करे। वो... यही वो केवल क्रिसमस का उपहार है, जिसे मैं जानता हूं, परमेश्वर का उपहार है जिसे उसने संसार को दिया, उसका इकलौता

पुत्र। और वो, कल, आज और युगानुयुग एक सा है, जो वचन है। समझे? इस दिन में उसका विश्वास करो, जो बाइबल की संपूर्णता है।

263 जब वो सात रहस्य... पहले उन सात कलीसिया कालों में से होते हुए, वहां सात छिपे हुए रहस्य थे। मैं इस पर एक किताब को लिख रहा हूं। और ज्यादा समय नहीं हुआ एक बड़े धर्म शास्त्री ने मुझसे कहा, "भाई ब्रन्हम... " देखो कैसे शैतान आपको रास्ते पर रोकने की कोशिश करता है? उससे कहा, "भाई ब्रन्हम क्या आप जानते हैं? मैं विश्वास करता हूं, प्रभु आप पर प्रकट करेगा हम आगे क्या करने है। वो है... ये कोई महान रहस्य होगा, जो सात मोहरों के नीचे छिपा है।"

264 मैंने कहा, "नहीं ऐसा नही है, भाई।"

265 उसने कहा, "यह कुछ तो होगा, जो वचन में लिखा भी नहीं गया है।"

266 मैंने कहा, "नही! नही! आप भूल रहे है, 'जो कोई भी इसमें एक शब्द को जोड़ेगा या इसमें से इस शब्द को निकालेगा।'" देखो, यह पहले से ही उसमें हैं, लेकिन सुधारक इसे देखने से चूक गए, वे इसे देखने के लिए ज्यादा समय तक नही जीये।

267 और युग अब पुरे हो चुके है, हम ठीक यहां लौदकिया पर है। और याद रखना, लौदकिया का युग, वो कलीसिया के बाहर था, खटखटा रहा था, वापस अंदर आने की कोशिश कर रहा है: हवा ने उसके आदम को बाहर रखा था। परमेश्वर, हमारी सहायता किजिये। आइए, हम उसे पाने के लिए छावनी के उस पार जाये। आइए, हम बिना फाटको के, उसके साथ सहन करे। आइये, हम उसकी मृत्यु में जाएं, उसके गाड़ने में, और उसके पुनरुत्थान में, क्योंकि वो कल, आज और युगानुयुग एक सा है।

268 आइए हम जाने से पहले एक स्तुती के गीत को गाये। क्या आप गायेगे? *मैं उस से प्रेम करता हूं*। क्या बहन, मुझे इसके लिए धुन को देंगी? कितने लोग इस पुराने स्तुती के गीत को जानते है? मैं... यदि आप इस सभाओ में कभी रहे हैं, मैं इसे पसंद करता हूं।

269 अब आइए हम अब अपनी आंखों को बंद करें, यहोवा को सोचें। कोई भी एक योग्य नही था, कोई भी इसे नही कर सकता था उसे छोड़ कर। और नीचे उतर आया, और एक छोटा बालक बन गया। वो आया, एक नौजवान बना। वो एक सुतार बन गया, एक परिश्रम करने वाले व्यक्ति। वो एक मेमना बना, वो एक बलिदान बना। वो विजयी होकर जी उठा, यहोवा। और जैसे

मूसा ने अपने हाथ को अपनी छाती में से, अपने हृदय में से बाहर निकाला, परमेश्वर ने अपने हाथ को उसके हृदय से बाहर निकाला (उसका रहस्य) उसका पुत्र जिसे पाप की बीमारी से मारा गया था, जो लाइलाज है; और इसे वापस अपने हृदय के अन्दर डाल दिया और इसे आगे की और खींचा और इसे आपके और मेरे लिए बढ़ा दिया: "यीशु मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है।"

270 अब उसकी ओर देखे।

मैं उस से प्रेम करता हूं, मैं उस से प्रेम करता हूं
क्योंकि उसने मुझसे पहले प्रेम किया
और मेरे उद्धार को खरीद लिया
उस कलवरीके पेड़ पर।

271 कितने लोग जानते हैं, इसे एक चरवाहा होना था, "आमीन" कहे। [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] जरुरी है! क्यों एक चरवाहा? इसे होना था। अब जैसे हम इसी अंतरे को फिर से गाते है, इस टेबल के यहां आ जाये। वहां पर मैथोडिस्ट, बैपटिस्ट, लूथरन, प्रेसबिटेरियन, कैथोलिक और वे सारे यहां पर आज रात बैठे हुए हैं। हाथों को मिलाते हुए, कहे, "यात्री व्यक्ति, मैं आपके साथ यहाँ होने के बहुत ही खुश हूं।" उनसे कुछ तो कहे। कहे, "परमेश्वर आपको आशीष दे।" जैसे हम अब एक दूसरे के साथ हाथों को मिलाते हैं। जब हम इसे फिर से गाते है।

मैं...
[टेप पर रिक्त स्थान—सम्पा]
... मेरे उद्धार
उस कलवरी के पेड़ पर।

272 अब आइए हम अपनी आंखों को बंद करें, और अपने हाथों को उठाएं और उसके लिए गाये।

मैं उस से प्रेम करता हूं, मैं उस से प्रेम करता हूं
क्योंकि उसने पहले मुझसे प्रेम किया
और मेरे उद्धार को खरीद लिया
उस कलवरी के पेड़ पर।

273 और अब, परमेश्वर बिना स्वरुप के है। इसलिए, आइए हम अपने सिरों को झुकाएं और अब इसे गुनगुनाये, जैसे एक छोटा बालक होता है, आप

परमेश्वर के बालक है। उस ओर ना देखें कि संसार क्या सोचता होगा, आप अब आराधना कर रहे हैं, मसीह की आराधना कर रहे है। अब अपने सिरों को झुका कर और इसे गुनगुनाये। [भाई ब्रन्हमऔर सभा गुनगुनाते है, *मैं उस से प्रेम करता हूं*—सम्पा।]

274 क्या आप महसूस नहीं करते जैसे सब कुछ साफ हो गया है? एक तरह... कुछ तो सारे संदेह को मिटा दिया है और संसार को आपसे अलग कर दिया है? ऐसा महसूस करते है? अपने हाथों को उठाये, "मैं अब सब कुछ साफ–साफ महसूस कर रहा हूं। मैं अलग ही महसूस करता हूं। मैं महसूस कर रहा हूं, जैसे मैं उसके हाथों से खा रहा हूं। मेरे पास... " जैसे यहाँ भाई ने गवाही दी, "भोजन, चरवाहे का भोजन, भेड़ का भोजन। यही वो वचन है।"

275 परमेश्वर की भेड़ उसके भोजन को खाती है, "मनुष्य केवल रोटी से नही, लेकिन परमेश्वर के मुख से निकले हर एक वचन से जीवित रहेगा।" और ऐसा ही है, बाइबिल कहता है। हमें हर एक वचन को खाना हैं, ना ही कुछ वचनों को, लेकिन हर एक वचन जो मुख से निकलता है। ओह, क्या यह आपको उससे प्रेम करने को नही लगाता? यह सोचकर कि अब हमारे पास अनंत जीवन है! ऐसा नही हम होंगे, *अब* हम परमेश्वर के पुत्र हैं। ना ही हम होंगे, अभी! और ये हमें यीशु मसीह *में* स्वर्गीय स्थानों में बिठाता हैं। और वह बड़ा टेलीविजन जो जाहिर करता है कि वहां पर यहां वायु में तरंगे हैं, जो लोगों को बनाता है (वे व्यक्ति जो सारे दुनिया में घूम रहे है) और टेलीविजन के पर्दे के द्वारा—के द्वारा जाना जाता है। परमेश्वर का महान वचन और परमेश्वर का आत्मा, परमेश्वर के वचन को लेता है, यीशु मसीह को स्वर्गीय स्थानो में उसकी भेड़ों के लिए प्रतिबिंब करता है, कि वो कल, आज और युगानुयुग एक सा है। क्या वो अद्भुत नही है? अद्भुत! परमेश्वर आपको आशीष दे।

276 अब, आइए हम कुछ क्षण के लिए खड़े हो जाये। क्या आपके पास किसी के लिए असीस प्रार्थना है? अब, याद रखना, क्रिसमस के दौरान, प्रभु यीशु की आराधना करे। उसके पुनरुत्थान की सामर्थ में, उसकी आराधना करे। और यदि मैं कभी आप के पक्ष में रहूँ (आपके, आपके पास्टर के, आपकी कलीसिया, या कोई भी) वो रात कभी भी इतनी अंधकार नही होती, वो बारिश कभी इतनी जोर से नही गिरती।

277 एक रात (एक महिला है जो खड़ी हुई है, वो यहाँ उपस्थित है) मैं बहुत ही व्यस्त था, बीमार हो गया और ये सब करते तक... वहां एक अस्सी या ऐसे ही कुछ वर्ष की महिला थी, जिसने अपने दिमाग को खो बैठी थी, और वो... उसने सोचा उसके पास एक बालक है या ऐसे ही कुछ, अपने आपे से बाहर थी। और बिली ने ऑफिस से उसने मुझे फोन किया, कहा, "डैडी, क्या आप कर सकते है? "

278 मैंने कहा, "मैं ठीक अभी नही कर सकता हूं। वहां पर कुछ लोग हैं... मैं इसे अभी नही कर सकता हूँ।"

279 उसने कहा, "डैडी, क्या आप प्रार्थना के लिए जा रहे हैं? मैं उन से कह दूंगा, आप प्रार्थना कर रहे है।"

280 मैंने कहा, "हां।" और बिल्कुल उसी समय वो महिला अपने आपे में आ गयी। नींद में चली गयी, और अपनी सामान्य परिस्थिति में उठी: उसने पूरा चिकन का भोजन किया और अपने सामान्य चेतना में आ गई। लोग यहां पर खड़े होकर कुछ समय पहले इसकी गवाही दे रहे थे।

281 भाई मैक, मैंने यहां कुछ देर पहले उन्हें देखा है, कलीसिया में कही तो। वो यहां पर हैं, उन पास्टरों में से एक, वे स्थानीय पास्टर हैं। वे बहुत ही प्रिय भाई है, और मैंने हमेशा ही भाई मैक को पसंद किया है, जब से मैंने पहले सेवकाई को आरंभ किया था। और तब मैं उनसे मिला...

282 और मैं बहुत पहले ब्रिटिश कोलंबिया में था; और आप को केवल दिखाने के लिए, कैसे परमेश्वर हर एक काम को सही करेगा। मैं पहले से एक घोड़े पर पहाड़ पर चढ़ गया था, और वहां पीछे जंगल के अंदर जा रहा था, जहां पर मुझे एक पुरे झुंड की ओर अगुवाई हुई थी, जो परमेश्वर के रेड इंडियन लोग थे; और वे सब परिवर्तन हुए थे, और यीशु को स्वीकार किया था।

283 और भविष्यवाणी के द्वारा जिसे रेड इंडियन लड़के ने बताया था, जिसने दो वर्ष पहले अपने छोटे घोड़े को खो दिया था, उसे बताया गया, वह इसे कहां पर मिलेगा, ये कितनी दूरी पर होगा, और वो छोटा घोड़ा कहाँ पर खड़ा होगा। उसकी मां दिल के दौरे से मर रही थी। वह चंगी हो गई और उद्धार को पाया था। और ये लड़का, बस इसे देखते हुए और वहां पर आ रहा था... और जानता था कि वो... उसका छोटा घोड़ा बिल्कुल वही पर मिल गया था, जिस तरह से उसे बताया गया था, हर एक चीज।

284 एक शब्द जो प्रभु ने कभी बोल चूका है... मैं आप किसी से भी पूछता हूं, "क्या आपने कभी उसे कुछ ऐसा कहते हुए सुना है, जिसे उसने कुछ मुझसे आपको कहने के लिए कहा हो, लेकिन क्या वह बिल्कुल वैसा ही हुआ है? " यदि यह सही है, "आमीन, " कहे। [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] देखा? देखा? बिल्कुल वैसे ही, ये कभी एक बार भी विफल नही हुआ है।

285 और भाई मैक एक और मृत्यु की कगार पर पड़े हुए थे, और ऐसा हुआ कि उसकी पत्नी ने बिली को फोन किया... मेरे पुत्र की पत्नी को फोन किया, और कहा... और पूछा कि मैं कहां पर हूं; वो प्रिय छोटी महिला और... जो उसकी पत्नी थी। और वो... और मेरी पुत्रवधू ने कहा, "वे पूर्व के ब्रिटिश कोलंबिया में एक शिकार के दौरे पर गए है।"

286 और उस सुबह किसी कारण से, मैं—मैं—मैं बस उस घोड़े की सवारी नही कर पाया। और फिर बिली ने कहा, "मैं विश्वास करूंगा, मैं एक बार फिर से घर में फोन करूंगा।" और वो वहां चौकी पर फोन करने के लिए चला गया। और यहां पर वे दौड़ कर वापस आ रहे थे, जब वो छोटी रेड इंडियन महिला वहां पर खड़ी थी, वो छोटी... जिसके पास वो छोटा घोडा था, कहा, "भाई मैक मृत्यु की कगार पर पड़े हुए है, और वो आपको बुला रहे हैं।"

287 और मैं उठ कर और जंगलों पर चला गया अपने घुटनों पर चला। मैंने कहा, "प्रिय परमेश्वर वहां पर तीन हज़ार मील दूर, देश के उस ओर, एरिजोना के गरम राज्य, टूसान में वह मेरा भाई है, और वो मृत्यु की कगार पर पड़ा हुआ है। क्या आप उसकी सहायता करेंगे? "

288 किसी ने तो मुझसे बात की, "सब कुछ ठीक है।"

289 और जब मैं एक दिन भाई मैक के पास आया, उससे बात करने के लिए, और मैंने उससे पूछा, "आपको किस समय पर चंगाई मिली थी? " यह बिल्कुल उसी समय पर हुआ था, जब हम प्रार्थना के लिए गए थे।

290 ओह, वो... क्या वो अद्भुत नहीं है! वो कल, आज और युगानुयुग एक सा है। मैं यह जानकर बहुत ही खुश हूं, कि मैं राजा की उपस्थिति में रहता हूं।

291 आइए हम अब अपने सिरों को झुकाएंगे, और एक छोटा बहुमूल्य भाई जो यहां पर है, एक मिशनरी का भाई, जो मेरा मित्र है, एक एसेंबली ऑफ गॉड का सदस्य, एक छोटा भाई यहां पर है। मैं उसे "क्रीची" कहकर

बुलाता हूँ। उसने बहुत ही अच्छी तरह से बात को बताया। मैं आपको भाई क्रीची यह कहकर बुलाता हूं। मैं भी जानता, क्या कहूँ, आप मेरे भाई हैं और यीशु मसीह की पीडाओ में, अंतिम दिनों के संगी सेवक है। परमेश्वर आपको आशीष दे। और मैं सोचता हूं भाई टोनी ने कहा आप इस समय पर श्रोतागण को बर्खास्त करने जा रहे थे, जब हम अपने सिरों को झुकाते है। तो ठीक है, आइये।

ये चरवाहे ही क्यों होने थे HIN64–1221

(Why It Had To Be Shepherd)

यह सन्देश भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में सोमवार शाम, 21 दिसम्बर, 1964 को फुल गोस्पल बिसनेसमेन इंटरनेशनल बनकुवेट, के लिए, रमादा इन, टूयूसान, एरिजोना, यु.एस.ए में प्रचारित किया गया। इस हिंदी अनुवाद को वोईस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बाँटा गया है।

HINDI

©2018 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org